शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 38 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 1 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीयूष हजारिका का आदर्श दुशासन : भूपेन बोरा पेज 3

केन्या ने भारत से तोप, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और जहाज खरीदने में रूचि दिखाई पेज 4

तीसरी नजर से पकड़े गये अपराधियों का करें प्रचार, इससे बढ़ेगी दहशत : मुख्य सचिव पेज 5

पंजाब में आईएसआई समर्थित गैंग के छह गुर्गे गिरफ्तार, हथियार बरामद पेज 8

बाल विवाह के खिलाफ अभियान इसी माह से शुरू : सीएम

गुवाहाटी। असम में बाल विवाह के खिलाफ अभियान सितंबर में फिर से शुरू किया जाएगा, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 31 अगस्त को कहा। फरवरी में इस तरह के आखिरी अभियान से राज्य भर में हंगामा मच गया था, जब 4,235 शिकायतें दर्ज की गईं और 93 महिलाओं सहित 3,000 से अधिक लोगों को बाल विवाह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार को मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने 28 जुलाई को पुलिस अधीक्षकों के चौथे सम्मेलन में अधिकारियों को एक और अभियान शुरू करने और 31 अगस्त तक बाल-विवाह के आरोपियों से निपटने के लिए विशिष्ट संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कमजोर -शेष पृष्ठ दो पर

स्वास्थ्य विभाग की दवा से दर्जनों छात्र बेहोश

बिश्वनाथ (हि.स.)। बिश्वनाथ जिला स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान शुरू किया। लेकिन, इस अभियान की शुरुआत में ही गड़बड़ी हो गई। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने स्कूलों में फाइलेरिया के उन्मूलन के लिए छात्रों को मुफ्त दवाएं प्रदान कीं। लेकिन, बिश्वनाथ घाट के फखरुद्दीन अली अहमद हाई स्कूल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की गई मुफ्त डीईसी और एल्बेंडाजोल की गोलियां खाने के बाद 50 से अधिक छात्र स्कूल में बेहोश हो गए। इससे तुरंत स्कूल में उहापोह की स्थिति पैदा हो गई। स्कूल प्रशासन और अभिभावकों ने छात्रों को तुरंत बिश्वनाथ चाराली सब-डिविजनल सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया है। स्थानीय लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रप्रकाश और भागचंद का फंडा

अमृत भोग भंडारा का फूटा भांडा

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के नाम पर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले चंद्रप्रकाश शर्मा और अमृत भोग भंडारा के प्रबंध ट्रस्टी भागचंद जैन का भांडा फूट चुका है। इन दोनों की काली करतूतों को समाज ने जान लिया है। किस कदर यह लोग नि:शुल्क भोजन करवाता है, तो इतना तो कर ही सकता है। उल्लेखनीय है की विगत 15 अगस्त की शाम एक महिला के साथ शराब-खोरी करते हुए आपत्तिजनक अवस्था में राकेश शर्मा द्वारा पकड़ने के बाद कही थी। भागचंद जैन और चंद्रप्रकाश के इस दानदाताओं के धन को गंदे कामों में लगा रहे थे। आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े जाने के बाद भागचंद ने अपने अहंकार का दंभ भरते हुए फटासिल आमबाड़ी आश्रम में लोगों को बताया कि वह हजारों लोगों को गंदे खेल के पीछे अमृत भोग भंडारे के अन्य ट्रस्टियों की क्या भूमिका है। इसकी जांच-पड़ताल में हम जुटे हुए हैं। हम अमृत भोग भंडारे के सभी सदस्यों से आह्वान करते हैं कि शेष पृष्ठ दो पर

AMRIT BHOG BHANDARA
(CHARITABLE TRUST :: PAN NO. : AAITA6715A)
Kitchen : Vihangam Ashram, Ambari, Fatashil, Guwahati
H. M. MOUR MARKET, T.R.P. ROAD, GUWAHATI - 781 001
EMAIL ID : bhagchandjain1959@gmail.com, Mobile : 70021 20091, 94350 40902

आजीवन सिरोमणी संरक्षक

स्टार सिमेंट लिमिटेड
श्री ओम प्रकाश दरगड़
श्री शंकर लाल गोयन्का
श्री महिपाल चुड़ीवाल
श्री आलोक सोथलिया

आजीवन परम संरक्षक

श्री हरियाणा चेरिटेबल ट्रस्ट
श्री भगवान महावीर धर्मस्थल
श्री उमेश बेड़िया
श्री बसंत सुराणा

आजीवन संरक्षक

श्री कैलाश चन्द्र लोहिया
श्री रामावतार बुडाकिया
श्री महावीर जैन (हाथिगोला)
श्री विजय चुड़िवाल
अधिवक्ता सैलेन्द्र शर्मा
श्री प्रदीप भड़ेच
श्री कैलाश चन्द्र काबरा
श्री प्रकाश चन्द्र काबरा
डॉ. अशोक सराफ
डॉ. अयज कुमार अग्रवाल
श्री हरिओम गोयल
श्री प्रमोद कुमार सेठी (बंगाईगॉव)
श्री सोहन लाल छाबड़ा (नाहरलगुन)
श्री प्रदीप भरतिया (नाहरलगुन)
श्री अतुल दत्तो (नाहरलगुन)
श्री नीरज शर्मा (नाहरलगुन)
श्री संजय दिवान (नाहरलगुन)
श्री रवि चौधरी (बिक्की) (नाहरलगुन)
श्री अनिल छाबड़ा (नाहरलगुन)
श्री मनोज बाकलीवाल (नाहरलगुन)
श्री पदमचन्द गंगवाल (नाहरलगुन)
श्री कमल बजाज (नाहरलगुन)
श्री गोविन्द कुमार कुमावत (नाहरलगुन)
श्री कालिदास (यति) जैन (इटानगर)
श्री प्रमोद अग्रवाल (बंदरदेवा)
मेसर्स कुन्दन मल चौधरी
श्री सुरेन्द्र चाण्डक
श्री कृष्णा चौधरी
श्री पवन कुमार शर्मा
श्री निर्मल कुमार गोलछा
श्री मदन लाल भूरा
लायंस क्लब आफ गौहाटी ग्रेटर
सी. ए. अशोक अग्रवाल
श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल (पप्पू)
श्री इन्द्रचन्द राजपुरोहित
इम्पेक्स इण्डिया (इटानगर)
श्री गोपाल सिंह शेखावत (नाहरलगुन)
श्री बलराम चौधरी (बरपेटा रोड)
श्री प्रदीप गोधा
श्री राधेश्याम तिवाड़ी
श्री डुंगरमल राजकुमार बाकलिवाल, खारुपेटिया
रमेश पारीक (आसाम पैंट हाऊस)
श्री पवन कुमार चौधरी (जे. एम. डिस्ट्रिब्युटर्स)
श्री मुकेश पाण्डया (मामा), नीरजुजी
विश्वरतन होटल
सरावगी सैल्स कारपोरेशन
सी. ए. कैलाश अग्रवाल
श्री कनक भंशाली
श्री ऋषि गुप्ता
श्री सरल अग्रवाल (सिलिगुड़ी)
श्री मनोज कुमार लुणिया (शिलांग)
श्री राहुल अग्रवाल (मालिगॉव)
श्री विष्णु डिडवानिया
मेसर्स शुभकरण संतोष कुमार
श्री विनोद कुमार मुरारका
श्री कमल सोमानी
श्री माणिक चन्द अग्रवाल
श्री सुभाष केजरीवाल
श्री रतन गोयल
श्री बसंत मित्तल
श्री सत्यनारायण बागला
श्री उदय चौरसिया
श्री पी. के. गुप्ता
श्री घनश्याम दास, ए. सी. एस.
श्री रामावतार भरतिया
श्री रमेश पंसारी
श्री प्रभुदयाल सिवोटिया
श्री अजय नावका
मेसर्स फ्लोर टेक इंजिनीयर्स प्रा. लि. (फरिदाबाद)
श्री अरविन्द गोयल
श्री निर्मल अग्रवाल
श्री दरश माथुर
श्री रोबिन गुप्ता (मेघा प्लाजा)
श्री रामाकिशन पोद्दार (शिलांग)
श्री राजेश बजाज (गोलाघाट)
लायंस क्लब आफ गुवाहाटी उमंग
श्री दयानन्द ठाकुर (नाहरलगुन)
श्री जय कुमार सेठी (नाहरलगुन)
श्री रंजन सिंह (बन्दरदेवा)
श्री शीवजी गुप्ता (बन्दरदेवा)
श्री सुधीर सेठी (सोनू)
श्री अंजय जगाती
सीए मनीष राजकुमार एण्ड कम्पनी
श्री राजेश अग्रवाल (बन्दरदेवा/गुवाहाटी)
राजस्थान लाईम उद्योग
इन्डो कामर्सियल टायर्स
श्रीमती मानसी रौकिया
श्री प्रभुदयाल सुरेका, मंगलदोई
श्री रामगोपाल सोनी
नेटिव ट्री डेवेलापर्स प्रा. लि.
गीरधारी लाल जाजड़ा (दशांग होटल) नाहरलगुन

भागवत आज से तीन दिनों तक असम में

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तीन दिवसीय दौरे पर 1 सितंबर को असम आ रहे हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों में विशेष कक्षाओं में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक की भागीदारी के तहत नियमित प्रवास का कार्यक्रम है। संघ के उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने बताया कि सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत असम में -शेष पृष्ठ दो पर

विशेष सत्र में मोदी सरकार ला सकती है एक देश-एक चुनाव का बिल

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाने का एलान किया है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार संसद के इस सत्र में एक देश-एक चुनाव का बिल ला सकती है। हालांकि एक देश-एक चुनाव के लिए अनुच्छेद- 83, 85, 172, 174 और 356 में संशोधन करना होगा। पीएम मोदी विधानसभा और आम चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि इस कदम से चुनाव कराने की लागत कम होगी और शासन के लिए समय भी बचेगा। इस साल चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, जिसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना हैं। लोकसभा चुनाव भी अगले साल के मध्य में हो सकता है। एक देश-एक चुनाव का विचार कम से कम 1983 से ही अस्तित्व में है, जब चुनाव आयोग ने पहली बार इस पर विचार किया था। हालांकि, 1967 तक भारत में एक साथ चुनाव आम बात थी। हालांकि 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण यह चक्र बाधित हो गया। 1970 में लोकसभा समय से पहले ही भंग कर दी गई और 1971 में नए चुनाव हुए। इस तरह से पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा को पूरे पांच साल का कार्यकाल मिला। सूत्रों के अनुसार, विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

मोबाइल फोरेंसिक लैब को हरी झंडी दिखाई

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को असम सचिवालय परिसर दिसपुर में मोबाइल फोरेंसिक प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मोबाइल फोरेंसिक प्रयोगशाला राज्य के विभिन्न स्थानों पर जाकर आवश्यकता अनुसार नमूनों की जांच कर सकेगा। राज्य में अब तक एकमात्र फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा में ही है। जिस कारण दूरदराज के इलाकों में अपराध से संबंधित नमूनों की जांच करने में परेशानी होती थी। अब मोबाइल फोरेंसिक प्रयोगशाला के आ जाने से नमूनों की जांच करना आसान हो जाएगा।

नीलाचल फ्लाईओवर पर पहला सड़क हादसा

गुवाहाटी (हि.स.)। नीलाचल फ्लाईओवर के उद्घाटन के 24 घंटे के भीतर दुर्घटना हुई है। यह पहला सड़क हादसा नवनिर्मित पुल पर हुआ है। जानकारी के अनुसार गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएमसी) के सफाई कर्मचारी के ठेले को गुरुवार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसा फ्लाईओवर में कामाख्या गेट के पास हुआ। हादसे में सफाई कर्मचारी मामूली रूप से घायल हो गया। इस बीच जालुकबाड़ी की ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हादसे का कारण बने ट्रक को जब्त कर लिया है। घटना के बाद पुल पर काफी देर तक जाम लगा रहा।

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दंड से संपदा का आयोजन होता है।
- आचार्य चाणक्य

संस्कृत भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने संस्कृत भाषा की प्राचीनता और इसका हमारी संस्कृति से जुड़ाव को लेकर आज कहा कि देवताओं की भाषा संस्कृत आंतरिक रूप से भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। यह कई भारतीय भाषाओं की जननी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि संस्कृत हमारी सामाजिक विरासत का एक प्रमुख हिस्सा है। हमें संस्कृत भाषा के उपयोग और अनुप्रयोग को पुनर्जीवित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी प्राचीन और समृद्ध जड़ों से जुड़ने के लिए संस्कृत का जश्न मनाने में सहभागी बनना चाहिए। मुख्यमंत्री के इस बयान से जाहिर होता है कि वे संस्कृत को लेकर कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं।

तेंदुलकर से भारत रत्न लौटाने की मांग

मुंबई। विधायक बच्चु कडु और उनके समर्थकों ने ऑनलाइन गेमिंग के लिए विज्ञापन करने पर पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बांद्रा आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, कुछ देर बाद पुलिस बच्चु कडु और उनके समर्थकों को वहां से ले गई। प्रदर्शनकारियों ने सचिन के आवास के बाहर नारे भी लगाए और उनसे भारत रत्न पुरस्कार को वापस करने की मांग भी की। उन्होंने दिग्गज क्रिकेटर पर आरोप लगाया है कि सचिन ऐसे ऑनलाइन गेम्स का समर्थन कर रहे हैं, जो युवाओं को बर्बाद कर सकता है। मीडिया से बात करते हुए कडु ने कहा कि सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न वापस कर देना चाहिए। अगर उन्होंने ऑनलाइन गेम्स का विज्ञापन करना बंद नहीं किया तो हम हर उस गणपति पंडाल के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे जहां ये विज्ञापन दिखाया जाएगा। कडु प्रहार जनशक्ति के विधायक हैं, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी का समर्थन करते हैं। उन्होंने जल्द से जल्द विज्ञापनों को हटाने की मांग की है।

खालिस्तानी नारे लिखने की साजिश का खुलासा

नई दिल्ली। एक ओर जहां राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। तो वहीं दूसरी तरफ दिल्ली को बदनाम करने की कोशिश की जा रही हैं। पिछले दिनों दिल्ली मेट्रो के 5 से ज्यादा मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तानी नारे लिखने के मामले को दिल्ली पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने प्रीतपाल सिंह को गिरफ्तार किया है और राजविंदर सिंह को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया है कि दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सीमा पर जांच चौकियां स्थापित करे मिजोरम सरकार : ईसी

एजल (हि.स.)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मिजोरम सरकार से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर और जांच चौकियां स्थापित करने को कहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग के एक दल ने मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार से मादक पदार्थों और शराब की तस्करी रोकने और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अतिरिक्त जांच चौकियां स्थापित करने को कहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर निजी जानकारी साझा नहीं करें : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से लोगों को अलर्ट किया गया है कि कोई भी यदि उच्चतम न्यायालय की ओर से निजी जानकारी मांगे, तो उसे साझा नहीं करना है। दरअसल, कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट की फर्जी वेबसाइट बना ली है और लोगों ने उनकी निजी जानकारी मांग रहे हैं और फिर उसका दुरुपयोग किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से एक सर्कुलर जारी करते हुए कहा गया है कि उसकी रजिस्ट्री को उसकी वेबसाइट पर फिशिंग हमले के बारे में बताया गया है। आधिकारिक वेबसाइट की नकल करते हुए एक फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। यूआरएल के माध्यम से आरोपी व्यक्तिगत विवरण और गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं। रजिस्ट्री ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि उसे एक फिशिंग हमले के बारे में बताया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट की नकल करते हुए एक फर्जी अकाउंट बनाया गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट main.sci.gov.in है, जिसकी जगह cbins/scigv.com और cbins.scigv नाम की नकली वेबसाइट होस्ट की गई है। वहीं, एक दूसरा यूआरएल बनाया गया है, जो *क्राइम ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग* के लिए है, -शेष पृष्ठ दो पर

गोवा आप प्रमुख गिरफ्तार

पणजी। आम आदमी पार्टी गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर को गोवा क्राइम ब्रांच ने गुरुवार (31 अगस्त) को गिरफ्तार कर लिया। पालेकर की गिरफ्तारी रोड रेज मामले में हुई है। पुलिस स्टेशन ले जाए जाते समय अमित पालेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह बिल्कुल गंदी राजनीति है और इस केस से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, अगस्त की शुरुआत में राजधानी पणजी के पास एक मर्सिडीज कार ने तीन लोगों को कुचल दिया था। अमित पर आरोप है कि उन्होंने मामले से संबंधित सबूत नष्ट कर दिए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पालेकर पर दुर्घटना के समय गाड़ी चला रहे मुख्य आरोपी को बचाने की कोशिश में जांच अधिकारी के सामने गलत व्यक्ति को कार चालक के रूप में पेश करके तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अमित पालेकर को आईपीसी की धारा 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना) के -शेष पृष्ठ दो पर

दक्षिण अफ्रीका : आग से 63 लोगों की मौत 43 झुलसे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े शहर जोहानिसबर्ग में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 63 लोगों की मौत हो गई और 43 अन्य झुलस गए। अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि पांच मंजिला इमारत में आग किस वजह से लगी। जोहानिसबर्ग शहर की आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता रॉबर्ट मुलौदजी ने कहा कि अग्निशमन विभाग को रात लगभग 1:30 बजे डेल्वर्स एंड अल्बर्ट्स मार्ग के कोने पर स्थित एक इमारत में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

जी-20 समिट : शिवलिंग जैसे फव्वारे को लेकर भाजपा-आप आमने-सामने

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले *शिवलिंग* के आकार वाले फव्वारे लगाकर भगवान का अपमान करने का आरोप लगाया है। आप के राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर भाजपा से देश से माफी मांगने और सक्सेना के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। आप के आरोपों पर फिलहाल उपराज्यपाल कार्यालय और भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली 9 से 10 सितंबर तक जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार हो रही है। इसके तहत राजधानी के प्रमुख हिस्सों को नया स्वरूप दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के प्रमुख हिस्सों की सुंदरता बढ़ाने की योजना के तहत पालम हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में हनुमान मंदिर के पास शिवलिंग के आकार के 18 फव्वारे लगाए हैं। संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में शिवलिंग का अपमान किया गया और भाजपाई मोदी की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल शिवलिंग का अनादर करके वाहवाही लूट रहे हैं। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए और उपराज्यपाल पर कार्रवाई करनी चाहिए। आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भी ऐसी ही भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उपराज्यपाल ने दिल्ली में शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे लगवाकर करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है।

सीएम से बात नहीं कराने पर मंत्रालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी, मुंबई पुलिस ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

मुंबई में महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सीएम से बात नही कराने पर मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस का कहना है कि मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा कॉल आया था। जब उन्हें सीएम एकनाथ शिंदे से बात नहीं करने दी गई तो उन्होंने धमकी दी कि मंत्रालय में बम है। मुंबई पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि कॉल अहमदनगर जिले के निवासी बालकृष्ण द्वारा किया गया है। यह पहली बार नहीं है, जब मुंबई मंत्रालय बम से उड़ाने की धमकी मिली हो। 15 दिन पहले भी मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। मुंबई पुलिस ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को एक आदमी से धमकी भरा फोन आया है। फोन करने वाले ने पुलिस को बताया कि मुंबई की लोकल ट्रेन में सिलसिलेवार धमाके होंगे। फोन करने वाले ने दावा किया कि वह विले पार्ले इलाके से बोल रहा है और फिर उसने अपना फोन बंद कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुंबई की ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल मिली जिसमें 26/11 हमले जैसा आतंकी हमला करने की धमकी दी गई थी। फोन करने वाले ने उर्दू में बात करते हुए कहा कि अगर सीमा हैदर वापस नहीं आईं तो भारत बर्बाद हो जाएगा। फोन करने वाले ने आगे 26/11 जैसा आतंकवादी हमला करने की धमकी दी। फोन करने वाले ने कहा कि अगर हमला हुआ तो इसकी जिम्मेदार उत्तर प्रदेश सरकार होगी। मुंबई पुलिस को 23 जुलाई को भी एक धमकी भरा फोन आया था। जिसमें कहा गया था कि आरडीएक्स से भरा एक टैंकर दो पाकिस्तानी नागरिकों के साथ मुंबई के लिए गोवा से रवाना हो चुका है। कॉल के बाद पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई। पुलिस ने घटना की जानकारी तुरंत महाराष्ट्र एटीएस और गोवा पुलिस कंट्रोल रूम को दी थी।

गुड न्यूज : चांद पर मिला सल्फर

नई दिल्ली। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग करने के बाद रोवर प्रज्ञान और लैंडर विक्रम रोज ही बेहद अहम जानकारियां धरती पर भेज रहा है। इसी बीच चंद्रयान 3 मिशन के प्रज्ञान रोवर ने 30 अगस्त को विक्रम लैंडर से एक तस्वीर खींची है। इस तस्वीर को रोवर पर नेविगेशन कैमरा से लिया गया है। इस संबंध में जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने साझा की है। इसरो लगातार चंद्रयान 3 की लैंडिंग के बाद रोवर और विक्रम द्वारा इकट्ठा की जा रही जानकारी को साझा कर रहा है। चंद्रमा पर 23 अगस्त को सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने के बाद रोवर ने पहली तस्वीर ली है। इस फोटो को शेयर करते हुए इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि स्माइल प्लीज (कृपया मुस्कराएं)। प्रज्ञान रोवर ने आज सुबह विक्रम लैंडर की तस्वीर खींची है। बता दें कि इसरो ने लैंडर और रोवर को चंद्रमा के एक दिन यानी धरती के कुल 14 दिनों तक काम करने के लिए तैयार किया गया है। इसी बीच लगातार काम कर रहा रोवर प्रज्ञान ने साफ कर दिया है कि चांद की सतह पर सल्फर की उपस्थिति की पुष्टि की है। रोवर पर लगे अन्य उपकरण ने साउथ पोल पर सल्फर की मौजूदगी को दर्ज किया है। इस संबंध में इसरो ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोप ने सल्फर, साथ ही अन्य छोटे तत्वों का पता लगाया है। सीएच-3 की यह खोज वैज्ञानिकों को क्षेत्र में सल्फर के स्रोत के लिए नए स्पष्टीकरण विकसित करने के लिए मजबूर करती है: क्या यह आंतरिक रूप से मौजूद है, ज्वालामुखीय है या उल्कापिंड जनित है। बता दें कि इसरो के वैज्ञानिकों को उम्मीद नहीं थी कि चंद्रमा की धरती पर सल्फर मिलेगा। चंद्रयान 3 रोवर प्रज्ञान पर लगे दो उपकरों ने चांद के दक्षिणी ध्रुव इलाके में सल्फर की मौजूदगी की जानकारी दी है। सल्फर के अलावा चंद्रमा की सतह पर एल्युमिनियम, सिलिकॉन, कैल्शियम, आयरन की अपेक्षा थी, जो चंद्रमा की सतह पर मिले है। अब चंद्रयान 3 के जरिए ये खोजने की कोशिश की जा रही है कि चंद्रमा पर चट्टाने किससे बनी है। उच्च भूमि क्षेत्रों से कैसे ये अलग है? प्रज्ञान रोवर अपने वैज्ञानिक उपकरणों के साथ उत्तर खोजने की कोशिश की है।

बिजली बिल-वृद्धि को लेकर नाराज शख्स ने कंपनी कर्मचारियों पर तानी एके 47

इस्लामाबाद: बिजली बिल बढ़ने के खिलाफ पूरे पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के बीच खैबर पख्तूनख्वा का हैरान करने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पाकिस्तान में बढ़े हुए बिजली बिलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लोग बिजली के बिल जला रहे हैं और राहत की मांग को लेकर रोष मार्च और रैलियां निकाल रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे बिल जमा नहीं करेंगे और बिजली काटने की किसी भी कोशिश को रोका जाएगा। हालात इतने खराब हो गए हैं कि बिलों के विरोध में जहां लोग जान देने को मजबूर हो रहे हैं वहीं कुछ लोगों ने राइफले तान ली हैं। ऐसा एक मामला खैबर पख्तूनख्वा में सामने आया है जहां एक शख्स ने बिजली कंपनी के लोगों के विरोध में एके 47 राइफल तान दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। खैबर पख्तूनख्वा में एके 47 राइफल लेकर आए शख्स ने साफ किया कि वह लड़ाई करने नहीं आया था। उसने खुद कहा कि मैं यहां आपसे लड़ने या आप पर गोली चलाने के लिए नहीं हूं। इस शख्स को पड़ोसी समझा रहे है कि ये सरकारी कर्मचारी हैं और वे सरकार के आदेश पर यहां आए हैं। इस बीच अंतरिम वित्तमंत्री शमशाद अख्तर ने बुधवार को कहा कि देश की आर्थिक स्थिति अनुमान से कहीं ज्यादा खराब है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के साथ जताई गई प्रतिबद्धताओं के कारण लोगों के बोझ को कम करने के लिए सब्सिडी देने की कोई *राजकोषीय गुंजाइश* नहीं है। पाकिस्तान ने जून में आईएमएफ से सख्त शर्तों के तहत तीन अरब डॉलर का महत्वपूर्ण ऋण प्राप्त किया। इन शर्तों में बिजली शुल्क बढ़ाना और सभी सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है। अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार सीनेट (उच्च सदन) की स्थायी समिति की बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति अनुमान से कहीं ज्यादा खराब है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के साथ जताई गई प्रतिबद्धताओं के कारण लोगों के बोझ को कम करने के लिए सब्सिडी देने की कोई राजकोषीय गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बिजली के बढ़े हुए बिलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और लोग राहत की मांग कर रहे हैं।

त्रिपुरा में क्षेत्रीय दलों के पनपने के लिए माकपा जिम्मेदार : बिप्लब

अगरतला। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य बिप्लब कुमार देब ने त्रिपुरा में क्षेत्रीय दलों के पनपने के लिए पूर्वोत्तर के इस राज्य में लंबे समय तक शासन करने वाली मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जिम्मेदार ठहराया है। सिपाहीजला जिले की धनपुर विधानसभा सीट पर पांच सितंबर को उपचुनाव के तहत होने वाले मतदान से पहले देब ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के पक्ष में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। देब ने कहा कि लंबे समय तक माकपा द्वारा किए गए शोषण और उत्पीड़न के कारण ही त्रिपुरा उपजाति जुबा समिति (टीयूजेएस), इंडिजिनस नेशनलिस्ट पार्टी ऑफ ट्विप्रा (आईएनपीटी) औरइंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) जैसे क्षेत्रीय दल बने। वे मानते है कि स्थानीय मतदाता उनके सुरक्षित वोट बैंक हैं, लेकिन आजकल स्थिति पूरी तरह से बदल गई है।

सूर्य के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर और रोशनी डालेगा आदित्य-एल1 : प्रोफेसर बनर्जी

नई ल्लि। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि 2 सितंबर को इसरो द्वारा प्रक्षेपित किए जाने वाले भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद सूर्य के अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में नई जानकारी प्राप्त होगी। पृथ्वी पर आगामी दशकों और सदियों में संभावित जलवायु संबंधी परिवर्तनों को समझने के लिए ये आंकड़े महत्वपूर्ण हो सकते हैं। सौर भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर दीपांकर बनर्जी ने कहा कि आदित्य-एल1 पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर पहले लैग्रेन्ज बिंदु तक जाएगा और आंकड़े भेजेगा, जिसमें से अधिकांश डेटा पहली बार अंतरिक्ष में किसी प्लेटफॉर्म से वैज्ञानिकों तक पहुंचेगा। लैग्रेन्ज बिंदु ऐसे संतुलन बिंदु को कहा जाता है, जहां सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वीय बल बराबर होते हैं। बनर्जी उस टीम का हिस्सा हैं जिसने 10 साल से भी अधिक समय पहले इस मिशन की परिकल्पना की थी। बनर्जी ने से कहा कि पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व या जीवन मूलत: सूर्य की उपस्थिति के कारण है जो हमारा निकटतम तारा है। सारी ऊर्जा सूर्य से आती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि क्या यह वही विकिरण उत्सर्जित करता रहेगा (जैसा कि अभी करता है) या इसमें परिवर्तन होने वाला है। उन्होंने कहा कि अगर कल सूर्य इतनी ही मात्रा में ऊर्जा नहीं भेजता है तो हमारी जलवायु पर इसका बहुत बड़ा असर होगा। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल बनर्जी ने कहा कि अगर लैग्रेन्जियन बिंदु से सूर्य की लंबी अवधि तक निगरानी की जा सकती है, तो इससे सूर्य के इतिहास का मॉडल बनाए जाने की उम्मीद है जो अब तक मानव जाति के लिए अज्ञात है।

पृष्ठ एक का शेष

अमृत भोग भंडारा का ...

इस शर्मसार कर देने वाली घटना के पीछे उनकी समाज के प्रति जवाब-देही बनती है या नहीं। सभी ट्रस्टी इस संबंध में अपना पक्ष रखें ताकि समाज को अन्य ट्रस्टियों की मंशा मालूम हो। मानव सेवा के नाम पर हो रहे गंदे खेल के पीछे केवल चंद्रप्रकाश शर्मा और भागचंद जैन ही थे या इस खेल के पीछे कोई और है मास्टरमाइंड। अमृत भोग भंडारे के नाम पर कौन-कौन से अनैतिक कार्य चल रहे थे। इन सब की पड़ताल में हम जुटे हुए हैं। समाज के सामने इन गंदे लोगों की तमाम उन हरकतों का पर्दाफाश करेंगे जो समाज के विनाश के लिए काफी हैं। उल्लेखनीय है कि भागचंद जैसे लोगों ने असम की कला-संस्कृति की धज्जियां उड़ाते हुए मारवाड़ी समाज को शर्मसार किया है। इसके साथ ही चंद्रप्रकाश शर्मा ने अपने राजनीतिक रसूख का भय दिखाकर लोगों से जबरन चंदा उगाई करने का जो कार्य किया है वह ऐसा घृणित कार्य है जिसकी कोई सीमा नहीं है। लोगों को इस कदर ब्लैकमेल किया जिससे जुल्म की पराकाष्ठा ही खत्म हो गई। समाज में ऐसे लोगों को किस स्थान पर रखा जाना चाहिए इस पर हम एक विचार मंच के द्वारा समाज बंधुओ के विचार रखेंगे। समाज बंधुओं से अपेक्षा है कि वह ऐसे दुष्कर्मियों के साथ हमदर्दी न दिखाते हुए इनके कुकीर्तियों को उजागर करें। हम सभी समाज बंधुओं के विचार *विकसित भारत समाचार* में निर्भीक रूप से प्रकाशित करेंगे। आज हम अमृत भोग भंडारा के तमाम ट्रस्टियों की एक लिस्ट जारी कर रहे हैं जो समाज बंधुओ के लिए जानकारी परक रहेगी। हम सभी ट्रस्टियों से संपर्क कर उनकी इस संबंध में जो भी टिप्पणी होगी उसे भी प्रकाशित करेंगे। अमृत भोग भंडारे के बैनर के पीछे किस कदर हो रहा था काले धन को सफेद करने का काम। उसके बारे में भी अगले अंक में बताएंगे...

बाल विवाह के ...

आबादी के बीच जागरूकता पैदा करने की भी कोशिश की ताकि लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले न की जाए और उन्हें जीवन में अपने सपनों को पूरा करने का हर मौका मिले। बाल विवाह के खिलाफ नया जोर स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद आया कि राज्य सरकार बहुविवाह को खत्म करने के लिए एक मजबूत कानून लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश रूमी फुकन की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति को बहुविवाह के खिलाफ एक उपयुक्त कानून पेश करने के लिए सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करने का काम सौंपा गया था। हालांकि कुछ आदिवासी समुदाय बहुविवाह का अभ्यास करते हैं, फरवरी के अभियान को बंगाली मूल के मुसलमानों को लक्षित करने के रूप में देखा गया था।

स्वास्थ्य विभाग की ...

और अभिभावकों ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिना किसी परीक्षण के छात्रों को यह दवा दिए जाने पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर बिश्वनाथ के ग्वालतली स्कूल में अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराया। इस घटना से पूरे बिश्वनाथ इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। जिला नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की।

विशेष सत्र में मोदी ...

सत्र के दौरान संसदीय कामकाज नए संसद भवन में स्थानांतरित हो सकता है। आमतौर पर संसद के तीन सत्र होते हैं। इसमें बजट सत्र, मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र शामिल हैं। विशेष परिस्थितियों में संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। संसद का मानसून सत्र 11 अगस्त को समाप्त हुआ था। इससे पहले संसद का विशेष सत्र 30 जून 2017 की मध्यरात्रि को आयोजित किया गया था, जो जीएसटी के लागू होने के अवसर पर था। हालांकि यह लोकसभा और राज्यसभा का संयुक्त सत्र था। वहीं, अगस्त 1997 में छह दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया था जो भारत की आजादी की 50वीं वर्षगांठ के उत्सव के अवसर पर था। इससे पहले भारत छोड़ो आंदोलन की 50वीं वर्षगांठ पर 9 अगस्त 1992 को मध्यरात्रि सत्र आयोजित किया गया था। आजादी के रजत जयंती वर्ष पर 14-15 अगस्त 1972 को और आजादी की पूर्व संध्या पर 14-15 अगस्त 1947 को पहला ऐसा विशेष मध्य रात्रि सत्र आयोजित किया गया था।

खालिस्तानी नारे लिखने ...

आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। दोनों खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के सम्पर्क में थे। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी एच जी एस धालीवाल ने बताया कि इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो एफआईआर 153,153ए, 505 के तहत दर्ज की गई थीं। एक एफआईआर लोकल पुलिस और एक मेट्रो पुलिस ने दर्ज की थी। यह मामला पूरी तरह से ब्लाइंड था, लेकिन पुलिस स्पेशल सेल की टीम ने गहनता से जांच की और मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस मामले से पहले 26 जनवरी को भी कुछ ऐसा ही हुआ था तब विक्रमजीत व एक अन्य अज्ञात आरोपी इसमें शामिल थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल ने बताया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि स्लोगन 26 अगस्त की शाम को लिखे गए और मामले को बिना किसी विशेष इनपुट के पांच दिनों से भी कम समय में हल कर लिया गया। धालीवाल ने आगे कहा कि दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी प्रीतपाल सिंह को फरीदकोट से पकड़ा गया है जबकि उसका साथी राजविंदर भी इसी जगह का ही रहने वाला है। प्रीतपाल एक साल से अधिक समय से सोशल मीडिया के जरिए गुरपतवंत सिंह पन्नू के संपर्क में था। पन्नू ने उससे वादा किया था कि 7000 डॉलर दिए जाएंगे। इसके लिए उसे पहले ही 3500 डॉलर मिल चुके थे। उसने प्रीतपाल को अलग से 1 लाख रुपए भी भेजे क्योंकि उसके घर पर कोई बीमार था। आरोपी प्रीतपाल यहां दिल्ली 25 अगस्त को देर रात पंजाब मेल से दिल्ली आए। इसके बाद इन्होने दिनभर रेकी भी की और पेंट करने की जगहों को तय किया। इसके बाद 26 देर शाम को इन्होंने ग्राफिक्स पेंट करे फिर 27 को वापिस पंजाब चले गए। इन्होने पेंट पंजाब के बरनाला से खरीदा था। स्पेशल सीपी ने बताया कि यह मामला एक तरीके से ब्लाइंड था लेकिन स्पेशल सेल की सभी टीमों ने काम किया। दिन रात सीसीटीवी खंगाले और 5 दिनों के अंदर इस मामले को सुलझा लिया।

भागवत आज से ...

1 सितंबर से 3 सितंबर तक प्रवास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. भागवत शुक्रवार 1 सितंबर को दोपहर बाद लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे गुवाहाटी के मालीगांव स्थित आदिमगिरी जनजातीय कल्याण छात्रावास पहुंचेंगे। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दो दिवसीय शिविर 2 और 3 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को दोपहर सरसंघचालक गुवाहाटी के फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्मशाला में आचार्य प्रमुख सागरजी महाराज से मिलेंगे और वहां एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की...

लेकिन इसमें आंगुतकों की निजी जानकारी ली जा रही है। इस निजी जानकारी में लोगों की पर्सनल जानकारी, इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी, क्रेडिट और डेबिट कार्ड की जानकारी ली जा रही है। आधिकारिक वेबसाइट की तरह दिखने वाली वेबसाइट अपराध का विवरण देती है और फिर उपयोगकर्ता को बैंक का नाम, फोन नंबर, पैन कार्ड नंबर, ऑनलाइन बैंकिंग उपयोगकर्ता आईडी, लॉग-इन पासवर्ड और *कार्ड* सहित विभिन्न बॉक्स को भरने को कहती है। साथ ही, पासवर्ड के लिए थोड़ी जगह छोड़ देते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है कि उपरोक्त यूआरएल पर किसी भी आगंतुक को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वह किसी भी व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारी को साझा न करें, क्योंकि इससे अपराधियों को जानकारी चुराने में मदद मिलेगी। कृपया ध्यान दें कि रजिस्ट्री, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, कभी भी व्यक्तिगत जानकारी, वित्तीय जानकारी या अन्य गोपनीय जानकारी नहीं मांगेगा। रजिस्ट्री ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस फिशिंग हमले के बारे में जानकारी दे दी है, ताकि वे इसकी जांच कर सकें और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। एडवाइजरी में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय का आधिकारिक डोमेन www.sci.gov.in है। साथ ही, कहा गया कि लोग इस पर क्लिक करने से पहले यूआरएल को वेरीफाई कर लें। इसमें कहा गया है कि यदि आप उपरोक्त फिशिंग हमले का शिकार हुए हैं, तो कृपया अपने सभी ऑनलाइन खातों के पासवर्ड बदल लें और इसकी जानकारी रिपोर्ट करने के लिए अपने बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी से भी संपर्क करें।

गोवा आप प्रमुख...

तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले व्यवसायी परेश सावरदेकर को 7 अगस्त को कथित तौर पर नशे की हालत में मर्सिडीज कार चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि परेश सावरदेकर मर्सिडीज कार चला रहे थे, जिन्होंने पणजी के पास बानास्टारिम गांव में पांच वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर पोंडा-पणजी नेशनल हाईवे पर हुई थी। दुर्घटना में तीन कारों, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटर को टक्कर मार दी गई थी। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार की सुबह पुलिस ने आप गोवा प्रमुख को पणजी स्थित उनके ऑफिस से हिरासत में लिया।

दक्षिण अफ्रीका : आग ...

आग लगने की सूचना मिली। टाइम्सलाइव अखबार ने मुलौदजी के हवाले से कहा कि यह एक पांच मंजिला इमारत थी, जिसमें बीती रात आग लग गई। हम आग बुझाने के क्रम में इमारत के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकालने में कामयाब रहे। आग से इमारत नष्ट हो गई। मुलौदजी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 63 शव बरामद किए गए हैं और 43 अन्य झुलस गए हैं... अभी भी खोज और बचाव अभियान जारी है। मुलौदजी द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इमारत की जली हुई खिड़कियां और बाहर खड़े अग्निशमन ट्रक और एम्बुलेंस दिखाई देती हैं। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। मुलौदजी ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि इमारत के अंदर एक अनौपचारिक आवास क्षेत्र था जिसमें लोग भागने की कोशिश के दौरान फंस गए होंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक कि प्रत्येक मंजिल पर एक अनौपचारिक आवास क्षेत्र था और जिन लोगों ने वहां से निकलने की कोशिश की होगी, वे मंजिलों के बीच की जगह में फंसे हो सकते हैं। आग में झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीमा पर जांच ...

दरअसल, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरुण गोयल के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक दल दो दिवसीय दौरे पर 29 अगस्त को मिजोरम पहुंचा था। निर्वाचन आयोग की टीम ने अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल इस साल 17 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के खानापाड़ा यातयात पुलिस ने हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आउटपोस्ट क्षेत्र के एसटीसी खानापाड़ा में चलाए गए अभियान के दौरान जाकिर हुसैन को हेरोइन की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से लगभग 27.33 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। हेरोइन के अलावा गिरफ्तार आरोपित के पास से नगद 3090 के अलावा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपित पलटन बाजार इलाके का रहनेवाला बताया गया है।

कोकराझाड़ जिले में माना रक्षा-बंधन का पर्व

कोकराझाड़ (विभास)। देश के विभिन्न इलाकों की तरह रक्षा बंधन पर आज पूर्णिमा का योग भगवान महादेव की विशेष कृपा के साथ इस बार रक्षा बंधन के बीच भाई बहन के प्यार का त्यौहार रखा बंधन का पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। जिले के सालाकाटी, फकीराग्राम, गोसाईगांव, बुगरीबाड़ी सल्फांगुड़ी, दोतमा चितला आदि इलाको में मनाया गया। इस दौरान बहनों ने भाई की कलाई में राखी बांधा। वहीं भाइयों ने बहनों री सुरक्षा के साथ मंगल कामनाएं की। इसके अलाला जिले में स्थित एसएसबी के जवानों ने भी आज अपने गोसाईगांव, कोकराझाड़ और काजलगांव स्थित कैंप में रक्षा बंधन का पर्व मनाया।

गुवाहाटी के नशा मुक्ति केंद्र में रहस्यमय तरीके से मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के एक नशा मुक्ति केंद्र में एक युवक की हुई मौत को लेकर सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार दिसपुर थाना के पास *पुनर्वास* नामक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक युवक ने रहस्यमय तरीके से मौत को गले लगा लिया। मृतक की पहचान सुमित दास के रूप में हुई है। मृतक का घर शिलांग में बताया जा रहा है। ज्ञात हो कि मृतक को उसके परिवार के सदस्यों ने मंगलवार को इस पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया था। इस घटना के सिलसिले में दिसपुर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिक की दर्ज कर शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(10)

जेहि आश्रय सब लोक है, सर्व कोश ब्रह्माण्ड।
प्रकृति विश्व कारण रहै, सर्व जीव हेमाण्ड॥ 29॥

शब्दार्थ : (कारण) मूल (हेमाण्ड) हिरण्यगर्भ।

भाष्य : जिसके आश्रय पर समस्त लोक, सर्व कोष-भंडार, अनंत ब्रह्माँड समस्त जीव, हिरण्यगर्भ तथा समस्त विश्व का कारण प्रकृति है।

आत्म अन्न है सोमरस, सर्व ज्ञान भंडार।
सत्य असत्य विद्यमान है, जा महँ सकल पसार॥ 30॥

शब्दार्थ : (विद्यमान) स्थित।

भाष्य : आत्मा का अन्न सोमरस है एवं समस्त ज्ञान का भंडार प्रभु हैं, जिसके अंदर सत्य-असत्य विद्यमान हैं और समस्त संसार का विस्तार है।

पीयूष हजारिका का आदर्श दुशासन : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका द्वारा विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया के कपड़े खोलने संबंधी कथित टिप्पणी को लेकर प्रदेश कांग्रेस खौल गई है। इस संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आज कहा कि विपक्ष के नेता के कपड़े खोलने की बात एक मंत्री द्वारा कहना बहुत शर्मनाक है। असम के लोग ऐसे आधुनिक दुशासन को समय पर जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया भाजपा की दया पर नेता नहीं बने हैं। असम के लोगों ने वोट दिया और कांग्रेस को दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में चुना है। आधुनिक दुशासन पीयूष, देबब्रत सैकिया तो दूर, असम में किसी एक व्यक्ति पर हमला करके दिखा दें। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीयूष हजारिका को ऐसे असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल से दूर रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना कार्यालय नहीं बना सकी। लेकिन, जिस स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुवाहाटी आए और बिहू नृत्य का आनंद लिया, उसे कांग्रेस ने बनवाया था। असम के पुल, सड़कें और सभी बुनियादी ढांचे कांग्रेस सरकार के दिनों में बनाए गए थे। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आज ऊपरी असम के बागानों में कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में ये बात कही। कांग्रेस नेता बोरा का कहना है कि वर्तमान में आंखों के सामने चंद परिवारों की दौलत बढ़ी है। बागान के कर्मचारी आंसू बहा रहे हैं, लेकिन वे दिन-प्रतिदिन बगान खरीद रहे हैं। निजी स्कूल खुद ही खोल लिया है, जिससे सरकारी स्कूल संकट में हैं। ये चीजें असम के लोग देख रहे हैं और कांग्रेस के सत्ता में आने पर ही इसकी जांच की जाएगी।

मंगलदै में प्रसाद खाने से अनेक लोग हुए बीमार

दरंग (हिंस)। जिले के मंगलदै में प्रसाद खाकर हुए फूड प्वाइजनिंग से करीब 30 लोग बीमार हो गए। जानकारी के अनुसार मंगलदै के समीप जलजली कुमारपाड़ा गांव के पवित्र कुमार के घर पर बुधवार की रात श्री सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया गया था। सत्यनारायण पूजा के महा-प्रसाद का सेवन करने के तुरंत बाद, लोग फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार हो गए। विषाक्तता से पीड़ित होने के बाद, लोगों में उल्टी, पेट दर्द, चक्कर आना जैसी विभिन्न शारीरिक विसंगतियां होने लगी। इसके तुरंत बाद लोगों को निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

मेघालय विधानसभा भवन-निर्माण पर खर्च होंगे दो सौ करोड़

शिलांग (हिंस)। मेघालय विधान सभा भवन निर्माण पर दो सौ करोड़ रुपए खर्च होंगे। ज्ञात हो कि परियोजना पर शुरू में 145 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान लगाया गया था। इसका ठेका उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को दिया गया था, जिसने 127 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जो परियोजना के स्टीमेट से आश्चर्यजनक रूप से 18 करोड़ रुपए कम था। तब स्टीमेट को संशोधित कर 177.7 करोड़ रुपए कर दिया गया था। अब इसे 200 करोड़ रुपए का कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए संगमा ने कहा है कि निर्माणाधीन इमारत अब कुल 200 करोड़ रुपए की लागत से पूरी होगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह वृद्धि संरचनात्मक क्षेत्र में हुई वृद्धि के कारण है, क्योंकि फर्श क्षेत्र अब बड़ा हो गया है। परियोजना की स्थिति के बारे में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इसमें प्रगति हुई है, हालांकि कुछ अपरिहार्य तकनीकी मुद्दे सामने आए हैं। पिछले साल 22 मई को गुंबद के ढहने से हुए मलबे को साफ करने और नए गुंबद डिजाइन की मंजूरी का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब काम शुरू हो गया है। उम्मीद है कि विधानसभा भवन एक साल के भीतर पूरा हो जाएगा। जल्दबाजी में लिए गए फैसलों की वजह से और जोखिम नहीं लेना चाहता। इसलिए, एक साल के भीतर, इसे पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि नए गुंबद का निर्माण भी शुरू हो गया है। यह पहले के डिजाइन के विपरीत थोड़ा संशोधित और हल्का है।

बोको के कड़ीटोला जोनाकी यूथ क्लब ने किया घुड़दौड़ का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कड़ीटोला जोनाकी यूथ क्लब के तत्वावधान में कल घोड़ों की दौड़ का आयोजन किया गया। आयोजन समिति ने कहा कि यह खेल समाज की आने वाली पीढ़ी के बीच सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने और ड्रग्स, मोबाइल फोन आदि को बुरी प्रकृति से दूर रखने का एक प्रयास है। असम के सात जिलों से घोड़े आते हैं और पारंपरिक घोड़े की दौड़ में भाग लेते हैं। अखिल असम आधार पर आयोजित हॉर्स रेसिंग प्रतियोगिता को देखने के लिए हजारों दर्शक जुटते हैं। कड़ीटोला जोनाकी यूथ क्लब की दूसरी वार्षिक हॉर्स रेस प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार शोकेस, द्वितीय पुरस्कार ड्रेसिंग मिरर और तृतीय पुरस्कार टेबल फेन से सम्मानित किया गया।

कालाइरदिया में दो पक्की सड़कों का शिलान्यास

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कालारदिया में बाघबर विधानसभा क्षेत्र संख्या 45 बाघबर के विधायक शेर्मान अली अहमद ने 3.44 करोड़ रुपए की लागत वाली दो पक्की सड़कों का आज औपचारिक उद्घाटन किया। जानकारी मिली है कि वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यमंत्री पक्की सड़क निर्माण योजना के तहत माजरचर-बाघमारा प्रधानमंत्री ग्रामीण चड़क योजना सड़क से माजरचर-मोइराडिया प्रधानमंत्री ग्रामीण चड़क योजना सड़क से भाया आलोपति माजरचर के बाजार तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है।दोनों संबंधित पक्की सड़कों के उद्घाटन के दौरान वरपेटा सड़क मंडल के कनिष्ठ अभियंता ताइजुद्दीन अहमद, बाघमाराचर छिनियर सेकेंडरी स्कूल के अध्यक्ष ताइजुद्दीन सरकार, ठेकेदार आजमल हक फकीर, सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद अली बेपारी, नूर मोहम्मद अली, नौफेल उद्दीन अहमद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पक्की सड़क के निर्माण के उद्घाटन से पूर्व स्थानीय विधायक शेर्मान अली अहमद सहित कई गणमान्य लोगों को एक-एक कर फुलम गमोसा देकर सम्मानित किया गया था। एक बार दो संबंधित सड़कों के निर्माण का काम पूरा हो जाने के बाद, छात्रों सहित बड़े क्षेत्र के लोगों और पैदल चलने वालों को परिवहन के मामले में बहुत सारी सुविधाएं मिलेंगी। विधायक शेर्मान अली अहमद ने आलोपति उपसास्थ केंद्र के निर्माण कार्य के साथ-साथ माजरचर 132 के आदर्श द्व1 आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया। वीडियो शफीकुल इस्लाम, सीडीपीओ जलालउद्दीन अहमद सहित कई अधिकारी निर्माण कार्य के उद्घाटन के दौरान उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, 2023 पर एक रोड शो का किया औपचारिक उद्घाटन

गुवाहाटी। आज गुवाहाटी में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग एवं आयुष मंत्री, सर्वानंद सोनोवाल ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, 2023 (जीएमआईएस) पर एक रोड शो का औपचारिक उद्घाटन किया। जीएमआईएस, 2023 की भूमिका के बारे में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री, सर्वानंद सोनोवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किस प्रकार इनलैंड जलमार्ग परिवहन के वैकल्पिक साधन के रूप में विकसित हुए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि इनलैंड जलमार्ग भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बल दे रहे हैं। केंद्र सरकार ने इनलैंड जलमार्ग में साल 2014 से प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में 5200 करोड़ का निवेश किया है, जिससे इस क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिला है। यह सरकार द्वारा इनलैंड जलमार्ग में पिछले 28 वर्षों में किए गए निवेश की तुलना में पिछले 9 वर्षों की अवधि में 200त्न से ज्यादा का बड़ा उछाल है। इससे प्रदर्शित होता है कि मोदी सरकार इनलैंड जलमार्गों के विकास को लेकर कितनी ज्यादा गंभीर है। परिवहन का यह स्वच्छ, प्रभावशाली और किफायती माध्यम भारत के अंदरूनी हिस्सों की आर्थिक क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इनलैंड जलमार्गों में निवेश करके और अपनी समृद्ध एवं जटिल जलमार्ग प्रणाली को मजबूत बनाकर हम इस उद्योग के लिए एक सहयोगपूर्ण परिवेश बनाने की प्रक्रिया में हैं, जिससे हमारे पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इससे दक्षिण एशिया क्षेत्र में भारत के राज्यों एवं अन्य देशों की व्यापार और वाणिज्य की क्षमताओं का विकास होगा। बंदरगाह पर आधारित विकास के महत्व के बारे में बताते हुए सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का उद्देश्य भारतीय बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है, ताकि इसके द्वारा ज्यादा औद्योगीकरण, मैनुफैक्चरिंग, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में मदद मिले। भारत सबसे तेजी से विकसित हो रहे समुद्री देशों में से एक है, और हम भारतीयों को विकास एवं परिवर्तन के इस युग का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने न केवल आवश्यक कौशल बल्कि वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने की शक्ति भी पायी है। भारतीय बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से भारत के तटीय समुदायों, तटीय जिलों और पूरे देश की उन्नति संभव होगी। भारतीय बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाकर और बंदरगाह पर आधारित अर्थव्यवस्था का विकास करके औद्योगीकरण, मैनुफैक्चरिंग, एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दिया जा सकता है।

नगांव मारवाड़ी पंचायत की कार्यकारिणी समिति की सभा संपन्न

ट्रस्ट डीड में किए गए आवश्यक संशोधन

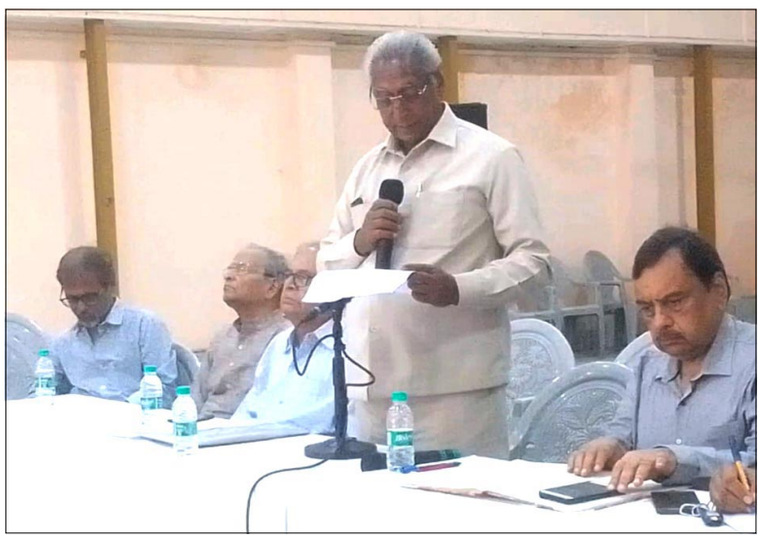

नगांव (निसं)। नगांव मारवाड़ी पंचायत की कार्यकारिणी समिति की सभा रविवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन परिसर में अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा आरंभ में दिवंगत आत्माओं के प्रति एक मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री तोदी ने स्वागत भाषण प्रदान किया। सचिव रतन कुमार जाजोदिया ने पिछली कार्यकारिणी समिति सभा की कार्रवाई का पाठ किया। नगांव मारवाड़ी पंचायत के अंतर्गत चलने वाले धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर के संयोजक प्रेम नाहटा, स्व सेठ मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन के संयोजक राम अवतार अग्रवाल, श्री मारवाड़ी पंचायत भवन के संयोजक नेमीचंद डाबड़ीवाल, श्री सत्याराण ठाकुरबाड़ी के संयोजक विनोद कुमार खेतावत, सेठ लालचंद तोदी भवन के संयोजक ललित तोदी व श्री शनि मंदिर संचालन समिति के संयोजक पवन कुमार गाड़ोदिया, मिलनपुर भूतनाथ के संयोजक प्रदीप सोभासरिया को लेकर उप समितियां बनाए जाने की जानकारी सभा पटल पर सचिव ने दी और बताया कि श्री गोपाल गौशाला की राधेश्याम लोहिया के नेतृत्व में एक तदर्थ समिति भी बनाई गई है जो फिलहाल श्री गोपाल गौशाला का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। श्री गोपाल गौशाला पर विचार व्यक्त करते हुए अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी ने कहा कि बहुत जल्द हीं श्री गोपाल गौशाला की साधारण सभा आयोजित कर एक पूर्ण कार्यकारिणी समिति का गठन कर लिया जायेगा। सभा में संशोधित ट्रस्ट डीड के बारे में बताते हुए उपाध्यक्ष जुगल किशोर जाजोदिया ने कहा कि पिछले 4 जून को हुई साधारण सभा व बाद में कुछ समाज बंधुओ द्वारा आये लिखित संशोधन प्रस्ताव को ग्रहण कर संशोधित ट्रस्ट डीड का मसौदा तैयार कर लिए जाने के बारे में श्री जाजोदिया ने सभा को अवगत कराया। अब तक बने ट्रस्टीयो की संख्या के बारे में सभा में बताया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई।

जोरहाट में दंपति नवजात को छोड़कर फरार

जोरहाट (हिंस)। राज्य के जोरहाट से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शिशु को बाइक सवार दंपति छोड़कर लापता हो गया। जानकारी के अनुसार आज स्कूटी सवार दंपति ने कथित तौर पर नवजात को सड़क के किनारे खड़े एक युवक के पास आकर स्कूटी खड़ा किया। स्कूटी पर बैठे-बैठे ही नवजात शिशु को युवक के हाथ में सौंप दिया। जब तक युवक को कुछ समझ में आता तब तक स्कूटी सवार दंपति मौके से फरार हो गए। यह घटना आज सुबह की है। बाद में युवक ने घटना की सूचना अपनी मां को फोन पर दी। उसकी मां पहले बच्चे को दूध पिलाया फिर बच्चे को लेकर थाने में पहुंची। चिकित्सक ने बताया कि बच्चे का जन्म आज ही कुछ घंटे पहले हुआ है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राज्यपाल राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का किया दौरा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, राज्यपाल ने अमर जवान ज्योति की शाश्वत लौ पर पुष्पांजलि अर्पित करके भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने हमारे राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक भारत माता की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदानों का प्रमाण है। उनके नेक कार्य हमारे आने वाली पीढ़ी को इस महान परंपरा को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे कि हमारे देश का सम्मान और सुरक्षा अक्षुण्ण बना रहे। वह अरुणाचल प्रदेश के 23 शहीदों की प्रत्येक उल्लेखनीय पट्टिका तक पहुंचे, जिनमें से हवलदार हंगपन दादा, अशोक चक्र (मरणोपरांत) सहित सात वीरता पुरस्कार विजेता हैं को पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक हमारे नागरिकों में एकता, नैतिक अखंडता, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और अन्य उत्तर पूर्वी राज्यों के लोगों से आह्वान किया कि जब भी वे राष्ट्रीय राजधानी में हों तो राष्ट्रीय युद्ध स्मारक अवश्य देखें।

बीएसएफ जवानों की कलाई पर लायंस उमंग ने बांधी राखी

गुवाहाटी (विभास)। गीतानगर स्थित बीएसएफ छावनी परिसर में बुधवार को लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की सदस्याओ ने जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में संयोजिका सविता गोयल की देखरेख में आयोजित राखी कार्यक्रम के दौरान बीएसएफ भाइयों को मिठाई, फल व उपहार सहित अन्य वस्तुएं दी गई। वही क्लब की ओर वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत कुल पांच स्थानों में नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इनमें मठघरिय स्पोर्ट्स एंड कल्चरल क्लब, नारंगी के एचएल पोद्दार स्कूल, केबीएच मेडिकोज मठघरिया, शर्मा ग्रोसरी, नारंगी हाई स्कूल शामिल है। इसके अलावा सरोज खेतान व संगीता अग्रवाल के संयोजन में बी बरुवा कैंसर इंस्टीट्यूट तथा मुक्ता कसेरा के संयोजन में चाभीपुल स्थित राम जानकी मंदिर में फीड द हंगर परियोजना के तहत बड़ी संख्या में गरीब एवं जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। लायंस जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में आयोजित इन सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, संगीता बडजातियां, अंजू अग्रवाल, आशा मुरारका, कस्तूरी बाजोरिया, रोमा भजनका, संतोष मंडा, निभा सराफ, पिंकी हवेलिया, सविता गोयल, बबीता मोर, अनिमा गोयल, श्वेता खंडेलिया, ज्योति खेमका, निधि अग्रवाल, सरोज जालान, संगीता भड़ेच, विनीता जलन, नीलम जैन सहित सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

केरिपुब के 156वें और 129वें बटालियन ने मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

चिरांग (हिंस)। अखिल भारतीय वनवासी आश्रम (काजलगांव एवं बंगाईगांव) की कुछ बहनों को चिरांग जिले के कुकुरमारी में स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) की 156वीं बटालियन परिसर में उपस्थित अधिकारी एवं जवानों को राखी बांधने हेतु आमंत्रित किया गया। बहनों द्वारा बटालियन परिसर में उपस्थित अधिकारी एवं जवानों को आज राखी बांधा गया एवं महिलाओं का सम्मान किया गया। कैंप में उपस्थित द्वितीय कमान अधिकारी कैलाश नाथ द्वारा इस मौके पर उपस्थित सभी जवानों को इस त्यौहार की बधाई दी एवं इसके महत्व के बारे में बताया। **कोकराझाड़ (हिंस)।** कोकराझाड़ जिला के भोटगांव में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) की 129वीं बटालियन के मुख्यालय में आज रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर 129वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी कमांडेंट (एओएल) अनिल कुमार सिंह द्वारा पूरी बटालियन की ओर से कार्यक्रम में पधारे सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर कोकराझाड़, माखाड़ी युवा मंच कोकराझाड़, जागृति शाखा एवं कल्याण आश्रम कोकराझाड़ से पधारी बहनों एवं अन्य सदस्यों को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत भारत माता की प्रतिमा के समक्ष सभी उपस्थित सदस्यों के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पधारी बहनों एवं अन्य सदस्यों ने बटालियन के अधिकारियों एवं वीर जवानों को राखी बांधी। कार्यक्रम में पधारे अतिथिगण एवं बटालियन कार्मिकों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रदर्शित किया गया।

केन्या ने भारत से तोप, लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' और जहाज खरीदने में रुचि दिखाई

- अपनी सेना को मजबूत करने में मदद के लिए केन्या ने क्रेडिट लाइन बढ़ाने को कहा
- केन्याई प्रतिनिधिमंडल ने गोवा, बेंगलुरु में शिपयार्ड और रक्षा उद्योगों का दौरा किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आये केन्या के रक्षा सचिव अदन बेयर डुएले ने भारत निर्मित लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और नौसैनिक जहाजों सहित सैन्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में रुचि दिखाई है। भारत-केन्या के मजबूत होते रक्षा संबंधों के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नैरोबी की क्रेडिट लाइन बढ़ाने के लिए समर्थन का वादा किया है। केन्याई प्रतिनिधिमंडल ने अपने दौरे के आखिरी दिन गोवा और बेंगलुरु में भारतीय शिपयार्ड और रक्षा उद्योगों का दौरा किया। केन्या के रक्षा सचिव अदन बेयर डुएले के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता की थी। उसी दिन रक्षा संबंधों को नई गति देते हुए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और केन्या शिपयार्ड लिमिटेड ने क्षमता निर्माण और जहाज डिजाइन और निर्माण में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केन्याई समकक्ष अदन बेयर डुएले ने भारत को रक्षा निर्माण में पूरा समर्थन देने का वादा किया दिया। भारतीय रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि केन्या ने अपनी सेना को मजबूत करने में मदद के लिए क्रेडिट लाइन बढ़ाने की मांग की है। दौरे पर आए केन्याई प्रतिनिधिमंडल ने अपनी सेना के लिए सशस्त्र हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड के साथ-साथ छोटे हथियार, तोपखाना बंदूकें खरीदने में रुचि दिखाई है। केन्या के रक्षा सचिव ने कहा कि उनकी सरकार केन्याई नौसेना के लिए नौसैनिक जहाजों के संयुक्त डिजाइन और विकास में संभावित सहयोग पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक केन्या अपनी नौसेना के लिए किस श्रेणी के नौसैनिक जहाजों पर विचार कर रहा है, इसके बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। डुएले ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय रक्षा उद्योग के बढ़ते ह्यकौशलह्न को सराहा, जिसमें यह केन्याई बलों की आवश्यकताओं का समर्थन कर सकता है। भारत और केन्या के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हो रही है, जब भारत रक्षा और सुरक्षा मामलों पर जोर देते हुए कई अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयास कर रहा है। दोनों देशों ने पहली संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) की बैठक फरवरी 2019 में भारत में की थी। भारत ने लखनऊ में डेफएक्सपो-2020 में पहली बार भारत-अफ्रीका रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन की मेजबानी की, जो रक्षा संबंधों को मजबूत करने और भारत और अफ्रीकी देशों के बीच सैन्य-से-सैन्य सहयोग के ढांचे को मजबूत करने पर केंद्रित था। भारत-केन्या की दूसरी जेडीसीसी की बैठक 8-9 नवंबर 2022 को नैरोबी में आयोजित की गई थी। इसके बाद उस वर्ष 10-11 नवंबर को पहली बार भारत-केन्या रक्षा निर्यात सेमिनार हुआ। इसके बाद अप्रैल 2023 में भारत ने पुणे में भारत-अफ्रीका सेना प्रमुखों के सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के 42 देशों को लगभग 14 बिलियन डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान की। अब फिर भारत-केन्या के मजबूत होते रक्षा संबंधों के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नैरोबी की क्रेडिट लाइन बढ़ाने के लिए समर्थन का वादा किया है।

यूक्रेन संघर्ष पर भारत शांति के पक्ष में खड़ा है : एस जयशंकर

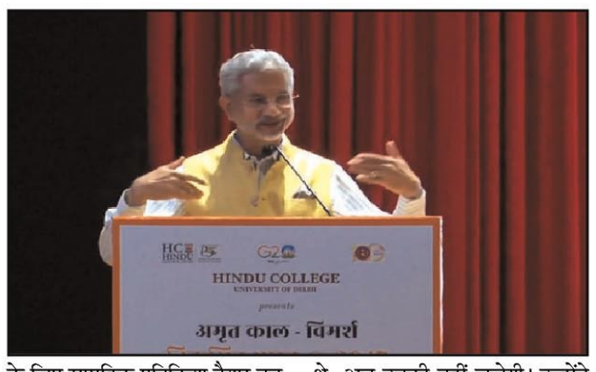

नई दिल्ली, (हि.स.)। यूक्रेन संघर्ष पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने आज कहा कि भारत इस वैश्विक घटनाक्रम में तटस्थ नहीं बल्कि शांति के पक्ष में है। इस संघर्ष से दुनिया में तेल और अनाज की कीमतें बढ़ी हैं। दुनिया का कोई देश संघर्ष का समर्थन नहीं कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत उन देशों के साथ शांति के पक्ष में खड़ा है। जयशंकर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैश्विक संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा कि 2023 को सभी लोग एक ऐसे वर्ष के तौर पर याद करेंगे, जब भारत ने अपनी जी20 की अध्यक्षता में दुनिया के मानचित्र पर एक अलग स्थान पाया है। हम सोलर अलायंस से ऊर्जा को लेकर दुनिया की सोच बदल रहे हैं। इंटरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स के माध्यम से खानपान की आदतों को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। गठबंधन के माध्यम से आपदाओं के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया तैयार कर रहे हैं। वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाने वाले देश के रूप में आज भारत को देखा जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की संभावना पर विदेश मंत्री ने कहा कि यह होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन उस समय हुआ था, जब इसके केवल 50 सदस्य थे। आज इसके करीब 200 सदस्य हैं। ऐसे में उस दौर में जो देश दुनिया चला रहे थे, अब उनकी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के ढांचे में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से एक भी स्थाई सदस्य नहीं है। उस समय जो सत्ता पर बैठ गए, वो लोग अब उठने को तैयार नहीं है। हालांकि यह उनके भी हित में नहीं है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा हाल ही में ब्रिक्स ने भी उन में बदलाव का समर्थन किया है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- सरकार जम्मू-कश्मीर में कभी भी चुनाव कराने को तैयार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच के समक्ष अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के 13वें दिन गुरुवार को केंद्र सरकार ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में कभी भी चुनाव कराने को तैयार है। वोटर लिस्ट लगभग तैयार हो चुकी है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पंचायत चुनाव, नगर निगम के चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव होंगे। केंद्र सरकार ने बताया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने लिए कदम उठाए गए हैं, पर ये कब तक होगा, इसका निश्चित वक़्त नहीं बता सकते हैं। दरअसल, 29 अगस्त को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय सीमा है और उसका रोडमैप क्या है। कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि राज्य में चुनाव कब करा रहे हैं। आज अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का 13वां दिन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से 23 अगस्त को दलीलें पूरी कर ली गईं थीं। पांच सदस्यीय बेंच में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार ने राज्य के सभी विधानसभा सीटों के लिए एक परिसीमन आयोग बनाया है। इसके अलावा जम्मू और कश्मीर के स्थायी निवासियों के लिए भी भूमि खरीदने की अनुमति देने के लिए जम्मू एंड कश्मीर डेवलपमेंट एक्ट में संशोधन किया गया है। याचिका में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर महिला आयोग, जम्मू-कश्मीर अकाउंटेबिलिटी कमीशन, राज्य उपभोक्ता आयोग और राज्य मानवाधिकार आयोग को बंद कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च, 2020 को अपने आदेश में कहा था कि इस मामले पर सुनवाई पांच जजों की बेंच ही करेगी। सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने मामले को सात जजों की बेंच के समक्ष भेजने की मांग को खारिज कर दिया था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने किया पॉडकास्ट लॉन्च, भाजपा शासन को उजागर करने के लिए जारी करेंगे ऑडियो श्रृंखला

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को अपना पॉडकास्ट लॉन्च करते हुए कहा कि वह भाजपा शासन को उजागर करने वाला ऑडियो सीरीज जारी करेंगे। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अपने पॉडकास्ट पर "भारत को बचाने और भारतीय जनता पार्टी की अव्यवस्था को उजागर करने" के लिए ऑडियो सीरीज जारी करेंगे। डीएमके की विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम स्टालिन अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में बात करेंगे ताकि व्यापक लोगों तक पहुंच बनाई जा सके। एमके स्टालिन ने एक्स पर कहा कि भारत के भविष्य को जागृत करने के लिए एक दक्षिणी आवाज इंडिया के समर्थन में। गौरतलब है कि सीएम स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल भाजपा पर दक्षिणी राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगा रहा है।

वाईएस शर्मिला ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने गुरुवार को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शर्मिला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने आज कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं के साथ कई मुद्दों पर बातचीत हुई है। शर्मिला ने कहा कि वह कहना चाहती हैं कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हालांकि कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर शर्मिला ने कुछ साफ-साफ नहीं कहा लेकिन सूत्रों का कहना है कि वह कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सकती हैं। इससे पहले जब 10 अगस्त को शर्मिला दिल्ली आईं थी तब भी यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह कांग्रेस आलाकमान से मिलने ही आईं थीं।

इंडिया गठबंधन की बैठक पर भाजपा का हमला, कहा- दल मिल रहे हैं दिल नहीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंडिया गठबंधन की मुंबई में होने जा रही बैठक पर भारतीय जनता पार्टी ने हमला बोला है। गुरुवार को भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्षी दलों की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि आज सिर्फ दल मिल रहे हैं, दिल नहीं। मुंबई में घमंडिया गठबंधन की बैठक होने जा रही है। इन पार्टियों ने 20 लाख करोड़ के घोटाले और भ्रष्टाचार किए हैं। यह एक स्वार्थी गठबंधन है, उनका एजेंडा भ्रष्टाचार से अधिकतम लाभ लेना है। संबित पात्रा ने कहा कि विपक्षी दलों के बीच की इस 'म्यूजिकल चेयर' को किसी स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है। इस तरह की विपक्षी बैठकें हमारे लिए नई नहीं हैं, चाहे वह 2014 हो या 2019, यह 'घमंडिया गठबंधन' एक बार फिर से बना और यह एक और शुरूआती प्रयास है। उन्होंने कहा कि हम चंद्रयान हैं और हमारा रोवर पहले से ही विकास पर काम कर रहा है जबकि कांग्रेस पार्टी की मिसाइल उड़ान नहीं भरेगी क्योंकि इसमें ईंधन नहीं है। कांग्रेस हर कोशिश कर चुकी है अपनी मिसाइल लॉन्च करने के लिए, लेकिन वे असफल रहे। इस देश की जनता अच्छी तरह से जानती है कि किसकी गाड़ी जमीन पर उतरेगी और किसकी मिसाइल लॉन्च ही नहीं हो पाएगी। मिशन 3 भी हम जीतेंगे।

जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस की ओर से हिस्सा लेने भारत पहुंचेंगे विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव

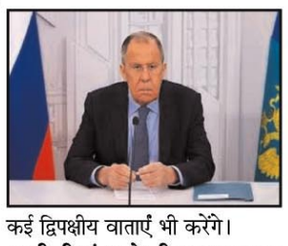

मॉस्को, (हि.स.)। भारत की राजधानी नई दिल्ली में सितंबर में प्रस्तावित जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भाग लेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में बयान जारी कर कहा कि लावरोव जी-20 शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का प्रतिनिधित्व करेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अगले माह नौ एवं दस सितंबर को दिल्ली में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने जानकारी दी कि उनके स्थान पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

लावरोव नौ सितंबर को आयोजित सतत विकास और स्थिर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर वन प्लैनेट सत्र और दस सितंबर को वन फ़्यूचर सत्र में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और वैश्विक आर्थिक प्रशासन संस्थानों के भीतर वैश्विक बहुमत से संबंधित देशों की भूमिका को मजबूत करने के साथ डिजिटल परिवर्तन प्राप्त करने के प्रमुख मामलों पर प्रकाश डालेंगे। वे शिखर सम्मेलन के अलावा कई द्विपक्षीय वार्ताएं भी करेंगे।

अफ्रीकी संघ को जी-20 सदस्यता की उम्मीद - मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस इस शिखर सम्मेलन में भारत की जी-20 अध्यक्षता की एकीकृत प्रकृति, विकासशील देशों के हितों को बढ़ावा देने और मंच पर रचनात्मक माहौल बनाने की देश की प्रतिबद्धता पर ध्यान देना चाहेगा। शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार करने पर निर्णय होने की उम्मीद है। इस कदम का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि रूस इस पहल का समर्थन करने वाले पहले देशों में से था और इसे आगे बढ़ाने में योगदान भी दिया है।

सामूहिक पश्चिम की ओर से कृत्रिम बाधाएं - रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि सामूहिक पश्चिम द्वारा अपनाई गई टकराव की नीति कृत्रिम बाधाएं पैदा कर रही हैं, जो जी-20 समूह को अपनी रचनात्मक क्षमता को उजागर करने से रोकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा रूस एवं चीन विरोधी जानकारी फैलाने के प्रयास तनाव का एक विशेष स्रोत रहे हैं। यह पूरा समूह हर तरह की गंदी चालें चल रहा है जी-20 के भीतर एक आमसहमति नियम का अवमूल्यन करने और बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं के रूप में इस मंच पर संदिग्ध जी-7 समझौतों के विस्तार के प्रयास हो रहे हैं। रूस की ओर से कहा गया कि अमेरिका सहित तमाम देशों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंडे का यूक्रेनीकरण कर दिया है। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के यूक्रेनीकरण का अर्थ है, यूक्रेन संकट से संबंधित वास्तविक चुनौतियों, इसके कारणों और इसे हल करने के तरीकों को पहचानने से इनकार करना। उन्होंने कहा ये देश हर जगह के एजेंडे में इस विषय को शीर्ष पर रखना चाहते हैं, भले ही चर्चा में उसका कोई स्थान न हो। शिखर सम्मेलन में रूस सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीकों के बारे में अपने सैद्धांतिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा।

अरविंदर सिंह लवली को मिली दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की कमान

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को एक पत्र जारी कर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेता अरविंदर सिंह लवली को तत्काल प्रभाव से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल के योगदान को पार्टी हमेशा याद रखेगी और पार्टी उनके कार्यों की सराहना करती है। उल्लेखनीय है कि अरविंदर सिंह लवली वर्ष 1998 में पहली बार दिल्ली की गांधी नगर विधानसभा से विधायक बने। वह वर्ष 2003, 2008 और 2013 में भी विधायक रहे और दिल्ली के शिक्षा मंत्री की भूमिका भी निभा चुके हैं।

सरकार ने 1.43 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को दी मंजूरी

-भूटान, मॉरीशस और सिंगापुर को गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लागू प्रतिबंध में थोड़ी ढील दी है। केंद्र सरकार ने भूटान, मॉरीशस और सिंगापुर के अनुरोध पर 1.43 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने देर रात जारी अधिसूचना में कहा कि सरकार ने भूटान, मॉरीशस और सिंगापुर को 1.43 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। डीजीएफटी की अधिसूचना के मुताबिक राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से इस निर्यात की अनुमति दी गई है। भूटान, मॉरीशस और सिंगापुर को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिए अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी ने भूटान को 79 हजार टन, मॉरीशस को 14 हजार टन और सिंगापुर को 50 हजार टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को अधिसूचित किया है। हालांकि, घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लागू प्रतिबंध जारी है।

राजस्थान के नागौर में तीन दलितों के साथ बर्बरता मामले पर भाजपा ने गठित की 4 सदस्यीय समिति

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान के नागौर कूचामन में तीन दलितों के साथ हुए बर्बरता पूर्ण व्यवहार को लेकर दुख व्यक्त किया है। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि राजस्थान में दलितों के प्रति ऐसी जघन्य हत्याएं आम हो चुकी है । राजस्थान में दलित उत्पीड़न, महिला उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ती जा रही है। इसके साथ राज्य में जंगल राज चरम पर है। नड्डा ने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। जे पी नड्डा ने दलितों के ऊपर हुई इस घटना पर एक चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जिसमें राज्य सांसद बृजलाल, सांसद कान्ता कर्दम, लोक सभा की सांसद रंजीता कोली और राज्य सभा के सांसद डॉ. सिकंदर कुमार शामिल हैं। यह कमेटी घटना स्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट जल्दी ही राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के नागौर कूचामन में तीन दलितों को कुचल दिया गया था जिसमें से दो की मौत हो गई है तथा एक पीड़ित अभी भी अस्पताल में भर्ती है।

उमर अब्दुल्ला पूर्व पत्नी को बतौर अंतरिम गुजारा भत्ता डेढ़ लाख रुपये हर माह दें : दिल्ली हाई कोर्ट

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को आदेश दिया है कि वो अपनी पूर्व पत्नी पायल अब्दुल्ला को बतौर अंतरिम गुजारा भत्ता डेढ़ लाख रुपये हर महीने दें। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने उमर को यह भी निर्देश दिया कि वो अपने बेटे की पढ़ाई के लिए हर महीने साठ हजार रुपये दें। पायल अब्दुल्ला ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पायल ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि उमर अब्दुल्ला पायल अब्दुल्ला को हर महीने 75 हजार रुपये और बेटे की पढ़ाई के लिए 25 हजार रुपये दें। पायल अब्दुल्ला ने हाई कोर्ट से कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने अंतरिम गुजारा भत्ता के रूप में काफी कम राशि देने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पायल और उनके दो बेटों ने जिस गुजारा भत्ता की मांग की है, वो स्वीकार करने योग्य नहीं है। उमर की इस दलील का पायल अब्दुल्ला के वकील ने पुरजोर विरोध किया था और कहा था कि 2016 से पायल अकेले रह रही है औऱ उसे कोई खर्च नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि उसे अपने बेटों की फीस तक भरने के पैसे नहीं हैं । उमर ने कहा था कि पायल अपना गुजारा कर सकती हैं, क्योंकि उनका अपना व्यवसाय है और दिल्ली में उनका एक घर भी है। बेटे भी अब बड़े हो गए हैं, जो गुजारा भत्ता नहीं मांग सकते हैं ।

ठगों के निशाने पर देश की सबसे बड़ी अदालत, सुप्रीम कोर्ट के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। ठगों के निशाने पर अब देश की सबसे बड़ी अदालत भी आ गई है। सुप्रीम कोर्ट के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बंध में जांच एजेंसियों को भी जानकारी दी है। सुप्रीम कोर्ट की एडवाइजरी में कहा गया है कि बिना वेरिफाई किए लिंक को क्लिक नहीं करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वो किसी भी व्यक्ति की निजी जानकारी, वित्तीय या गोपनीय सूचना नहीं मांगता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूआरएल http://cbins/scigv.com और https://cbins.scigv.com/offence पर क्लिक नहीं करें। ठग इस यूआरएल के जरिये लोगों की गोपनीय सूचना जुटा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आम लोगों को सलाह दी है कि अगर आप इस यूआरएल के शिकार हो गए हैं, तो अपने ऑनलाइन खातों का पासवर्ड तुरंत बदल दें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसके आधिकारिक वेबसाइट का यूआरएल www.sci.gov.in है। सुप्रीम कोर्ट ने उसके नाम से ठगी करने वाली यूआरएल के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 301 पर कारगिल-जंस्कर इंटरमीडिएट लेन को किया जा रहा है उन्नत : गडकरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि लद्दाख में राष्ट्रीय राजमार्ग 301 पर कारगिल-जंस्कर इंटरमीडिएट लेन को उन्नत किया जा रहा है। एक ट्वीट में गडकरी ने कहा कि परियोजना की कुल लंबाई 31.14 किलोमीटर है और पैकेज-6 के अंतर्गत आती है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य आंतरिक क्षेत्रों में यात्रियों और माल की आवाजाही दोनों के लिए एक विश्वसनीय और सुलभ लिंक प्रदान करके क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्नत राजमार्ग साल भर पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और क्षेत्र के निवासियों को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह महत्वाकांक्षी परियोजना लद्दाख क्षेत्र में तेज, परेशानी मुक्त और पर्यावरण के प्रति जागरूक गतिशीलता प्राप्त करने के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन में प्रबुद्ध जनों के साथ किया संवाद

बलरामपुर,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शक्तिपीठ देवीपाटन भ्रमण के दूसरे दिन गुरुवार को चंद्रशेखर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक कर देश व प्रदेश के कल्याण की कामना की। इसके बाद मंदिर के सभागार में मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक कर विकास कार्यों को लेकर संवाद किया । मुख्यमंत्री योगी ने दूसरे दिन सुबह मां पाटेश्वरी जी का दर्शन पूजन कर गौशाला गये और वहां गायों को हरा चारा खिलाया। इसके उपरांत शक्तिपीठ में स्थापित चंद्रशेखर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक कर महादेव का पूजन किया। बलरामपुर वा जनपद श्रावस्ती के प्रवुद्ध वर्ग के लोगों के साथ शक्तिपीठ के सभागार में बैठक कर सीएम ने विकास कार्यों को लेकर संवाद किया। जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों को लेकर जानकारी ली। योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय भ्रमण पर बुधवार शाम तकरीबन 5:00 बजे शक्तिपीठ मंदिर देवी पाटन पहुंचे थे। बुधवार को ही मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ द्वारा संचालित चिकित्सालय वा थारू छात्रावास का जायजा लिया। आज गुरुवार को शक्तिपीठ पर धार्मिक अनुष्ठान कर अपराह्न करीब एक बजे मुख्यमंत्री का काफिला भवानियापुर हैलीपैड पहुंचा। वहां से वह हैलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हुए ।

मुख्यमंत्री योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन में प्रबुद्ध जनों के साथ किया संवाद

बलरामपुर,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शक्तिपीठ देवीपाटन भ्रमण के दूसरे दिन गुरुवार को चंद्रशेखर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक कर देश व प्रदेश के कल्याण की कामना की। इसके बाद मंदिर के सभागार में मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक कर विकास कार्यों को लेकर संवाद किया । मुख्यमंत्री योगी ने दूसरे दिन सुबह मां पाटेश्वरी जी का दर्शन पूजन कर गौशाला गये और वहां गायों को हरा चारा खिलाया। इसके उपरांत शक्तिपीठ में स्थापित चंद्रशेखर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक कर महादेव का पूजन किया। बलरामपुर वा जनपद श्रावस्ती के प्रवुद्ध वर्ग के लोगों के साथ शक्तिपीठ के सभागार में बैठक कर सीएम ने विकास कार्यों को लेकर संवाद किया। जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों को लेकर जानकारी ली। योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय भ्रमण पर बुधवार शाम तकरीबन 5:00 बजे शक्तिपीठ मंदिर देवी पाटन पहुंचे थे। बुधवार को ही मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ द्वारा संचालित चिकित्सालय वा थारू छात्रावास का जायजा लिया। आज गुरुवार को शक्तिपीठ पर धार्मिक अनुष्ठान कर अपराह्न करीब एक बजे मुख्यमंत्री का काफिला भवानियापुर हैलीपैड पहुंचा। वहां से वह हैलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हुए ।

तीसरी नजर से पकड़े गये अपराधियों का करें प्रचार, इससे बढ़ेगी दहशत : मुख्य सचिव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गुरुवार को सेफ सिटी परियोजना की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईसीसीसी एवं आईटीएमएस के जरिए पकड़े गए अपराधियों का खूब प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अपराधियों के अंदर दहशत व्याप्त हो और वह अपराध करने की हिम्मत न करें। लोगों को भी पता चलना चाहिए कंट्रोल रूम से शहर पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। मुख्य सचिव ने कहा कि सेफ सिटी परियोजना के तहत प्रदेश के 17 नगर निगमों और गौतमबुद्ध नगर को महिलाओं के साथ बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगजनों के लिए सबसे सुरक्षित शहर बनाया जाए। बालिकाओं और महिलाओं में सुरक्षा की भावना दृढ़ हो और अपराधियों में भय व्याप्त हो, इसके लिए बालिकाओं के स्कूल व कालेज के पास पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सादे परिधान में लगाते हुए शोहदों एवं शरारती तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। शिक्षण संस्थानों में बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर नगर निगम, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अथवा स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा सीसीटीवी लगाए जाएं और उन्हें एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) व इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से इंटीग्रेट किया जाए। सर्वे कराकर शहरों में डार्क प्लेसेज को चिन्हित कर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाए। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और आवश्यकतानुसार पुलिस को तैनात किया जाए।

लोगों को सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए करें प्रेरित- मुख्य सचिव ने कहा कि आमजन, व्यापारियों, संस्थान संचालकों को जागरूक कर उन्हें सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए प्रेरित किया जाए। अस्पताल, संस्थान, आरडब्ल्यूए, भवन, प्रतिष्ठान आदि के प्रवेश एवं निकास द्वार पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों को भी कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट करने के कार्य में प्रगति लाई जाए। लोग अपनी सुविधा और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी फुटेज का डेटा अपने पास भी रख सकते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर फुटेज पुलिस को उपलब्ध करा सकें। औद्योगिक विकास विभाग द्वारा इंडस्ट्रियल स्टेट में सुरक्षा के क्या प्रबंध हैं, इसकी समीक्षा की जाए। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए जारी दिशा निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

सिटी बसों में लगी पैनिक बटन का हो व्यापक प्रचार- दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि सिटी बसों में पैनिक बटन का व्यापक प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाए। उन्हें बताया जाए कि आपातस्थिति में इस बटन का प्रयोग कर सकते हैं। बटन का दुरुपयोग करने वालों पर एक्शन लिया जाए। रेडियो टैक्सी में जीपीएस क्रियाशील होना चाहिए, जिसकी निगरानी एग्रीगेटर द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित कर की जाए।रेडियो टैक्सी में भी पैनिक बटन लगवाएं जाएं।

रात्रि आठ बजे तक ही संचालित हों कोचिंग संस्थान- मुख्य सचिव ने कहा कि ऐसे कोचिंग संस्थान जहां लड़कियां पढ़ने जाती हैं, अधिकतम रात्रि आठ बजे तक ही संचालित होने चाहिए, ताकि वे समय से सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। तंग गलियों में कोचिंग संस्थान होने पर आगजनी, छेड़खानी जैसी अप्रिय घटना घटित होने की संभावना अधिक रहती है, इसलिए संस्थान खुले स्थान पर होने चाहिए और विद्यार्थियों के बैठने का समुचित प्रबंध होना चाहिए। इसके अलावा कोचिंग संस्थान में लड़कियों के अलग टॉयलेट और प्रवेश और निकास द्वार पर सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगा होना चाहिए। इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा दिशा निर्देश निर्गत कर अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

शासकीय भवन हों दिव्यांगजन हितैषी- उन्होंने कहा कि सभी विभागों के शासकीय भवन दिव्यांगजन हितैषी होने चाहिए। वर्तमान एवं भविष्य में निर्मित होने वाले भवनों को दिव्यांगजन हितैषी व सुगम्य बनाया जाए। उन्होंने सेफ सिटी वेब एवं ऐप को डेवलप करने के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश नगर विकास विभाग को दिए। ऐप में महिलाओं के साथ बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों से सम्बन्धित सुविधाओं व सरकारी योजनाओं का विवरण रखते हुए योजनाओं से सम्बन्धित विभागों का लिंक किया जाए। इसके अलावा एप पर निकटम पुलिस बूथ और टायलेट की भी जानकारी रखे जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में सेफ सिटी परियोजना के लोगो और स्लोगन को अनुमोदन भी प्रदान किया गया। समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिवों द्वारा सेफ सिटी परियोजना को लेकर अब तक की प्रगति की जानकारी भी दी गई। बैठक में प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रमुख सचिव अवस्थपना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर, अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा बीपी जोगदंड, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रंजन कुमार सहित, सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास अनामिका सिंह, सचिव गृह डॉ. संजीव गुप्ता समेत संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह में एआईएमआईएम के प्रत्याशी रिजवी एवं नूरानी सहित अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज

एआईएमआईएम अध्यक्ष की जनसभा में लगे थे 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे

गिरिडीह,(हि. स.)। डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसिलमिन (एआईएमआईएम) द्वारा आयोजित सभा में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की बात सामने आने पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। इस मामले को लेकर जिले के गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी दीपक कुमार शर्मा ने निर्देश पर वीडियो अवलोकन दल ने भाषण के दौरान रिकॉर्ड वीडियो का अवलोकन किया। इसके बाद यह पाया गया कि भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था। इस संदर्भ में संबंधित उड़नदस्ता दल, डुमरी के द्वारा डुमरी थाना में एआईएमआईएम पार्टी प्रत्याशी अब्दुल मोबिन रिजवी, मुजफ्फर हसन नूरानी एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में प्रशासन प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि वीडियो के अवलोकन में यह पाया गया कि यह कृत्य आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने का प्रयास है।डुमरी के थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को डुमरी के केबी हाई स्कूल मैदान में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा को संबोधित किया था। इसी दौरान लोगों के बीच से किसी ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया, जिसके बाद असदुद्दीन ने अपना भाषण बीच में ही रोक कर उसे फटकार लगाई थी।

रामगढ़ में चेक क्लोन कर डीएमएफटी फंड के निकल गए 32 लाख रुपए

रामगढ़,(हि.स.)। जिले में एक बार फिर सरकारी खाते के चेक को क्लोन कर 32 लख रुपए की निकासी साइबर अपराधियों ने कर ली है। इस बार डीएमएफटी फंड से 32 लाख 21000 रुपए की निकासी फर्जी तरीके से कर ली गई है। इस मामले में रामगढ़ शहर के बैंक आफ इंडिया चट्टी बाजार शाखा के प्रबंधक नलिनी सिंह ने रामगढ़ थाने में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के खाते से क्लोन चेक के माध्यम से फर्जी निकासी की गई है। इस अवैध चेक से 32 लाख 21 हजार रुपए निकाले गए हैं। जबकि इन रूपों को निकालने के लिए आठ चेक का इस्तेमाल किया गया है। फर्जी जितने चेक का इस्तेमाल किया गया है वह सारे ओरिजिनल चेक कार्यालय में ही मौजूद हैं। नलिनी सिंह ने रामगढ़ पुलिस को बताया है कि विशाल कुमार, मो फजलुर रहमान मलिक, एसके मोनिरुल इस्लाम और विजय कुमार नामक व्यक्ति के द्वारा फर्जी चेक का उपयोग करते हुए अलग-अलग बैंकों के खातों में इतनी मोटी रकम निकली गई है। बैंक मैनेजर नलिनी सिंह ने बताया कि रामगढ़ डीएमएफटी फंड के खाता संख्या 58891011008691 के 8 क्लोन चेक का उपयोग फर्जी तरीके से राशि निकासी के लिए इस्तेमाल की गई है। सभी चेक को 17, 18, 19 अगस्त को क्लियर कराया गया है। फजीर्वाड़े की जानकारी 22 अगस्त को जिले के अधिकारियों को हुई। इसके बाद अधिकारियों द्वारा बैंक स्टेटमेंट चेक किया गया। तब मालूम पड़ा की आठ चेक फर्जी तरीके से निकल गए हैं। जबकि ओरिजिनल चेक डीएमएफटी कार्यालय में ही मौजूद है। पुलिस के अनुसार सभी चार व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी व जालसाजी कर चेक का क्लोन तैयार किया गया और उस चेक को अलग-अलग बैंक खातों में क्लियर कर लिया गया है। रामगढ़ जिले में देना बैंक का चेक क्लोन कर अपराधियों ने पहले भी लगभग 70 लाख रुपए की अवैध निकासी की थी।

पीसीएस-जे की परीक्षा में 5वां स्थान प्राप्त कर सुलतानपुर की जाह्नवी ने जिले को किया गौरवान्वित

सुलतानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जू.डि.) परीक्षा-2022 के परिणाम में सुलतानपुर के बघराजपुर निवासी जाह्नवी वर्मा को प्रदेश में पांचवा स्थान मिला है। किसान परिवार में जन्मी जाह्नवी दोस्तपुर ब्लाक की खालिसपुर दुर्गा गांव की निवासी हैं। माता शीला वर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भादर में सुपरवाइजर पद से सेवानिवृत्त हैं। रामगंज कस्बे में पली-बढ़ी जाह्नवी ने जिले में स्थित महर्षि विद्यामंदिर योगीवीर से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण किया था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पंचवर्षीय एलएलबी में प्रवेश लिया था। वर्ष 2020 में जाह्नवी ने एलएलबी की परीक्षा में भी टॉप किया था। विगत 20 जून को घोषित लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सहायक अभियोजन अधिकारी के पद पर जाह्नवी का चयन हुआ था। जाह्नवी ने इस परीक्षा में प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया था। जाह्नवी के पिता जगदीश वर्मा किसान हैं। इसके पूर्व में वह अपने गांव के प्रधान भी रहे हैं। जाह्नवी को अपने बड़े भाई आलोक वर्मा से सफलता की प्रेरणा मिली।

राष्ट्रीय लोक अदालत 09 सितंबर को, पैनल अधिवक्ता के भूमिका पर विचार विमर्श

कटिहार,(हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हेमंत कुमार त्रिपाठी के निदेर्शानुसार आज सभी पैनल अधिवक्ताओं के साथ एक बैठक आहूत की गई। बैठक में आगामी 09 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन में पैनल अधिवक्ता के भूमिका पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान पैनल अधिवक्ताओं द्वारा अधिक से अधिक वाद निष्पादन कराने में अपेक्षित सहयोग देने का आश्ववासन दिया गया। डीएलएसए सचिव एडीजे अनिल कुमार राम द्वारा सभी पैनल अधिवक्ताओं से यह भी समीक्षा की गई। वे अपने स्तर से अधिक से अधिक वाद का निष्पादन कराना सुनिश्चित करे तथा राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार भी अपने स्तर से किया जाय। इस अवसर पर हेमंत कुमार मिश्र, यशश्वी कुमार अग्रवाल, स्वाति साकेत, कुमारी सोनी, सोनम कुमारी, लूसी ग्रे, प्रियंका कुमारी, राजू पोद्दार, भारतेश सहित सभी पैनल अधिवक्ता उपस्थित थे। एडीआर भवन में तत्पश्चात अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार राम के द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर पुनः अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ एक बैठक आहूत की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निष्पादन हेतु विचार विमर्श किया एवं संघ अधिक से अधिक वाद निष्पादन कराने में अपेक्षित सहयोग देने का आश्वाशन दिया गया। इस बैटक में अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विजय कुमार झा एवं सचिव रमेश प्रसाद जायसवाल उपस्थित थे। उक्त बैठक के पश्चात अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार राम के द्वारा आमजनों से अपील किया गया कि 09 सितंबर को व्यवहार न्यायालय, कटिहार एवं बारसोई के प्रांगण में राष्ट्रीय लोक अदालत में दावा वाद, वैवाहिक वाद, विद्युत वाद, एनआई एक्ट सहित सभी शमनीय वाद एवं बैंक, बीएसएनएल सहित अन्य प्री- लिटिगेशन वादों का निष्पादन किया जाएगा। साथ ही जिनका वाद न्यायालय में लंबित है वे सम्बंधित न्यायालय से यथा शीघ्र सम्पर्क कर अपना वाद समझौता के आधार पर निष्पादन कराये ताकि वाद को 09 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन किया जा सके।

एक देशी कट्टा और कारतूस के साथ अपराध की योजना बनाते तीन को पुलिस में किया गिरफ्तार

नवादा,(हि.स.)। पुलिस ने अपराध की योजना बनाते तीन लोगों को गुरुवार को हथियार और गोली के साथ धर दबोचा। ये सभी नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में बैठकर योजना बना रहे थे। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के साथ मंशा को विफल कर दिया। पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा और दो कारतूस को बरामद किया है।

गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों पर राज्य के विभिन्न थानों में लूट, डकैती जैसे अपराध का मामला दर्ज है। इन आरोपितों की पहचान जहानाबाद जिले के मरसुआ गांव के निवासी नीतीश उर्फ भोला केवट,धीरा बीघा गांव के बाल करण कुमार और मखदुमपुर गांव के प्रमोद कुमार के रूप में की गई है। नारदीगंज के थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना के आधार पर नारदीगंज थानाध्यक्ष मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने छापेमारी कर तीन कुख्यात बदमाश को हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। इन सभी का आपराधिक रिकार्ड केस डायरी में समाहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने वृक्ष को बांधा रक्षा सूत्र, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पटना,(हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। उन्होंने पटना की राजधानी वाटिका दो में वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधा और पौधरोपण भी किया। इसके जरिए नीतीश ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से अनुरोध किया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ को राखी बांधें। यह पृथ्वी और मनुष्य को बचाने की एक नई शुरूआत है। नीतीश ने कहा कि राज्य सरकार ने पेड़ों की मदद करने और राज्य में हरियाली बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। साथ ही उन्होंने बिहार की हरियाली की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को अधिक पेड़ लगाने के लिए आगे आना चाहिए और स्वस्थ वातावरण के लिए उनकी रक्षा करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि 13 अगस्त, 2012 को रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस का शुभारंभ किया था। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज वृक्षों को रक्षा सूत्रों से बांधने का भव्य समारोह आयोजित हुआ।

नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ भ्रम फैलाना बंद करे कांग्रेस: गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार सुबह कांग्रेस पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस की यूपीए सरकार और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मनरेगा के माध्यम से किए गए कार्यों का ब्यौरा देते हुए कहा है कि कांग्रेस भ्रम पैदा कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश द्वारा मनरेगा के संबंध में उठाए गए सवाल को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस राज में 16 सौ करोड़ का लेबर डेज था। वहीं, नरेन्द्र मोदी की सरकार में 26 सौ करोड़ के ऊपर है। महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का बजट कांग्रेस के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा है कि हम टेक्नोलॉजी में माध्यम से गरीबों का पैसा गरीबों तक पहुंचा रहे हैं, बिचौलियों के लिए यहां जगह नहीं है। कांग्रेस सरकार में 2014 तक 1660 करोड़ कार्य दिवस सृजित किए थे। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2014 से अब तक 2604 करोड़ कार्य दिवस से सृजित किया है। कांग्रेस सरकार ने 2.1 लाख करोड़ आवंटित किया था। नरेन्द्र मोदी की सरकार 6.6 लाख करोड़ आवंटित कर चुकी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने 153 लाख कार्य पूर्ण किए थे। जबकि मोदी सरकार में 669 लाख कार्य पूर्ण किए गए हैं। उनकी सरकार में महिलाओं की भागीदारी मात्र 48 प्रतिशत थी। हमने महिलाओं की भागीदारी 55 प्रतिशत पहुंचा दिया है। उनके समय में मनरेगा पर बिचौलिए हावी रहते थे। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने डीबीटी का सिस्टम लागू किया। जिससे सीधे लाभुकों के खाते में पैसे जा रहे हैं। 99 प्रतिशत डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर हो रहा है तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लग गया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कल ट्वीट कर मनरेगा पर सवाल उठाते हुए कहा था कि मोदी सरकार को सबसे कमजोर नागरिकों को मनरेगा के लाभ से वंचित करने के लिए आधार और टेक्नोलॉजी को हथियार बनाना बंद करना चाहिए। मनरेगा श्रमिकों के बकाए का भुगतान करना चाहिए। पारदर्शिता को बेहतर करने के लिए इसके स्थान पर ओपन मास्टर रोल और सोशल ऑडिट लागू करना चाहिए।

शिक्षा विभाग ने कोचिंग संस्थान नियमावली-2023 जारी किया

पटना,(हि.स.)। बिहार में कोचिंग संस्थान को अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए शिक्षा विभाग ने कोचिंग संस्थान नियमावली-2023 जारी कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने मेल पर आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। जल्द ही इसको कैबिनेट में भी लाया जाएगा। नियमावली के मुताबिक एक बार पंजीकरण कराने के बाद तीन साल तक कोचिंग का पंजीकरण मान्य होगा। कोचिंग संस्थानों को रजिस्ट्रेशन के लिए 5000 रुपये का शुल्क देना होगा। साथ ही किसी भी कोचिंग संस्थान की क्लास का क्षेत्रफल 300 वर्ग फुट से कम नहीं होगा। इसके साथ ही नियमावली में इस बात का भी प्रावधान है कि स्कूलों के समय में कोचिंग नहीं चलेंगे। बिहार राज्य शिक्षा विभाग ने कोचिंग संस्थानों के लिए निदेर्शों का सेट भी जारी किया है, जैसे कि नियमों के लागू होने के बाद, कोई भी व्यक्ति जो कोचिंग संस्थान स्थापित करने या चलाने का इरादा रखता है, उसे निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ जिला मजिस्ट्रेट को आवेदन जमा करना होगा। इन नियमों के लागू होने के पहले से चल रहे कोचिंग संस्थान को इनके लागू होने के 30 दिन के अंदर निर्धारित प्रारूप में तय शुल्क के साथ जिला मजिस्ट्रेट को आवेदन जमा करना होगा। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी को दी जाएगी इसके लिए विशेष शक्ति। साथ ही इसमें कुछ और संशोधन कर आगामी मंत्रिमंडल की होने वाली बैठक में इसका मामला लाया जाएगा।

संपादकीय

केंद्र में मध्यावधि चुनाव

क्या आम चुनाव अपने तय समय से पहले दिसंबर-जनवरी में कराए जा सकते हैं? यह एक महत्त्वपूर्ण सवाल है, क्योंकि पूरे देश को नया जनादेश देना है। हालांकि सरकार और भाजपा के भीतरी संकेत ऐसे नहीं हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी कई बार दोहरा चुके हैं कि वह जनादेश का सम्मान करते हैं, लिहाजा वह पूरी अवधि तक प्रशासन में रहेंगे और चुनाव तय वक्त पर ही कराए जाएंगे, लेकिन विपक्ष के बड़े नेताओं में नीतीश कुमार और ममता बनर्जी ने मध्यावधि चुनाव की आशंका जताई है। दोनों क्रमशः बिहार और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हैं। खुफिया सूचनाएं उन तक भी पहुंचती हैं। दोनों नेताओं ने 'इंडिया' गठबंधन को जल्द ही एकजुट करने और साझा रणनीति तय करने के आग्रह किए हैं। ममता बनर्जी का इतना दावा भी है कि चुनाव प्रचार के लिए, भाजपा ने हेलीकॉप्टर भी बुक कर लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की रणनीति हो सकती है कि विपक्षी गठबंधन आकार भी न लेने पाए और चुनावों का शंखनाद कर दिया जाए। विपक्षी नेताओं की दलीलें हैं कि जिस तरह मोदी सरकार ने रसोई गैस का सिलेंडर 200 रुपए सस्ता किया है और 'उज्ज्वला योजना' वालों को 400 रुपए सस्ता सिलेंडर मिलेगा। इसी के साथ यह भी घोषणा की गई है कि 75 लाख महिलाओं को 'उज्ज्वला योजना' के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन और भरा गैस सिलेंडर भी दिए जाएंगे। इससे लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। यह मोदी सरकार का ही दावा है। इन घोषणाओं को 'राखी का तोहफा' प्रचारित किया जा रहा है। बहरहाल भारत में रसोई गैस का सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों की कुल संख्या 33 करोड़ से कुछ अधिक है, लिहाजा 'उज्ज्वला' के लाभार्थियों की संख्या बेहद महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भाजपा नेतृत्व ने मध्यप्रदेश और राजस्थान में पराजित सीटों पर अभी से उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वे चुनाव प्रचार में भी जुट गए हैं। दलीलें ये भी दी जा रही हैं कि भाजपा नेतृत्व ने अपने पार्टी काडर को अलर्ट भी कर दिया है और बूथ स्तर के असंख्य कार्यकर्ताओं को गृह मंत्री अमित शाह संबोधित कर रहे हैं। उनसे फोन पर भी संवाद किए जा रहे हैं। दरअसल यह भाजपा की पुरानी रणनीति रही है कि वह चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहती है। इनसे मध्यावधि चुनाव के आसार स्पष्ट नहीं होते, लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना यह है कि जनवरी में मकर संक्रान्ति के आसपास प्रधानमंत्री मोदी को अयोध्या के भव्य राम मंदिर के एक हिस्से का उद्घाटन करना है। यहीं राम लला की मूर्तियां स्थापित की जानी हैं, लिहाजा वे प्राणवंत मानी जाएंगी। भाजपा इस संवेदनशील और आस्थामय मुद्दे को व्यापक स्तर पर भुनाना चाहेगी, लिहाजा चुनाव अप्रैल-मई के तय वक्त पर ही होंगे। दरअसल 'इंडिया' गठबंधन अभी तक एक निश्चित आकार और ताकत ग्रहण नहीं कर सका है। मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को 'इंडिया' की बैठकें होनी हैं। देखते हैं कि गठबंधन का अध्यक्ष, संयोजक तय होने के साथ-साथ सचिवालय और सीटों के बंटवारे का शुरुआती फैसला होता है अथवा नहीं। गठबंधन का साझा न्यूनतम कार्यक्रम भी बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री पद का चेहरा फिलहाल तो तय नहीं होगा, क्योंकि अपने-अपने प्रभाव के क्षेत्रों में प्रधानमंत्री पद के लिए अपने-अपने नेता के शोर मचाए जा रहे हैं। संभव है कि नीतीश और ममता चुनाव का हव्वा खड़ा कर दबाव देने की कोशिश कर रहे हों, ताकि तमाम निर्णय जल्द हो जाएं और 'इंडिया' का साझा चुनाव प्रचार आरंभ किया जा सके। बहरहाल कारण कुछ भी हों, लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक बहस छिड़ गई है कि क्या मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं। ऐसे चुनाव कोई अभूतपूर्व और अप्रत्याशित नहीं होते, क्योंकि 1971, 1980, 1984, 1991, 1998, 1999 और 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री विभिन्न कारणों से मध्यावधि चुनाव करा चुके हैं। उनकी जीत भी हुई और उनके दल पराजित भी हुए। बहरहाल मौजूदा परिदृश्य बिल्कुल भिन्न है। हम सरकार के निर्णय पर निगाहें रखे रहेंगे। जहां तक विपक्षी गठबंधन में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों का सवाल है, इस विषय में अभी वहां एकता नहीं हो पाई है। कोई कह रहा है कि अरविंद केजरीवाल को पीएम बनाना चाहिए, कोई राहुल गांधी को बनाना चाहता है, तो कोई ममता अथवा नीतीश का नाम भी ले रहा है।

> विपक्षी नेताओं की दलीलें हैं कि जिस तरह मोदी सरकार ने रसोई गैस का सिलेंडर 200 रुपए सस्ता किया है और 'उज्ज्वला योजना' वालों को 400 रुपए सस्ता सिलेंडर मिलेगा। इसी के साथ यह भी घोषणा की गई है कि 75 लाख महिलाओं को 'उज्ज्वला योजना' के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन और भरा गैस सिलेंडर भी दिए जाएंगे। इससे लाभार्थियों की कुल संख्या 10 .35 करोड़ हो जाएगी। यह मोदी सरकार का ही दावा है। इन घोषणाओं को 'राखी का तोहफा' प्रचारित किया जा रहा है। बहरहाल भारत में रसोई गैस का सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों की कुल संख्या 33 करोड़ से कुछ अधिक है, लिहाजा 'उज्ज्वला' के लाभार्थियों की संख्या बेहद महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भाजपा नेतृत्व ने मध्यप्रदेश और राजस्थान में पराजित सीटों पर अभी से उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वे चुनाव प्रचार में भी जुट गए हैं। दलीलें ये भी दी जा रही हैं कि भाजपा नेतृत्व ने अपने पार्टी काडर को अलर्ट भी कर दिया है और बूथ स्तर के असंख्य कार्यकर्ताओं को गृह मंत्री अमित शाह संबोधित कर रहे हैं।

कुछ अलग

दोषी है आंगन का पेड़

इन पेड़ों के पक्ष में बहुत कुछ है, लेकिन ऐसे फैसलों की जद में आम हिमाचली के जीवन की मुश्किलें समझी नहीं जातीं। आपदा से राहत ढूंढ रहा हिमाचल ऐसी सख्तियां परवान चढ़ा रहा है, जो सामान्य लोगों के लिए किसी आफत से कम नहीं। अहम फैसलों में कई स्टोन क्रशर बंद कर दिए गए हैं। पर्यावरणीय लिहाज से ऐसे फैसलों की गूंज से सकारात्मक शाबाशियां मिल जाएं, लेकिन क्या विज्ञान की दृष्टि से यह सामाजिक न्याय की एकमात्र छड़ी है। कुछ इसी तरह पर्यावरण संरक्षण का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करने के लिए छह प्रजातियों के पेड़ कटान पर रोक लगा दी है। अब आपके घर का आम वन विभाग की टोकरी में होगा, तो त्रियांबल, तुनी, पदम व रीठा भी घर के मालिकाना हक से कहीं अधिक जंगलात की अनुमतियों की पैदाइश करेगा। पर्यावरण संबंधी और भी कई फैसले हिमाचल की जीवनशैली में नश्तर की तरह खड़े रहते हैं, लेकिन इनसान से पेड़ों का रिश्ता घटा क्यों, इसकी चर्चा नहीं होती। किसी ने आज तक यह विश£षण नहीं किया कि हिमाचल के नागरिकों को वन संरक्षण के बदले मिलता क्या है। आज से पचास साल पहले की वास्तुकला को देखें, तो हिमाचल उस स्तर तक लकड़ी का इस्तेमाल कर ही नहीं सकता। हम मजबूरन ऐसी इमारतें बना रहे हैं जिनकी बनावट में कम से कम लकड़ी का प्रयोग और अधिकतम स्टील, प्लास्टिक या एलयूमीनियम को खपाया जा रहा है। कभी धज्जी निर्माण शैली से घर बनते थे, लेकिन आज चाहकर भी कोई इसे अपना नहीं सकता। क्या हिमाचल की भौगोलिक परिस्थिति में परंपरागत नींव के पत्थर आज की स्थिति में उपलब्ध हो सकते हैं। पहले खड्ड या दरियाओं को छान कर भवन निर्माण की सामग्री उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन आज घर का निर्माण एक ऐसी गणना है, जो हिमाचल के बूते पूरी नहीं होती। बेशक हम सत्तर फीसदी जमीन पर जंगल उगाते हैं, लेकिन घर की छांव के लिए बाजार में उपलब्ध आयातित इमारती लकड़ी या वैकल्पिक सामग्री का इस्तेमाल करना हमारी मजबूरी है। बस्तियों में जंगल घुस सकता है, लेकिन बस्ती को जंगल की तरफ देखने की मनाही है। हिमाचल में घर बनाना एक अपराध की तरह विभिन्न विभागों के चक्कर काट रहा है। ऐसा कोई विभाग नहीं, जो जनता की मांग पर ऐसी भूमि की शिनाख्त कर सके। शहरी विकास विभाग या इसकी किसी एजेंसी ने मांग के आधार पर कोई नया शहर नहीं बसाया। करीब एक दशक पूर्व हिमुडा ने आवासीय मांग पर घर का सपना दिखाया, लेकिन पचहत्तर हजार के करीब आए आवेदन आज भी भ्रमित हैं। राजस्व रिकार्ड में टुकड़ों में बंटी जमीन का सौदा हो जाए, तो निर्माण की पैमाइश में बिजली या पेयजल की आपूर्ति के लिए युद्धरत माहौल कोर्ट कचहरी में बूढ़ा कर देता है। क्या कभी अंदाजा लगाया कि अपना घरौंदा बनाने की ख्वाहिश ने कितने लोगों को कानूनों की जिरह में फंसा दिया है। इस पर तुर्रा यह कि अगर कोई पुश्तैनी टुकड़ा मिल भी जाए, तो 16 प्रजातियों के पेड़ इतनी निगरानी तो कर ही लेंगे कि किसी का घर एक जन्म में पूरा न हो। बेशक आपदा के वर्तमान दौर ने बहुत कुछ छीन लिया, लेकिन क्या हम हिमाचली जनता की मांग और आपूर्ति में वन विभाग को न्यायाधीश बना कर न्याय कर रहे हैं।

भारत दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग की है

चांद पर पानी की मौजूदगी अंतरिक्ष मिशनों के लिए साबित होगी वरदान

सुनील कुमार महला

> धरती तो धरती आज मनुष्य चांद पर लगातार पानी तलाश रहा है ताकि चांद पर भी भविष्य में पृथ्वी ग्रह की भांति ही जीवन संभव हो सके। हाल फिलहाल, पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि चंद्रयान-3 मिशन से पहले जब भारत ने चंद्रयान-1 भेजा था, उस समय भारत ने यह जानकारी हासिल कर ली थी कि चांद पर पानी हो सकता है। वास्तव में चंद्रयान मिशन -1 के दौरान चंद्रयान ने चांद पर बर्फ होने की बात कही थी, और उसके बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी इसके आधार पर चांद पर पानी होने की पुष्टि की थी। पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा चंद्रयान-1 मिशन को वर्ष 22 अक्टूबर वर्ष 2008 में लांच किया था।

पानी इस जीव-जगत व वनस्पति जगत की प्रथम और मूलभूत आवश्यकता है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है और यही कारण है कि कहा गया है कि 'जल ही जीवन है।' धरती तो धरती आज मनुष्य चांद पर लगातार पानी तलाश रहा है ताकि चांद पर भी भविष्य में पृथ्वी ग्रह की भांति ही जीवन संभव हो सके। हाल फिलहाल, पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि चंद्रयान-3 मिशन से पहले जब भारत ने चंद्रयान-1 भेजा था, उस समय भारत ने यह जानकारी हासिल कर ली थी कि चांद पर पानी हो सकता है। वास्तव में चंद्रयान मिशन -1 के दौरान चंद्रयान ने चांद पर बर्फ होने की बात कही थी, और उसके बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी इसके आधार पर चांद पर पानी होने की पुष्टि की थी। पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा चंद्रयान-1 मिशन को वर्ष 22 अक्टूबर वर्ष 2008 में लांच किया था। वास्तव में, चन्द्रयान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम के अंतर्गत द्वारा चंद्रमा की तरफ कूच करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष यान था। यह एक मानवरहित मिशन था तथा यह 30 अगस्त, 2009 तक सक्रिय रहा था। हाल ही में भारत के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के वैज्ञानिकों ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 को उतारकर दुनिया को यह दिखा दिया कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में उसका कोई सानी नहीं है। यह हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत, लग्न व निष्ठा का परिचायक है जिन्होंने बहुत कम लागत में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपने यान को उतार कर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। सच तो यह है कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान जगत में एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इतना ही नहीं, भारत ने दक्षिणी ध्रुव पर जाने को लेकर उत्सुक पूरी दुनिया की अंतरिक्ष एजेंसियों को भी पछाड़ दिया। पाठकों को यह जानना रूचिकर होगा कि चंद्रयान- 3 की कुल लागत लगभग 615 करोड़ रुपये है। इसमें लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल की लागत लगभग 215 करोड़ रुपये है। लॉन्च की लागत 365 करोड़ रुपये होने का अनुमान जताया गया था। जबकि, दुनिया के अन्य चंद्रमिशनों से इसकी तुलना की जाए तो रूसी अंतरिक्ष यान लूना-25 की कीमत लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कि भारत के चांद मिशन से कहीं ज्यादा है, बावजूद इसके रूस का मिशन फेल भी हो गया। वर्तमान में भारत दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग की है। यह भी उल्लेखनीय है कि चांद पर उतरने वाला भारत विश्व का चौथा देश है। जानकारी देना चाहूंगा कि इस सूची में अमरीका, चीन

और सोवियत संघ शामिल हैं। अब भारत भी इसमें शामिल हो चुका है। अब यहां प्रश्न यह उठता है कि वैज्ञानिकों की चांद के दक्षिणी ध्रुव में ही इतनी रूचि क्यों है जबकि वहां पहुंचना किसी हरक्यूलियन टास्क से कम नहीं है? तो इस संबंध में पाठकों को बताना चाहूंगा कि वैज्ञानिक यह बात जानते हैं कि इस क्षेत्र में(चांद के दक्षिणी ध्रुव पर) बर्फ के रूप में पानी की मौजूदगी है।बीबीसी की एक रिपोर्ट कहती है कि 14 वर्षों से चंद्रमा का परिक्रमा कर रहे नासा के अंतरिक्ष यान लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर की ओर से इकट्ठा किए गए डेटा से पता चलता है कि स्थायी रूप से छाया वाले कुछ बड़े गड्ढों में वॉटर आइस (पानी की बर्फ) मौजूद है, जो संभावित रूप से जीवन को बनाए रख सकती है। यह भी एक तथ्य है कि वैक्यूम के कारण चांद पर पानी ठोस या वाष्प के रूप में मौजूद है।वैज्ञानिकों का यह मानना है कि सूर्य की रेडिएशन से अछूता जमा हुआ पानी लाखों वर्षों से ठंडे ध्रवीय क्षेत्रों में जमा हो गया होगा, जिससे सतह पर या उसके पास बर्फ जमा हो गई होगी। वैसे, यह भी एक तथ्य है कि वायुमंडल बनाने के लिए चंद्रमा के पास पर्याप्त गुरुत्वाकर्षण नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी यूनिवर्सिटी ऑफ नोट्रे डेम में ग्रहीय भूविज्ञान के प्रोफेसर क्लाइव नील कहते हैं कि अभी यह सिद्ध होना बाकी है कि पानी की बर्फ पहुंच में है या खनन करके उस तक पहुंचा जा सकता है, दूसरे शब्दों में क्या वहां पानी के ऐसे भंडार हैं, जिन्हें आर्थिक रूप से निकाला जा सकता है? बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि पानी जीवन के लिए आवश्यक तत्व है। पानी के अन्य उपयोग भी हैं। उदाहरण के लिए, यह यान के विभिन्न उपकरणों के लिए एक शीतलक के रूप में कार्य कर सकता है और यहां तक कि रॉकेट ईंधन भी प्रदान कर सकता है। दरअसल, पानी के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन परमाणुओं में तोड़ा जा सकता है और दोनों का इस्तेमाल रॉकेट दागने के लिए प्रणोदक के रूप में किया जा सकता है। चांद पर उपलब्ध पानी(बर्फ की सिल्लियों के रूप में) मंगल ग्रह पर जाने वाले यानों के काम आ सकता है, क्यों कि चांद को भविष्य में एक अंतरिक्ष अड्डे के रूप में विकसित किया जा सकता है।वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि चंद्रमा पर इतने गहरे गड्ढे भी हैं, जहां अरबों वर्षों से सूरज की रोशनी नहीं पहुंची है और इन क्षेत्रों में तापमान आश्चर्यजनक रूप से माइनस 248 डिग्री सेल्सियस (-414 फारेनहाइट) तक गिर जाता है। यहां चंद्रमा की सतह को गर्म करने वाला कोई वातावरण नहीं है। चंद्रमा की इस पूरी तरह अज्ञात दुनिया में किसी भी इंसान ने कदम नहीं रखा है और नासा के मुताबिक, चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव रहस्य, विज्ञान और उत्सुकता से भरा है। हाल फिलहाल चांद पर पानी की मौजूदगी के बारे में विश्व के विकसित देश बहुत ही ज्यादा उत्सुक हैं। आज यूरोप, रूस और अमरीका और चीन की अंतरिक्ष एजेंसियां चांद पर पहुंचना चाहती हैं क्योंकि चांद पर पृथ्वी की भांति एक कॉलोनी बनाने की संभावना दिखती है और आने वाले समय में मंगल पर जाने के लिए भी चांद एक अहम स्थान या स्टेशन के रूप में विकसित हो सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1960 के दशक में चांद पर अमरीकी यान अपोलो के उतरने से पहले ही वैज्ञानिकों ने संभावना जाहिर कर दी थी कि चांद पर पानी हो सकता है, लेकिन 1960-70 के दशक में अपोलो अभियान के जरिए चांद से मिट्टी के जो नमूने लाए गए थे, वे सब सूखे थे और उनमें पानी नहीं था। इसके बाद, वर्ष 2008 में ब्राउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने उन नमूनों का आधुनिक तकनीक से दुबारा गहन विश्लेषण और अध्ययन किया तो यह पाया गया कि उसमें हाइड्रोजन की मौजूदगी थी। वास्तव में यह हाइड्रोजन ज्वालामुखी की राख में चमकदार शीशों के भीतर मिली थी। इसके बाद भारत ने वर्ष 2008-09 में चांद पर पानी की मौजूदगी बताई। वर्ष 2009 में नासा ने भी एक अन्य अभियान चांद पर भेजा जो चांद के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरा, लेकिन उसने ऊपर से तस्वीरें ले लीं और उस अभियान ने चांद की सतह के नीचे बर्फ का पता लगाया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 1998 में नासा का लुनार प्रॉस्पेक्टर भी चांद का चक्कर लगाते हुए दक्षिणी ध्रुव पर छाया में छिपे गड्ढों में बर्फ की जानकारी जुटा चुका था। हाल फिलहाल चंद्रयान-3 चांद की सतह पर उतर सफलतापूर्वक लैंड कर गया है, अब उम्मीद जताई जा सकती है कि चंद्रयान पानी के बारे में और भी सबूत खोज सकता है। यदि भारत इस बार फिर चांद पर पानी को लेकर कोई खुलासा करता है तो दुनिया भारत की इस रिसर्च का निश्चित रूप से अनुशरण करेगा, क्यों कि चांद को अब एक कालोनी के रूप में विकसित करने की ओर संपूर्ण विश्व की नजरें हैं।

चिकित्सा विज्ञान की खूबियां-खामियां

> हमारे चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी असफलता यह है कि यह भावनात्मक घावों को समझने और ठीक कर पाने में पूरी तरह से असफल है। दावा चाहे कुछ भी किया जाए, कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर के इलाज तक ही सीमित है। कोई भी प्रणाली मन का पूरा और सही-सही इलाज कर पाने में पूरी तरह से विफल है और उसके लिए आध्यात्मिक उपचार के अलावा और कोई साधन है ही नहीं। अब समय आ गया है कि हम अपने ज्ञान के अहंकार को छोड़कर आध्यात्मिक उपचार का महत्व समझें, और जहां जरूरत हो इसका उपयोग करके रोगी को सम्यक सेहत का उपहार दें।

आधुनिक समय में चिकित्सा विज्ञान ने बहुत प्रगति की है और तकनीक तथा अनुभव के मेल से चिकित्सा जगत से जुड़े लोग लाखों-करोड़ों मरीजों को जीवनदान दे रहे हैं। चिकित्सा जगत के शोध हमें नई राह दिखाते हैं और जीवन कुछ और आसान हो जाता है। आइए, चिकित्सा विज्ञान में हुए शोध की कुछ मुख्य बातों को समझने की कोशिश करते हैं। चिकित्सा विज्ञान मानता है कि हमारा शरीर एक सुपर कंप्यूटर है और अस्सी प्रतिशत बीमारियों को ये खुद ही ठीक कर सकता है, बिना किसी दवाई के। वस्तुतः आयुर्वेद तो यह भी कहता है, और जिसे अनुभव ने सिद्ध भी किया है, कि आम बुखार और सिरदर्द जैसी बीमारियां, जिन्हें हम बीमारी मानते हैं, बीमारी हैं ही नहीं बल्कि ये शरीर की किसी अन्य खराबी का संदेश देते हैं। ये सिर्फ संदेशवाहक हैं और दवाई लेकर हम इन संदेशवाहकों को चुप करवा देते हैं, उनका संदेश सुनते ही नहीं और असल रोग ठीक होने के बजाय अंदर ही अंदर पनपता चलता है जो बाद में कहीं ज्यादा कष्टप्रद रोग के रूप में सामने आता है। चिकित्सा विज्ञान यह मानता है कि बुखार को यदि बर्दाश्त करके खाने-पीने में उचित परहेज कर लिया जाए तो बुखार दो-तीन दिन में खुद ही ठीक हो जाता है और बुखार के कारण शरीर के अंदर जमा गंदगी को बाहर निकलने का रास्ता मिल जाता है, जिससे हम आने वाली बड़ी कठिनाई से मुक्ति पा लेते हैं। चिकित्सा विज्ञान यह भी स्वीकार करता है कि अस्सी प्रतिशत बीमारियां ऐसी हैं जिन्हें विज्ञान सेल्फ लिमिटिंग डिसीजिज मानता है, यानी ये बीमारियां ऐसी हैं जो ज्यादा बिगड़ती नहीं हैं, अतः इनके इलाज के लिए दवाई की नहीं बल्कि धीरज, आराम और परहेज की जरूरत होती है। दवाई लेकर तो हम दरअसल बीमारी को और बढ़ाते हैं क्योंकि दवाई से बुखार दब जाता है और शरीर को अपनी सफाई का मौका नहीं मिल पाता। चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह स्वीकार करना है कि अस्सी प्रतिशत बीमारियों का कारण हमारी भावनाओं से जुड़ा है। बचपन में या बाद में कभी भी निरंतर अपमान सहने, मारपीट सहने, चिढ़ाए जाने आदि के बाद उसका प्रतिकार न कर पाने के कारण अगर हम खुद को बेबस पायें तो हमारे मन को जो चोट लगती है वह हमारे अवचेतन मन में गहरे बैठ जाती है और उससे उपजी आत्मग्लानि, जीवन में किसी न किसी रोग के रूप में सामने आती है। लेकिन यही शोध चिकित्सा विज्ञान की एक बड़ी असफलता की ओर भी इशारा करता है। चिकित्सा विज्ञान की कोई भी प्रणाली भावनात्मक घावों को समझने और ठीक कर पाने में पूरी तरह से असमर्थ है। दावा चाहे कुछ भी किया जाए, एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद या विश्व में प्रचलित अन्य वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियां, कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर के इलाज तक ही सीमित है। उच्च शिक्षित मनोचिकित्सक भी मन में छुपे घावों का सही इलाज कर ही पायें, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यही वह मुकाम है जहां आकर हमें आध्यात्मिक उपचार की महत्ता समझ में आती है, पर हम आध्यात्मिक उपचार की बात करें, उससे पहले चिकित्सा विज्ञान की कुछ और मान्यताओं पर भी बात कर लेना उपयोगी होगा। हम जानते ही हैं कि हमारी भावनाओं का हमारी सेहत से गहरा रिश्ता है, और प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्लैसीबो इफैक्ट भी दवाई की तरह काम करता है, यानी, अगर किसी रोगी को यह कहा जाए कि उसे दवाई दी जा रही है और दवाई की जगह सादा पानी, चीनी या नमक, या कुछ भी ऐसा दे दिया जाए, तो भी रोगी इस तसल्ली से ही ठीक होना शुरू हो जाता है कि उसे रोग की दवाई मिल गई। इसी तरह यह भी सिद्ध हो चुका है कि यदि रोगी के आसपास के वातावरण को खुशनुमा बना दिया जाए, रोगी के मन में आशा का संचार किया जाए, तो बहुत संभव है कि रोगी अपने किसी अत्यंत गंभीर रोग से भी उबर जाए, जल्दी ठीक होना शुरू हो जाए, तेजी से ठीक होना शुरू हो जाए, या उसकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाए और वह डाक्टरों की उम्मीद से कहीं ज्यादा लंबा जीवन जीने के काबिल हो जाए। इसके विपरीत यदि किसी रोगी को डाक्टर ये बताए कि उसका रोग इतना गंभीर है कि वह कुछ ही महीनों का मेहमान है, तो यह बाकायदा संभव है कि उसकी मानसिक निराशा के कारण उसकी शारीरिक हालत और बिगड़ जाए और वह रोगी अपने समय से बहुत पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाए। एक बड़ा सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की अब तक की प्रगति के बावजूद, यह स्वयंसिद्ध है कि चिकित्सा की कोई एक प्रणाली शत-प्रतिशत सफल नहीं है, अतः किसी डाक्टर, वैद्य, हकीम, प्राकृतिक चिकित्सक या वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक को एक से अधिक चिकित्सा प्रणालियों में महारत हासिल है तो रोगी को उससे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना सबसे ज्यादा है, और यदि इनमें से कोई भी आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली का भी पोषक हो तो उसकी महारत का स्तर कई गुणा बढ़ जाता है। कारण यह है कि चिकित्सा विज्ञान की पहुंच सिर्फ शरीर तक है जबकि अधिकांश बीमारियों का कारण मानसिक है और एक सीमा के बाद पारंपरिक मनोचिकित्सक भी बेबस हो जाते हैं, लेकिन अगर उनकी शिक्षा के साथ आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली का ज्ञान भी शामिल हो जाए तो सोने पर सुहागा जैसी स्थिति हो जाती है क्योंकि पारंपरिक चिकित्सा शिक्षा शरीर की कार्यप्रणाली की जानकारी देती है और आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली एक चिकित्सक के लिए रोगी के अवचेतन मन का दरवाजा खोल देती है।

दृष्टिकोण

एक उधड़े कोट की मरम्मत

प्रिय मित्रो, हमें लगता है अब इस नये जमाने में आपको अपनी पुरानी सोच का परित्याग करना पड़ेगा। जो कल अच्छा था वह अब समय बीतने के साथ बोसीदा हो गया है। अब इसे सुधारने का प्रयास करोगे, तो ऐसे लगेगा कि जैसे आप अपने उधड़े हुए कोट के बखिये मरम्मत करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस मरम्मत को क्या कहें? एक ओर से बखिया सीते हैं तो दूसरी ओर से उधड़ जाता है। क्यों न जो कोट इन सदियों जैसे बरसों से हम पर लदा है और हमें फटीचर हो जाने का एहसास करवा रहा है, जी हां, क्यों न इसे उठा कर एक ओर फेंक दिया जाए और इसकी जगह एक बिल्कुल नया कोट पहन लिया जाए।

माशा अल्लाह। बात देश के अस्सी प्रतिशत लोगों की गरीबी या उनकी बढ़ती महंगाई की मार या उन पर लदे बेकारी के बढ़ते बोझ को घटाने की हो रही थी, और आप फटे पुराने कोट की उधडऩ सीने की जगह नये कोट की तलाश में चल दिये। अजी हम कहां चले हैं? यह बेनूर आंखें और बेसहारा कदम ही नई जिंदगी की तलाश में भटक कर हमें बताते हैं कि अरे, पुराने फटे कोटों की उधडऩ को रो रहे हो, अपनी मैली कमीज और फटी बनियान की फिक्र करो। कहीं वह भी नदारद न हो जाये। क्योंकि इसकी मौजूदा हालत में तो इसे कोई गिरवी रख कर भी आपको एक जून पेट भरने का वसीला देने से रहा।

बहुत बरस पहले जब इस देश में आजादी के चिराग जले थे, तब देश के मसीहाओं ने फैसला किया था कि सरकारी उद्यम और निवेश, और लाला लोगों का निजी व्यापार-धंधा आपस में गलबहियां डाल कर चलेगा। जीवन की भीख मांगते पिछड़े लोगों का खाली ओसारा सरकारी क्षेत्र अपने लाभ की परवाह किये बगैर जनकल्याण से भरेगा।

ऊंची अटारियों वाला निजी क्षेत्र बढ़ते लाभ की पताका फहराने की धुन में देश को प्रगति की ऐसी दौड़ देगा कि ये अटारियां चाहे और कितनी ऊंची हो जाएं, इनकी खिड़कियों से गिरता दाव सौगात बन वंचितों के नंगे कंधों पर नया कोट बन कर लद सकेगा। जनाब फिर साल दर साल पंचवर्षीय योजना बन कर गुजरते गये। निजी क्षेत्र की अटारियां रूप बदल कर बहुमंजिले मॉल-प्लाजा बन गये। गरीब के कन्धों का वह एहसास भी खत्म हो गया कि उसके कन्धों पर कोई फटा हुआ कोट कभी रहा है। रफूगर किस उधड़ी हुई सीन को सिये? वहां तो कोई कोट ही नहीं रहा। हां, बाबूडम की रियासत जरूर बन गई। सरकारी उद्यम की कारगुजारी और उसके द्वारा फहरायी जाने वाली कल्याण पताका एक ऐसी कटी पतंग बनी, जो उनकी बस्तियों के ऊपर से गुजरती हुई डिजिटल तरंगों में उलझ कर रह गई। क्या करें इस बीच जमाना कयामत की चाल चल गया। आनलाइन हो गया।

लेकिन उसका परिसर लकदक बस्तियों की सीमायें न लांघ पाया। शेष देश इतने बरसों रोटी, कपड़ा और मकान वाले अच्छे दिनों का इंतजार कर रहा था, वह आनलाइन हो सकने की चाहत के साथ स्मार्ट फोन बंटने की खैराती कतार में लग गया। लीजिये, ऐसी प्रगति न घर की रही न घाट की। 'आनलाइन' होकर डिजिटल हो जाने का नया कंगूरा क्या छूते? यहां तो 'ऑफ लाइन' की पटरी से भी उतर गये। अभी बड़े लोगों के नये चिन्तन ने एक पैगाम दे दिया। आक्सफैम के सर्वेक्षण आंकड़ों पर मत जाओ कि महामारी के सैलाब में दस प्रतिशत अरबपति तो खरबपति हो गए, और नब्बे प्रतिशत अपने पुराने तार-तार हो गए कोटों के लिए रफूगर तलाश रहे हैं। लेकिन इनको मंदी लग गयी है।

जब उनके लिए नये कपड़े ही नहीं बिकेंगे, तो रफूगर चौराहों पर जमा भिखारी ब्रिगेड में शामिल होकर अपने लिए रोटी तलाशने का नया धंधा न अपना लें तो क्या करें।

देश दुनीया से

प्रदेश का दर्द राष्ट्रीय आपदा क्यों नहीं?

हिमाचल प्रदेश अपने अस्तित्व में आने के बाद धीरे-धीरे हर क्षेत्र में आगे बढ़ ही रहा था कि वर्ष 2023 की जुलाई-अगस्त माह की प्रलयंकारी बारिश ने प्रदेश के लोगों व प्रदेश के विकास की कमर ही तोड़ दी। प्रकृति का ऐसा रौद्र रूप आज तक किसी प्रदेशवासी ने नहीं देखा होगा। बारिश बाढ़ बनकर ही बरसने लगी है। अचानक मौसम व पर्यावरण में हुए बदलावों को गहराई से समझने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश आर्थिक रूप से इतना सुदृढ़ राज्य नहीं है। खेती व बागवानी ही लोगों की आर्थिकी के प्रमुख साधन हैं। आज प्रदेश के आपदाग्रस्त लोगों को हर तरफ से संबल प्रदान करने की आवश्यकता है। लगता है कि हिमाचल प्रदेश विकास में कम से कम 10 से 15 वर्ष पीछे पहुंच गया है। अगस्त का प्रलयंकारी माह सैंकड़ों लोगों की जानें लील गया। मृतकों का आंकड़ा 400 तक पहुंचने लगा है। सैंकड़ों मकान, सरकारी भवन व सरकारी विद्यालय जमींदोज हो गए हैं। लोग बेघर व बेबस नजर आ रहे हैं। जमीनें पिघलती हुई नजर आ रही हैं। बागीचे भयंकर तबाही के चलते धरा से अदृश्य होने लगे हैं। जन संपर्क मार्ग भारी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तो कहीं अवरुद्ध पड़े हैं। बिजली-पानी जैसी मूलभूत जरूरतें लोगों के जीवन की विकटता बनती जा रही हैं। स्वास्थ्य सुविधाएं भी सडक़ संपर्क अवरोधों के चलते दुर्लभ हो रही हैं। दूरसंचार व्यवस्था चरमराने लगी है। मैदानी इलाके पूर्णतया जलमग्न होने लगे हैं। फसलें तबाह हो चुकी हैं। प्रदेश के लोगों का पशुधन व गौशालाएं काल का ग्रास बन रही हैं। अब तो प्रदेश के लोग रात को सोने से भी कतराने लगे हैं कि न जाने कब यह बारिश कोई आफत लेकर आ जाए। खैर, स्वाभाविक है कि प्रकृति के इस तांडव से भविष्य में मानव जाति कुछ सीख तो अवश्य लेगी और पूर्व में हुई गलतियों को नहीं दोहराना चाहेगी। पिछले 40-50 वर्षों से स्थानीय नाले व खड्डें सूखने के कगार पर आ गए थे और लोगों की हिम्मत भी खड्डों व नालों के बहुत समीप और कई जगह अतिक्रमण के चलते नदियों के किनारे व नालों-खड्डों में मकान बनाने का प्रचलन भी बन गया था। आज इसी सोच के चलते कई जानों व मकानों का जल प्रवाह हो गया। जमीन में पानी की नमी इतनी ज्यादा हो गई कि अपने ऊपर मकानों के ज्यादा वजन को सहने की क्षमता क्षीण होने लगी है। सडक़, मकान व शहरों में पानी की निकासी की व्यवस्था गायब ही है, जो पानी निकासी के चलते नदी-नालों व खड्डों में तुरंत पहुंच जाता था। आज हर जगह जमीन में भी अवशोषित हो रहा है। यह बरसात मनुष्य को बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर गई। आपदा की सच्चाई कुछ भी हो, हर तरह के नुकसान से हिमाचल प्रदेश में आपदा का स्तर बहुत बड़ा हो गया है। इसलिए इसे अविलंब राष्ट्रीय आपदा घोषित कर विशेष आर्थिक सहायता प्रदान करना लाजिमी है। इस दिशा में बेवजह देरी ठीक नहीं होगी। इस त्रासदी में कईयों की जानें बचाई जा सकती हैं, यदि राहत व पुनर्वास कार्यों को जल्द ही गति मिल सके। राष्ट्रीय आपदा के कोई भी व्यापक मानदंड स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं। इंडिया टीवी एक्सप्लेनर के अनुसार दसवें वित्त आयोग में जब राज्य की एक-तिहाई आबादी प्रभावित होती है, तब आपदा की दुर्लभ गंभीरता को राष्ट्रीय आपदा कहा जाता है, मगर दिसंबर 2005 में देश में आपदा से निपटने के लिए देशव्यापी कानून पास हुआ जिसमें किसी भी इलाके में प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से दुर्घटना या उपेक्षा की वजह से आई ऐसी कोई महाविपत्ति, अतिष्ट तबाही आदि जिसमें मानव जीवन को हानि या संपत्ति को भारी नुकसान और विनाश या पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचे और ये इतने बड़े पैमाने पर हो जिससे स्थानीय समुदाय के लिए निपटना संभव न हो, वो आपदा होगी।

> हिमाचल प्रदेश आर्थिक रूप से इतना सुदृढ़ राज्य नहीं है। खेती व बागवानी ही लोगों की आर्थिकी के प्रमुख साधन हैं। आज प्रदेश के आपदाग्रस्त लोगों को हर तरफ से संबल प्रदान करने की आवश्यकता है। लगता है कि हिमाचल प्रदेश विकास में कम से कम 10 से 15 वर्ष पीछे पहुंच गया है। अगस्त का प्रलयंकारी माह सैंकड़ों लोगों की जानें लील गया। मृतकों का आंकड़ा 400 तक पहुंचने लगा है। सैंकड़ों मकान, सरकारी भवन व सरकारी विद्यालय जमींदोज हो गए हैं। लोग बेघर व बेबस नजर आ रहे हैं। जमीनें पिघलती हुई नजर आ रही हैं। बागीचे भयंकर तबाही के चलते धरा से अदृश्य होने लगे हैं। जन संपर्क मार्ग भारी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तो कहीं अवरुद्ध पड़े हैं।

जापानी पीएम ने खाई फुकुशिमा की मछली : कहा- ये सुरक्षित और स्वादिष्ट रेडियोएक्टिव पानी के डर से चीन ने लगाई सी-फूड इम्पोर्ट पर पाबंदी

टोक्यो।

जापान फुकुशिमा के न्यूक्लियर पावर प्लांट में 12 साल से जमा रेडियोएक्टिव पानी छोड़ना शुरू कर चुका है। इस पर चीन और हांगकांग ने फुकुशिमा के सी फूड को असुरक्षित बताते हुए उस पर पाबंदियां लगा दी हैं। इसका जवाब देते हुए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने फुकुशिमा की मछली खाई। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मछली खाते हुए उनका वीडियो शेयर किया है। किशिदा ने कहा- ये मछली काफी स्वादिष्ट और सुरक्षित है। वीडियो में उनके साथ कई मंत्री भी फुकुशिमा की मछली खाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो का मकसद ये साबित करना है कि रेडियोएक्टिव पानी का फुकुशिमा के सी फूड पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा है।

जापान के दूतावास पर अंडे फेंके - जापान लगातार इस बात का दावा कर रहा है कि वो जिस 133 करोड़ लीटर रेडियो एक्टिव पानी को प्रशांत महासागर में छोड़ रहा है उससे दुनिया को कोई खतरा नहीं है। हालांकि, चीन में रेडियोएक्टिव पानी को लेकर जापान के लोगों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। हाल ही में कुछ लोगों ने चीन में जापान के दूतावास पर अंडे और ईंटें फेंकी। जापान का कहना है कि समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी रिलीज करने के प्लान को ह्न की एटॉमिक एजेंसी अप्रूव कर चुकी है। रेडियोएक्टिव मटेरियल को रिलीज करने के लिए प्रोसेस पूरी करनी पड़ती है। इसे पूरा करने के बाद ही रेडियोएक्टिव पानी को समुद्र में छोड़ा जा रहा है। एक हजार टैंक्स से रखे पानी को एक साथ नहीं, बल्कि 30 साल तक रिलीज किया जाएगा। रोज 5 लाख लीटर रेडियोएक्टिव पानी समुद्र में मिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि समुद्र में इसका असर कम हो। फिलहाल जिस इलाके में पानी छोड़ा जाएगा वहां से 3 किलोमीटर तक के इलाके में मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई है।

रेडियोएक्टिव पानी पर वैज्ञानिकों की राय अलग-अलग - एक वैज्ञानिक रिचमोंड ने साइंस के मुद्दों को कवर करने वाली वेबसाइट नेचर को बताया कि 3 किलोमीटर के दायरे में मछली पकड़ने पर रोक लगाने से कुछ नहीं होगा। इसकी वजह समुद्री जीवों का लंबी दूरी तय करना है। इस इलाके की मछलियों को दूसरी बड़ी मछलियां खाएंगी जो समुद्र में दूर तक जाती हैं। अगर ये मछलियां सी फूड कंपनियों के जरिए आम लोगों तक पहुंचेंगी तो रेडियोएक्टिव पार्टिकल्स इंसान के शरीर में आसानी से जा सकते हैं। रिचमोंड के मुताबिक इस रेडियोएक्टिव पानी का असर कब तक रहेगा, इसे बता पाना काफी मुश्किल है। इसका असर लंबे समय तक भी रह सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के 4 राज्यों में इडालिया चक्रवात का कहर: 900 फ्लाइट्स कैंसिल; ये फ्लोरिडा में आया 100 साल का सबसे भयानक तूफान

वॉशिंगटन। अमेरिका के 4 राज्यों में इडालिया चक्रवात कहर बरपा रहा है। फ्लोरिडा के बिग बेंड में लैंडफॉल के बाद इस तूफान की वजह से अब तक 2 लोगों की मौत हो गई है। ये तूफान फ्लोरिडा के बाद जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना की तरफ बढ़ चुका है। इसकी वजह से जॉर्जिया और फ्लोरिडा में करीब साढ़े 4 लाख लोगों के घरों में बिजली नहीं है। इडालिया तूफान की वजह से करीब 900 फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। लैंडफॉल के वक्त चक्रवात कैटेगरी 4 से कैटेगरी 3 में आ चुका था। इसकी वजह से हवा की रफ्तार 200 किमी/घंटा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, इडालिया फ्लोरिडा के 100 साल के इतिहास का सबसे भयानक तूफान है। तूफान को देखते हुए चारों राज्यों में इमरजेंसी लगा दी गई है। चक्रवात की वजह से कई पावरलाइंस को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा कई काउंटीज में तेज हवा से स्टोर्स तबाह हो गए और कुछ बिजनेस सेटलमेंट्स में आग भी लग गई। लैंडफॉल से पहले फ्लोरिडा की 30 काउंटी में लोगों से घर छोड़ने की अपील की गई थी। करीब 55 हजार सैनिकों को राहत और बचाव कार्य के लिए तैनात किया गया था। फ्लोरिडा के गवर्नर डिसेंटिस ने बताया कि फिलहाल उनका फोकस राहत कार्य पर है। राज्य में तूफान की वजह से कितनी तबाही हुई है, इसका पूरा आंकलन किया जाना अभी बाकी है। फ्लोरिडा टैलहैसी में तूफान का असर डिसेंटिस और उनके परिवार ने भी महसूस किया।

दुनिया को देती थी फिटनेस का मंत्र, 33 साल की उम्र में इन्फ्लुएंसर को दो बार पड़ा दिल का दौरा, मौत

सल्वाडोर। ब्राजील की इन्फ्लुएंसर लारिसा बोर्गेस, जो पूरी दुनिया को फिट रहने का मंत्र देती थीं। वो खुद महज 33 साल की उम्र में जिंदगी से हार गईं। दरअसल, उनकी मौत दो बार दिल का दौरा पड़ने से हुई है। बोर्गेस ने करीब एक सप्ताह तक अस्पताल में जिंदगी के लिए जंग लड़ी और आखिरकार सोमवार को हार मान ली। परिवार ने उनकी मौत की खबर की पुष्टि की है। परिवार ने कहा कि महज 33 साल की उम्र में किसी दयालु और नेक इंसान को खोना सदमे जैसा है। हमारे दिल टूट गए हैं। हम बहुत लंबे समय तक इस क्षति को भुला नहीं सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने अपने जीवन के लिए साहसपूर्वक लड़ाई लड़ी। दरअसल, लारिसा बोर्गेस 20 अगस्त को ग्रैमाडो जाने के लिए यात्रा कर रही थीं, तभी उनको दिल का दौरा पड़ा। तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान वह कोमा में चली गई। बाद में, उन्हें फिर से दिल का दौरा पड़ा और उसके तुरंत बाद उनकी मृत्यु हो गई। फिलहाल, इन्फ्लुएंसर की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक जांच में कहा गया है कि जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा उस समय वह शायद नशे में थीं। उनके शव का पोस्टमार्टम किया गया है। डिप्टी गुस्तावो बार्सेलोस ने बताया प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आया है कि वह नशीले पदार्थ का सेवन करती थी। अधिकारी ने कहा कि शायद शराब पीने के कारण ऐसा हुआ है। आगे जांच की जा रही है।

भारत में होने वाली जी-20 बैठक से किनारा कर सकते हैं शी जिनपिंग, रिपोर्ट में दावा

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत में 9-10 सितंबर को होने वाली जी20 बैठक से किनारा कर सकते हैं। सूत्रों के हवाले यह दावा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो भारतीय अधिकारियों, चीन में एक राजनयिक और जी-20 में शामिल एक और देश के सरकारी अधिकारी ने कहा कि शी जिनपिंग की जगह जी-20 की बैठक में इस बार चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग आ सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर चीन और भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई बयान नहीं जारी किया गया है। गौरतलब है कि पहले भारत में होने वाली जी-20 बैठक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और शी जिनपिंग के बीच बातचीत के अहम मौके के तौर पर देखा जा रहा था। माना जा रहा था कि जी-20 में बैठक के बाद अमेरिका-चीन के बीच तनाव को कम करने की कोशिश की जाएगी। अभी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत न आने का कारण साफ नहीं है। चीन के आधिकारिक सूत्रों ने भी इस बारे में जानकारी से इनकार किया। उधर भारत में सरकारी अफसरों ने पुष्टि की कि उन्हें जिनपिंग की जगह चीनी प्रधानमंत्री के आने की जानकारी है।

जल्द पाकिस्तान और पॉलिटिक्स छोड़ सकते हैं इमरान

दोनों बहनों-पत्नी ने जेल में दोस्त का मैसेज पहुंचाया, ब्रिटेन-यूएस में सेटल हो सकते हैं

इस्लामाबाद/लंदन।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस वक्त जेल में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खान और फौज के बीच एक डील के लिए बातचीत चल रही है। इसके तहत खान जेल से रिहा हो सकते हैं और इसके बाद पाकिस्तान और पॉलिटिक्स दोनों छोड़ सकते हैं।

कहा जा रहा है कि पिछले दिनों इमरान की दोनों बहनों और पत्नी बुशरा ने अटक जेल में इमरान से मुलाकात के दौरान उन्हें एक मैसेज दिया। यह मैसेज एक दोस्त का था। ये दोस्त ब्रिटेन की एक ताकतवर शख्सियत है। पाकिस्तान के तीन बड़े मीडिया हाउस ने इमरान के मुल्क और सियासत छोड़ने से जुड़ी खबर पब्लिश की है।

इमरान को सरकारी खजाने (तोशाखाना) के तोहफे बेचने का दोषी पाया गया था। 5 अगस्त से वो जेल में हैं। इस केस में उन्हें जमानत मिली तो सीक्रेट लेटर चोरी केस (साइफर गेट मामला) में रिमांड पर भेज दिया गया।

तीन बड़े मीडिया हाउस की खबर - रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान खान बहुत जल्द पाकिस्तान और सियासत को अलविदा कह सकते हैं। उनके सामने इन दोनों चीजों को छोड़ने का विकल्प रखा जा रहा है। इमरान को तोशाखाना केस में तीन साल की सजा सुनाई जा चुकी है। इसके साथ ही वो पांच साल के लिए चुनाव लड़ने के अयोग्य (डिस्क्वालिफाई) भी हो चुके हैं। तोशाखाना के अलावा कम से तीन केस ऐसे हैं, जिनमें खान के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं।

इमरान खुद भी जानते हैं कि इन मामलों में उन्हें सजा होना तय है और

अगर वो डील (फौज और सरकार से) नहीं करते हैं तो बाकी उम्र उन्हें जेल में गुजारनी पड़ सकती है। यही वजह है कि इमरान भी अब डील के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस तरह की खबरें 5 अगस्त के बाद से ही वायरल हैं। पाकिस्तान के कई नामचीन यूट्यूबर भी ये बताते रहे हैं। फौज भी इमरान को मुल्क से रवानगी की मंजूरी देने पर विचार कर रही है। अगर इमरान पाकिस्तान छोड़ देते हैं तो उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को चुनाव लड़ने से नहीं रोका जाएगा। हालांकि, इमरान इस पिक्चर में कहीं नहीं होंगे। अगर खान पाकिस्तान और सियासत नहीं छोड़ते हैं तो उनकी पार्टी के कई नेताओं को इलेक्शन लड़ने से रोका जाएगा। उन्हें अलग-अलग मामलों में जेल भेज दिया जाएगा।

नवाज आएंगे, इमरान जाएंगे - शेड्यूल के मुताबिक, पाकिस्तान में नवंबर में चुनाव होने हैं। हालांकि, केयरटेकर सरकार परिसीमन, जनगणना और कई दूसरे बहाने बनाकर इन्हें अगले साल मार्च तक टालना चाहती है। इसके पहले इमरान से डील करने की कोशिशें भी जारी हैं। लग्जरी लाइफ गुजारने वाले इमरान ज्यादा वक्त जेल में नहीं रह पाएंगे। देर-सबेर वो फौज से डील कर ही लेंगे और अपनी पहली पत्नी जेमिमा गोल्ड स्मिथ (और दोनों बेटों) के पास लंदन चले जाएंगे। डील की एक शर्त ये होगी कि वो विदेश से पाकिस्तान के बारे में किसी तरह की बयानबाजी नहीं करेंगे।

दूसरी तरफ, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 15 अक्टूबर तक पाकिस्तान लौट सकते हैं। वो अपनी पार्टी की अगुआई करेंगे। उनके भाई शाहबाज शरीफ भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। नवाज तीन साल से लंदन में हैं। इमरान के मुल्क छोड़ने पर नवाज की पार्टी के लिए चुनाव जीतना काफी आसान हो जाएगा। उन्हें चैलेंज सिर्फ आसिफ अली जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी से मिलेगा।

खास बात ये है कि नवाज शरीफ ने भी फौज से डील के बाद ही पाकिस्तान छोड़ा था। इसके पहले पूर्व राष्ट्रपति और आर्मी चीफ परवेज मुशर्रफ ने भी यही किया था। बेनजीर भुट्टो भी डील के तहत ही पाकिस्तान से ब्रिटेन गई थीं।

कौन है इस डील के पीछे - इमरान पहले कह चुके हैं कि वो किसी से कोई डील नहीं करेंगे। हालांकि, रिपोर्ट्स बताती हैं कि खान भी नवाज की तरह इलाज के बहाने देश से बाहर जाएंगे और फिर नहीं लौटेंगे। कुछ यूट्यूबर मानते हैं कि खान की पत्नी बुशरा नहीं चाहतीं कि इमरान पहली पत्नी जेमिमा और बच्चों के पास लंदन जाएं।

पिछले दिनों पाकिस्तान के मशहूर जर्नलिस्ट जावेद चौधरी का एक कॉलम पब्लिश हुआ था। इसमें जावेद ने कहा था- जेमिमा के भाई ब्रिटेन और अमेरिका में ताकतवर शख्सियत हैं। वो यहूदी हैं और इन दोनों देशों में लॉबीइंग के जरिए डील की कोशिश कर रहे हैं। इनमें पाकिस्तान के एक पूर्व आर्मी चीफ उनकी मदद कर रहे हैं।

कुछ खबरों के मुताबिक इमरान ब्रिटेन के बजाय अमेरिका में सेटल होना चाहते हैं। इसकी वजह यह है कि उनका वहां पहले से कुछ कारोबार है। बहरहाल, देखना दिलचस्प होगा कि इमरान के मामले में आगे क्या होगा।

सपनों के देश से उसके लोगों का मन भर रहा

सियासी संघर्ष, हिंसा से परेशान अमेरिकी देश छोड़ यूरोप जा रहे

वाशिंगटन।

दुनिया के तमाम लोग अमेरिका जाकर बसने का सपना देखते हैं। खासकर एशिया में तो यह चलन काफी तेज है। दूसरी ओर अमेरिका के लोगों का अपने ही देश के माहौल से मन भर रहा है। वे अमेरिका छोड़कर यूरोप में जाकर बसने लगे हैं। वैसे तो अमेरिकियों का यूरोप की ओर पलायन बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहते हुए शुरू हो गया था। 2016 में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद इसमें और तेजी आ गई। अमेरिकियों के देश छोड़कर यूरोप में बसने की प्रमुख वजह केवल सियासी संघर्ष ही नहीं है। इसके कुछ और भी कारण हैं। इनमें कामकाजी माहौल के साथ भाषा की बाध्यता न होना, रिमोट वर्किंग (कहीं से भी बैठकर दफ्तर का काम) की आजादी, रहन-सहन सस्ता होना जैसे अन्य कारण शामिल हैं। ये सामने आया कि रूढ़िवादियों के देश छोड़ने की संभावना बेहद कम है। अमेरिका छोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या में अश्वेत और उदारवादियों की है। नीदरलैंड्स और स्पेन में 2013 के मुकाबले 2022 तक बसने वाले अमेरिकी करीब दोगुने, पुर्तगाल में इस दौरान तीगुना हो गए। फ्रांस, जर्मनी और नॉर्डिक देशों में जाकर बसने वाले अमेरिकियों की संख्या बढ़ी है। जॉन एडम्स इंस्टीट्यूट की प्रमुख ट्रेसी मेट्ज कहती हैं, 'अमेरिका में कामकाजी जीवन संतुलित माना जाता है। लेकिन सच्चाई ये है कि अमेरिकी कामगार हर साल काम करने में 1,811 घंटे बिताते हैं। जबकि यूरोप में केवल 1,571 घंटे। नीदरलैंड्स में तो साल में काम के घंटे 1,427 ही हैं। यानी अमेरिकी काम करने में यूरोप से औसतन 300 घंटे ज्यादा दे रहे हैं। दुनिया भर में अंग्रेजी के बढ़ने से अमेरिकियों के लिए चीजें आसान हुई हैं। नीदरलैंड्स की यूनिवर्सिटीज में 28प्रतिशत ग्रेजुएशन प्रोग्राम अंग्रेजी में संचालित हैं। ऑनलाइन नौकरी विज्ञापनों में भी अंग्रेजी जानने वालों की उतनी ही जरूरत सामने आ रही है, जितनी डच जानने वालों की। इससे अमेरिकी खासे आकर्षित हो रहे हैं। 33 करोड़ आबादी वाले अमेरिका के लोगों को यूरोप के बेहतर सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क ने भी आकर्षित किया। सदन में डेमोक्रेट की तत्कालीन नेता नैन्सी पेलोसी की पूर्व सहयोगी रहीं कैरोलीन बेहरिंगर 2017 में ही अमेरिका छोड़ चुकी हैं।

भारतीय नागरिक टेलीफोन प्रदाताओं और बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी के मामले में दोषी, तीन जनवरी को तय होगी सजा

वाशिंगटन।

टेलीफोन प्रदाताओं और बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी करने के मामले में एक भारतीय नागरिक को अमेरिका में दोषी ठहराया गया। भारतीय नागरिक पर सेलुलर प्रतिस्थापन उपकरण प्राप्त करने के लिए फर्जी दावे प्रस्तुत करने और नकली पहचान का उपयोग कर उपकरणों को अमेरिका से बाहर बेचने का आरोप था। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर सेलिंगर ने कहा कि नेवार्क के 42 वर्षीय पराग भावसार ने अमेरिकी जिला न्यायाधीश मैडलिन कॉक्स अर्लेओ के समक्ष अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। जानकारी के अनुसार, उस पर मेल धोखाधड़ी करने की साजिश का एक मामला और चोरी की संपत्ति के अंतरराज्यीय हस्तांतरण की साजिश का एक मामला दर्ज किया गया है।

तीन जनवरी को तय की जाएगी सजा

पराग भावसार को सजा सुनाने के लिए अगले साल तीन जनवरी की तारीख तय की गई है। दस्तावेजों के अनुसार, जून 2013 से जून 2019 तक भावसार अमेरिकी डाक सेवा मेल प्रणाली के साथ-साथ अन्य थर्ड पार्टी मेल वाहक का उपयोग करके सेलुलर टेलीफोन प्रदाताओं और बीमा कंपनियों को धोखा देने की एक व्यापक योजना में शामिल था। उसने

और इस साजिश में शामिल अन्य लोगों ने प्रतिस्थापन उपकरण प्राप्त करने को लेकर खोए हुए, चोरी हुए और क्षतिग्रस्त टेलीफोन एवं अन्य उपकरणों पर झूठा दावा प्रस्तुत करने के लिए फर्जी पहचान का उपयोग किया। मामले के अनुसार, भावसार और उसके साथियों ने न्यू जर्सी सहित पूरे अमेरिका में मेलबॉक्स और भंडारण इकाइयों का एक नेटवर्क बना रखा था। भंडारण इकाइयों में प्रतिस्थापन उपकरण भेजे जाते और वहां से अमेरिका के बाहर बेच दिए जाते थे। संघीय अभियोजकों ने कहा कि भावसार और उसके साथियों की योजना के परिणामस्वरूप सेलुलर टेलीफोन प्रदाताओं और बीमा कंपनियों को लाखों डॉलर का नुकसान हुआ। इन आरोपों में अधिकतम 20 साल की कैद और 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना या अपराध से लाभ या हानि का दोगुना, जो भी ज्यादा हो लागू किए जाने का प्रावधान है।

नॉर्थ कोरियाई सेना ने साउथ कोरिया में परमाणु युद्धाभ्यास किया: बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं; किम जोंग बोले- हमला हुआ तो पड़ोसी देश पर कब्जा करेंगे

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया के क्षेत्र में परमाणु हमले का अभ्यास किया। इसके लिए उन्होंने समुद्री इलाके में 2 कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की भी टेस्टिंग की। ये ड्रिल साउथ कोरिया के कमांड सेंटर्स और एयरफील्ड्स में की गई। बताया कि युद्धाभ्यास अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास को देखते हुए किया गया। नॉर्थ कोरिया ने आरोप लगाया कि अमेरिका इन एक्सरसाइज के जरिए उन पर परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। नॉर्थ कोरिया जंग की स्थिति में किसी भी हमले का जवाब देने के लिए तैयार है। अगर साउथ कोरिया की तरफ से अटैक किया गया तो तानाशाह परमाणु हथियारों के जरिए इसका जवाब देंगे और जरूरत पड़ने पर उनके देश पर भी कब्जा कर लेंगे। नॉर्थ कोरिया की सेना कोरियन पीपुल्स आर्मी ने टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों से हमले का अभ्यास किया। नॉर्थ कोरिया की मिलिट्री ड्रिल के बाद साउथ कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने देर रात एक सिक्योरिटी मीटिंग बुलाई। ड्रिल को लेकर जापान के पीएम किशिदा ने कहा- इस तरह की एक्सरसाइज न केवल जापान बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा

सकता। नॉर्थ कोरिया ने ये ड्रिल ऐसे समय में की गई जब हाल ही में अमेरिका और साउथ कोरिया ने 11 दिन की जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज की। इसके बाद अमेरिका ने एयर ड्रिल्स के लिए बॉम्बर भी तैनात कर दिए। किम जोंग ने कहा था- हमले से रक्षा के लिए तैयार रहे सेना इससे पहले 29 अगस्त को नॉर्थ कोरिया ने अपना नेवी डे मनाया था। इस दौरान तानाशाह किम जोंग ने अपनी सेना को हमले की स्थिति में देश की रक्षा करने के लिए तैयार रहने को कहा था। किम ने अमेरिका पर कोरियन पेनिनसुला के जलक्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने का आरोप लगाया था। साथ ही तानाशाह ने परमाणु हमले का भी खतरा बताया था। नॉर्थ कोरिया में नेवी डे के मौके पर भाषण देते हुए किम जोंग ने कहा था- अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया के गैंग ने रेगुलर जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज की घोषणा की है। तानाशाह ने कहा था- ये युद्धाभ्यास हमारे देश पर हमले के लिए किया जा रहा है। ऐसे में हमारी नेवी को हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहने और दुश्मनों की इच्छाशक्ति को तोड़ने की कोशिश करनी होगी। टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन का जखीरा बढ़ाने पर फोकस तानाशाह ने कहा था कि नॉर्थ कोरिया की नेवी परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए सबसे जरूरी है। अमेरिका और दूसरे देशों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये की वजह से कोरियन पेनिनसुला का जलक्षेत्र दुनिया के सबसे खतरनाक जलक्षेत्र और सबसे बड़े युद्ध के कंसेन्ट्रेशन स्पॉट में तब्दील हो गया है। अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री ने 21 अगस्त को 11 दिन की जॉइंट ड्रिल की शुरुआत की थी। नेवी डे पर किम जोंग ने कहा था- देश की सभी मिलिट्री यूनिट्स को नए हथियार दिए जाएंगे। साथ ही टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन का जखीरा भी बढ़ाया जाएगा। इसके बाद कयास लगाए गए थे कि तानाशाह अपनी नेवी को जल्द ही परमाणु हमला करने में सक्षम मिसाइलें सौंपने वाला है।

75 साल में पहली बार सऊदी पहुंची इजराइली फ्लाइट

जेद्दाह में इमरजेंसी लैंडिंग; पैसेंजर बोले- हम शॉर्ट्स में थे, कुछ देर तो डर लगा

तेल अवीव/रियाद।

इजराइल के प्राइम मिनिस्टर बेंजामिन नेतन्याहू ने सऊदी सरकार का शुक्रिया अदा किया है। इसकी वजह यह है कि सोमवार रात एक इजराइली फ्लाइट को सऊदी सरकार ने जेद्दाह एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की मंजूरी दी थी। इस दौरान 128 इजराइली नागरिकों ने इस शहर के एक होटल में रात गुजारी थी। 1948 में इजराइल एक अलग मुल्क बना। इसके बाद यह पहली बार है जब पब्लिकली कोई इजराइली फ्लाइट सऊदी अरब में लैंड हुई। दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन नहीं हैं। बाद में कुछ पैसेंजर ने माना कि उन्हें सऊदी में लैंडिंग करते वक्त डर लग रहा था।

पहले मामला जान लीजिए - एयर सेशेल्स के एक प्लेन ने सोमवार दोपहर सेशेल्स से इजराइल की एडिमिनिस्ट्रेटिव कैपिटल (प्रशासनिक राजधानी) तेल अवीव के लिए उड़ान भरी। इस दौरान एयरक्राफ्ट के इलेक्ट्रिकल सिस्टम में फॉल्ट आ गया। इससे इंजन फेल होने का खतरा भी था।

पायलट ने फौरन मदद मांगी। सबसे करीब में सऊदी अरब का जेद्दाह एयरपोर्ट था, लेकिन इजराइल और सऊदी अरब के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन नहीं हैं। लिहाजा, वहां लैंडिंग की मंजूरी मिलना मुश्किल था। बहरहाल, फ्लाइट में मौजूद 128 इजराइली नागरिकों की जान बचाने के लिए कुछ बैकडोर डिप्लोमैटिक एफर्ट्स किए गए। इसके बाद फ्लाइट को जेद्दाह में इमरजेंसी लैंडिंग की मंजूरी मिल गई।

एयरपोर्ट से सीधे होटल गए पैसेंजर - जेद्दाह एयरपोर्ट पर जब यह फ्लाइट लैंड हुई तो इसमें मौजूद सभी 128 पैसेंजर्स को एयरपोर्ट बिल्डिंग में लाया गया। इसके बाद कुछ देर तक वो यहीं रुके।

जब यह तय हो गया कि ये फ्लाइट तेल अवीव के लिए उड़ान नहीं भर सकेगी तो सभी पैसेंजर्स को एक स्पेशल बस से करीब के एक होटल में ले जाया गया। इन लोगों ने रात यहीं बिताई।

इसके बाद मंगलवार दोपहर सेशेल्स से एक एयरक्राफ्ट जेद्दाह पहुंचा। इसमें सभी पैसेंजर्स बैठे और इसके बाद फ्लाइट ने तेल अवीव के लिए टेक ऑफ किया। इस दौरान कुछ पैसेंजर्स एयरपोर्ट अथॉरिटीज का शुक्रिया अदा करते भी देखे गए।

एयरपोर्ट से होटल और होटल से एयरपोर्ट के रास्ते में इजराइली पैसेंजर्स की बस को सऊदी अरब की स्पेशल फोर्स ने सिक्योरिटी दी। बाद में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर सऊदी अरब सरकार का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा- सऊदी अरब ने हमारे नागरिकों की मदद के लिए जो जज्बा दिखाया, उसके लिए शुक्रिया। नेतन्याहू की इस पोस्ट को हिब्रू के साथ ही अरबी और इंग्लिश में भी पोस्ट किया गया।

पैसेंजर्स का एक्सपीरियंस कैसा रहा - तेल अवीव पहुंचने के बाद इजराइली पैसेंजर्स ने यहां के एक न्यूज चैनल से बातचीत की। इसमें बताया कि सऊदी अरब पहुंचने से पहले और बाद में उनके मन में क्या चल रहा था। एक महिला एमैनुएल ईवा ने कहा- जैसे ही फ्लाइट कमांडर ने हमें बताया कि हमें जेद्दाह में इमरजेंसी लैंडिंग करनी है तो हम थोड़ा घबरा गए। इस दौरान सभी एक-दूसरे की तरफ सवालिया नजरों से देख रहे थे। बहरहाल, हमने यही सोचा कि फ्लाइट की लैंडिंग सेफ होनी चाहिए। बाकी जो होगा, देखा जाएगा। जेद्दाह में हमारा स्वागत किया गया। इसके बाद होटल ले जाया गया।

एक और महिला ने कहा- ज्यादातर पैसेंजर शॉर्ट्स और टी-शर्ट में थे। जब हमने लैंड किया तो कुछ लोगों ने अजीब तरह से देखा। हालांकि वहां कुछ अलग सी फीलिंग आ रही थी।

मोबाइल छीनने वाले युवक को पांच साल की कैद

कैथल (हिंस)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप गर्ग की अदालत ने मोबाइल छीनने के दोषी युवक को पांच साल के कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर चार महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस बारे में उदित प्रकाश निवासी सीवन ने थाना सीवन में 8 अप्रैल 2022 को धारा 379-ए आईपीसी के तहत मामला दर्ज करवाया था। अभियोजन पक्ष की ओर से केस की पैरवी कर रहे जिला न्यायवादी मैनपाल सिंह ने केस फाइल के हवाले से बताया कि शिकायतकर्ता उदित प्रकाश, संदीप गारमेंट और हैंडलूम की दुकान पर नौकरी करता है। हर रोज की तरह 7 अप्रैल 2022 को उदित प्रकाश शाम को करीब नौ बजे अपना काम करके दुकान से पैदल अपने घर आ रहा था। उसके हाथ में उसका वीवो कंपनी का मोबाइल फोन था। जब वह गौशाला से थोड़ी आगे पहुंचा तो पीछे से एक युवक अपनी मोटर साइकिल पर आया और एकदम से उसके हाथ से उसका मोबाइल फोन झपट कर ले गया।

पंजाब में आईएसआई समर्थित गैंग के छह गुर्गे गिरफ्तार, हथियार बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मोहाली पुलिस के सहयोग से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित गैंग के छह गुर्गों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। यह गैंग पंजाब से पाकिस्तान में भागे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा ग्रुप से जुड़ा हुआ है और वहां से मिलने वाले इशारों पर पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने पत्रकारों को बताया कि हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा गैंग से जुड़े छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपितों ने अप्रैल 2023 में पटियाला में दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था, तब से यह गैंग फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी हत्या करने की योजना बना रहे थे, जिनमें से अधिकतर टारगेट किलिंग थी। पंजाब पुलिस ने आरोपितों से पांच पिस्तौल और 20 जिंदा कारतूस

बरामद किए हैं। आरोपितों से पूछताछ जारी है। पुलिस का अनुमान है कि आरोपी आने वाले दिनों में और भी टारगेट किलिंग करने वाले थे। जल्द ही आरोपितों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपितों ने विगत 24 अप्रैल की रात बसस्टैंड के नजदीक दो दोस्तों नकुल और अनिल की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। एक सप्ताह के अंदर पुलिस ने इस गैंग से जुड़े पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया था और एक कार भी जब्त की थी। पुलिस को और आरोपितों के बारे में भी पता चला था। पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए लगातार छापामारी कर रही थी। इसी छापामारी के दौरान पुलिस को इनपुट मिली थी कि ये छह लोग टारगेट किलिंग को अंजाम देने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने ट्रैप लगाकर छह आरोपितों को हथियारों के साथ पकड़ने में सफलता हासिल की।

हाईकोर्ट का प्लेटिनम जुबली समारोह जयपुर बैंच में मनाए जाने का विरोध

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष में प्रवेश करने पर प्लेटिनम जुबली वर्ष के रूप में मनाने एवं प्लेटिनम जुबली समारोह का आयोजन जयपुर बैंच में करने के विरोध में राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन जोधपुर की ओर से मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर शिकायत व विरोध दर्ज कराया है। प्लेटिनम जुबली समारोह को लेकर गत दिनों एक बैठक में यह निर्णय लिया कि सभी समारोह जयपुर बैंच में होंगे। राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन जोधपुर की ओर से मुख्य न्यायाधीश को शिकायत के लिए पत्र भेजा गया है। इसमें लिखा कि हाईकोर्ट का 75वां वर्ष है जिसके लिए जयपुर व जोधपुर दोनों को मिलकर कार्यक्रम बनाना था लेकिन जोधपुर के अधिवक्ताओं को आमंत्रण केवल औपचारिकता के लिए किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि भंसाली ने बताया कि कि जयपुर बैंच का विरोध आज तक जोधपुर की जनता कर रही है।

पंजाब में एस्मा लागू कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक

कर्मियों ने कर रखा है हड़ताल का एलान

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब में डीसी दफ्तरों में तैनात कर्मचारियों की एक सितंबर से शुरू होने वाली हड़ताल को देखते हुए राज्य सरकार ने गुरुवार से प्रदेश में एस्मा लागू कर दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को हड़ताल पर जाने का ऐलान कर चुके कर्मचारियों को गंभीर चेतावनी दी थी। एक सितंबर से हड़ताल का ऐलान करने वालों में पटवारी-कानूनगो समेत रेवेन्यू विभाग और 13 सितंबर से कलमछोड़ हड़ताल की घोषणा करने वाले डीसी दफ्तर के कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान की चेतावनी के बावजूद कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेने का ऐलान नहीं किया। जिसके बाद बुधवार रात 12 बजे के बाद से सरकार ने बाढ़ का हवाला देते हुए ईस्ट पंजाब एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट 1947 के सेक्शन 4 के सब सेक्शन वन के तहत एस्मा लागू करने के आदेश जारी कर दिए। आदेश के अनुसार कोई भी कर्मचारी हड़ताल पर नहीं जा सकता है। आदेश 31 अक्तूबर तक लागू रहेंगे। आदेश में कहा गया है कि पंजाब के रणजीत सागर बांध, भाखड़ा बांध और पौंग बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। राज्य में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। ऐसे में राजस्व विभाग में काम करने वाले पटवारियों, कानूनगो और डीसी दफ्तरों के स्टाफ की ड्यूटी 24 घंटे है। सरकार के अनुसार, इन विभागों के कर्मचारियों की जरूरत बाढ़ के हालात में हर समय है। इसलिए राजस्व विभाग में कार्यरत पटवारियों, कानूनगो और डिप्टी कमिश्नर के दफ्तरों में तैनात स्टाफ को अपना स्टेशन छोड़ने की मनाही रहेगी। वह हर समय अपने दफ्तर में मौजूद रहेंगे और जरूरत पड़ने पर उन्हें ड्यूटी पर हाजिर होना पड़ेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कर्मचारियों के प्रति सख्त रवैया अपना लिया है। बुधवार को उन्होंने पहले सीधी चेतावनी दी थी कि कलमछोड़ हड़ताल करो लेकिन कलम बाद में देनी है या नहीं यह सरकार तय करेगी। बहुत पढ़े-लिखे बेरोजगार कलम थामने के लिए बैठे हैं।

केएलएफ आतंकी वरिंदर की संपत्ति होगी कुर्क, एनआईए कोर्ट का फैसला

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की मोहाली स्थित स्पेशल एनआईए कोर्ट ने इंटरनेशनल ड्रग्स तस्कर और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के आतंकवादी नेटवर्क में नामजद आरोपी वरिंदर सिहं चहल की प्रॉपर्टी को कुर्क करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने गुरुवार को आदेश दिया कि हेरोइन और ड्रग मनी के 2019 के मुख्य आरोपी वरिंदर सिंह चहल की अमृतसर स्थित देवीदासपुरा गांव में 24 कनाल, 14 मरला संपत्ति को कुर्क किया जाए। एनआईए अधिकारियों के अनुसार 31 मई 2019 को दर्ज एक एफआईआर के आधार पर मामले की जांच को शुरू किया था। इसमें जगबीर सिंह समरा नाम के एक युवक को 500 ग्राम हेरोइन और 1.20 लाख ड्रग मनी के साथ पकड़ा गया था। जांच में वरिंदर चहल और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी का भी नाम सामने आया। वरिंदर चहल एक इंटरनेशनल दुबई आधारित ड्रग तस्कर और मनी लांड्रर जसमीत सिंह हकीमजादा और पाकिस्तान स्थित केएलएफ के स्वयंभू प्रमुख हरमीत सिंह उर्फ पीएचडी का भी करीबी सहयोगी था। आरोप है कि वरिंदर सिंह चहल केएलएफ नार्को टेरर मॉड्यूल का हिस्सा बन तस्कर हकीमजादा और पीएचडी के निर्देश पर कश्मीरी ड्रग डीलरों से हेरोइन की खेप एकत्र करने में लगा था।

बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र से पकड़ी हेरोइन की खेप

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 17.50 करोड़ रुपये बतायी जा रही है। बुधवार रात बीएसएफ को अमृतसर के सरहदी गांव राणिया में ड्रोन मूवमेंट की सूचना मिली थी। इसके आधार पर पंजाब पुलिस के सहयोग से इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान बीएसएफ जवानों को एक प्लास्टिक पैकेट में छह छोटी बोतलें मिलीं, जिनमें 2.630 किलोग्राम हेरोइन थी।

जी-20 शिखर सम्मेलन की बैठक की तैयारियां तेज

गुरुग्राम (हिंस)। जी-20 शिखर सम्मेलन के अंतर्गत जिला नूंह में होने वाली चौथी शेरपा बैठक की तैयारियों की गुरुवार को हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस उच्च स्तरीय बैठक के लिए हमें हर पहलु को ध्यान में रखना है। सभी तैयारियों को समय से पहले पूरा करना है, ताकि बैठक में भाग लेने वाले प्रतिनिधि नूंह और गुरुग्राम जिला के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश की अच्छी छवि लेकर अपने देशों को जाएं। जी-20 सचिवालय के संयुक्त सचिव नागराज नायडू भी इस बैठक से ऑनलाईन माध्यम से जुड़े थे। शेरपा बैठक नूंह जिला में तावडू के नजदीक स्थित आईटीसी ग्रैंड भारत में 3 से 7 सितंबर तक आयोजित की जा रही है। आयोजन स्थल की क्नेक्टिविटी गुरुग्राम से अच्छी होने के कारण तैयारियों को जी-20 सचिवालय तथा

मुख्य सचिव कौशल के मार्ग दर्शन में नूंह और गुरुग्राम दोनों जिलों के प्रशासन द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। इस उच्च स्तरीय बैठक में जी-20 शिखर सम्मेलन के सदस्य देशों के अलावा आमंत्रित देशों के शेरपा तथा अन्य डेलीगेट्स भाग लेंगे। हरियाणा अपनी अतिथि देवो भव: की समृद्ध परंपरा के अनुरूप विदेशी मेहमानों के स्वागत तथा रहन-सहन के प्रबंध करने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहा है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के साथ गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा और नूंह के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणियां ने भी हरियाणा भवन दिल्ली से मुख्य सचिव की बैठक के साथ ऑनलाईन माध्यम से भाग लिया। मुख्य सचिव कार्यालय में नियुक्त विशेष सचिव डा. आदित्य दहिया ने बताया कि प्रतिभागियों की सुविधा के लिए उनके साथ 23 लियाजन ऑफिसर भी लगाए जाएंगे, जिनमें 19 एचसीएस तथा 4 आईएएस स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इन अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि चौथी शेरपा बैठक के दौरान 4 सितंबर को सभी प्रतिभागी अतिथियों को हरियाणा सरकार की तरफ से रात्रि भोज दिया जाएगा। इसमें हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के भी भाग लेने की प्रबल संभावना है। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विदेश मंत्रालय की टीम द्वारा दी जाएगी। हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से अतिथियों को रूबरू करवाने के लिए प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा 5 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे और 6 सितंबर को फिर से विदेश मंत्रालय की टीम द्वारा क्लचरल नाईट का आयोजन किया जाएगा।

देश की युवा शक्ति के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना स्वीकार नहीं: जेपी दलाल

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने गुरुवार को यहां सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक ली। उन्होंने बैठक के एजेंडे में शामिल 18 शिकायतों में 14 का मौके पर ही समाधान किया। चार मामलों में कार्रवाई के निर्देश देते हुए अगली बैठक तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही। बैठक में मंत्री के समक्ष आए परिवादों में एक शिकायतकर्ता ने बताया कि एक वर्षीय आईटी कोर्स के लिए उसने फीस की एक निर्धारित राशि देकर, फरूखनगर के गांव मुसेदपुर में वर्ल्ड स्किल सेंटर में दाखिला लिया था, लेकिन दाखिले के उपरांत उन्हें कोर्स के हिसाब से ट्रेनर व इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नहीं कराया गया। वहीं

सेंटर प्रबंधन के पदाधिकारी छात्रों की शिकायत पर कोई कार्रवाई नही कर रहे। शिकायतकर्ता ने बताया कि यह संस्थान भारत सरकार द्वारा स्किल डेवलोपमेन्ट के उद्देश्य के तहत कार्य कर रहा है। कृषि मंत्री ने इस मामले में एसडीएम पटौदी को निर्देश दिए कि वे सेंटर विजिट कर यह सुनिश्चित करें कि सरकार द्वारा स्किल सेंटर के लिए जो मानक निर्धारित किए गए हैं, क्या यह सेंटर उन मानकों के हिसाब से विद्यार्थियों को ट्रेनिंग व इंफ्रा उपलब्ध करा रहा है या नहीं। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति को स्किल्ड बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरदृष्टि के कारण इन कोर्सेज की शुरुआत की गई है। ऐसे में देश की युवा शक्ति के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ अथवा लापरवाही किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित सेंटर निर्धारित मानकों को पूरा नही करता है तो केंद्र व राज्य सरकार के पास इसे बंद करने की सिफारिश भी भेजी जाए। जय प्रकाश दलाल के समक्ष गांव लोकरी निवासी पवन का मामला भी आया। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि किन्ही कारणों से बिजली विभाग का उनपर एक लाख सत्तर हजार रुपए का बकाया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह बीपीएल श्रेणी से संबंध रखता है और वह इतनी राशि भरने में असमर्थ हैं। मंत्री ने मौके पर संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया और शिकायत कर्ता को अपने ऐच्छिक कोष से एक लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की बात कही।

मुख्यमंत्री के बयान का अधिवक्ताओं ने जताया विरोध, शुक्रवार को हड़ताल की चेतावनी

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा न्यायपालिका व वकीलों को लेकर दिए गए बयान का अधिवक्ताओं ने विरोध जताया है। इसको लेकर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक नाथूसिंह राठौड़ के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन प्रेषित किया। शुक्रवार को वकीलों एक दिन की हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सम्पूर्ण न्यायपालिका व वकीलों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि न्यायपालिका में बहुत भ्रष्टाचार व्याप्त है। न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा जो फैसले दिये जाते है वो भ्रष्टाचार से युक्त होते है और वकीलों द्वारा जो फैसला टाइप करवाकर न्यायाधीशों का दिया जाता है वह ही न्यायालय निर्णय पारित करते है। मुख्यमंत्री के इस बयान का भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ कड़े शब्दों में भत्सर्ना कर निन्दा करता है। साथ ही राज्यपाल से मुख्यमंत्री के गैर जिम्मेदाराना व न्यायपालिका को कलंकित करने वाले बयान पर विधि अनुसार कार्यवाही करने की मांग करता है। राठौड़ ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का यह कथन बहुत ही शर्मनाक व पीड़ादायक है। वर्तमान समय में एक मात्र न्यायपालिका ही है जिस पर एक पीड़ित व्यक्ति पूर्ण विश्वास कर न्याय की उम्मीद करता है। ऐसे में मुख्यमंत्री का यह कथन ना केवल न्यायपालिका को अपमानित करने का है अपितु सम्पूर्ण वकील समुदाय के मान-सम्मान को धूमिल करने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री ने राजनैतिक द्वेष भावना के चलते कुछ भी अनर्गल यान देकर न्यायपालिका को दूषित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री के उक्त बयानों से संपूर्ण भारत की जनता का न्यायपालिका पर विश्वास को प्रभावित करता है।

जब तक मैं राजनीति करूंगा, तब तक ही राजनीति में रहूंगा, चाहे इसके बाद फिर कोई भी आए : मीणा

दौसा (हिंस)। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा है कि जब तक मैं राजनीति करूंगा, तब तक ही राजनीति में रहूंगा, चाहे इसके बाद फिर कोई भी आए। मीणा गुरुवार को दौसा के लालसोट विधानसभा क्षेत्र की कांकरिया ग्राम पंचायत में कक्षाकक्ष का शिलान्यास करने पहुंचे थे। यहां आम सभा में उन्होंने परिवारवाद और वंशवाद को लेकर अपने विचारों को रखा। उन्होंने कहा कि बेटों को राजनीति सौंपने वाले जल्दी डूबते हैं। मैंने अभी तक इसीलिए अपने बेटों को राजनीति नहीं सौंपी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल में से मैं 27 साल छह महीने लालसोट विधानसभा क्षेत्र में जनप्रतिनिधि रहा हूं। बाकी कार्यकाल दूसरे लोगों का भी रहा है। इस दौरान मेरे कार्यकाल में हुए विकास कार्य और दूसरों के रहते हुए विकास कार्यों का मूल्यांकन करें। उन्होंने किसी का नाम

लिए बिना कहा कि आपसे जो वोट मांगने आएं, उनके पूर्वज भी विधायक रहे हैं। उनके पूर्वजों ने कितना विकास कार्य कराया, आप उसका हिसाब लें। हमारी सरकार चली जाती तो हम विकास कार्य नहीं करा पाते। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मेहरबानी है कि सरकार ने कार्यकाल पूरा किया और हरसंभव विकास करवाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सिलेंडर पर 400 रुपए सब्सिडी दी है। कांग्रेस राज में तो सिलेंडर मिलता ही 400 रुपए का था।

कल से *परिवर्तन संकल्प यात्रा* की शुरुआत

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की दो सितंबर को रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से शुरू होने वाली *परिवर्तन संकल्प यात्रा* की तैयारियों एवं रुटमैप को लेकर गुरुवार को प्रेस वार्ता का आयोजन हुआ। इसमें भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं परिवर्तन यात्रा के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि दो सितंबर को प्रारंभ होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यात्रा का शुभारंभ त्रिनेत्र गणेश मंदिर पर मंत्रोच्चार व पूजा अर्चना के साथ होगा। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चतुर्वेदी ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा का रथ स्थानीय दशहरा मैदान सभा स्थल पर पहुंचेगा। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जनसभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना करेंगे। दशहरा मैदान में होने वाली जनसभा के लिए स्थानीय गांव-गांव और ढाणियों में जनसंपर्क किया जा रहा है। यात्रा में हजारों की संख्या में जनसमूह उमड़ेगा। सभा के दौरान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सहित कोर कमेटी के सदस्य और केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। चतुर्वेदी ने कहा कि जनसभा सुबह 11 बजे प्रारम्भ होगी। इसके बाद रथ को जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाकर पांच से सात किलोमीटर तक रथ पर सवार होकर यात्रा के साथ चलेंगे। कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हेलीकॉप्टर से सवाई माधोपुर पहुंचेंगे। इस दौरान हैलीपैड पर कार्यकर्ताओ द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी के साथ स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। परिवर्तन संकल्प यात्रा 18 दिन चलेगी, जो संभाग के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इस दौरान संयोजक, सह-संयोजक जितेन्द्र गोठवाल साथ रहेंगे। इसके अलावा यात्रा के दौरान जगह जगह सभी वर्गो, संस्थाओं, मोर्चो के कार्यकर्ताओं द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा के मार्गों पर चिन्हित स्थानों पर छोटी आमसभा, चौपाल और नुक्कड़ सभा सहित स्वागत सत्कार कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। यात्रा में प्रत्येक दिन सांयकाल जहां यात्रा का विश्राम रहेगा वहा भी सभा आयोजित की जाएगी। प्रेसवार्ता के दौरान दौसा सांसद जसकौर मीणा, जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित, प्रदेश मीडिया सहसंयोजक मेहराज चौधरी और जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने विधायक आवास का किया घेराव

फतेहाबाद (हिंस)। बाढ़, जलभराव व सेम से खराब हुई फसल, बाढ़ से खराब हुए मकानों, ट्यूबवेलों का मुआवजा देने सहित अनेक मांगों को लेकर संयुक्त किसान के आह्वान पर जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों किसानों ने फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम के भट्ठू रोड स्थित आवास का घेराव किया। लघु सचिवालय के बाहर चल रहे पड़ाव पर सुबह से ही किसानों की भीड़ का जुटना शुरू हो गया था। दोपहर को सैकड़ों किसान पड़ाव स्थल से प्रदर्शन करते हुए विधायक आवास के बाहर पहुंचे और सड़? पर धरना देकर विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन के मद्देनजर विधायक आवास के बाहर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया था।

गंभीर अपराधों में शामिल आठ फरार आतंकवादी और उनके सहयोगी गिरफ्तार

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियों के गंभीर अपराधों में शामिल आठ फरार आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के एक बयान में गुरुवार को बताया गया कि लगभग तीन दशक पहले इनके खिलाफ जिला डोडा के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए थे और टाडा कोर्ट, जम्मू में आरोप पत्र दायर किया गया था। ये फरार आतंकवादी दशकों तक भूमिगत रहकर और कुछ समय तक अज्ञात रहकर कानून के चंगुल से भागने में कामयाब रहे। फिर अपने मूल या कुछ दूर के स्थानों पर सामान्य पारिवारिक जीवन का आनंद लेने के लिए फिर से सामने आए। इनमें से कुछ आतंकवादी भगोड़े सरकारी सेवाएं प्राप्त करने, कुछ निजी व्यवसायों में लगे हुए पाए गए और यहां तक कि कुछ अदालत में भी काम करते हुए पाए गए। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में आदिल फारूक फरीदी निवासी हाउस नंबर 230 साहिदी चौक जम्मू (सरकारी कर्मचारी वर्तमान में जेके बोस, जम्मू में तैनात), मोहम्मद इकबाल उर्फ जावेद अस्थान मोहल्ला डोडा, मुजाहिद हुसैन उर्फ निसार अहमद निवासी अस्थान मोहल्ला डोडा, तारिक हुसैन निवासी बरशाल्ला डोडा, इश्तियाक अहमद देव उर्फ अजाज सिम निवासी मोहम्मदपुर, अजाज अहमद उर्फ मोहम्मद इकबाल निवासी दांडी भद्रवाह, जमील अहमद उर्फ जुगनू उर्फ चीका खान निवासी कुरसारी भद्रवाह और इशफाक अहमद निवासी बन डोडा (कोर्ट कॉम्प्लेक्स डोडा में लेखक के रूप में कार्यरत) हैं। इसमें कहा गया कि उपरोक्त भगोड़े आतंकवादियों के खिलाफ जारी वारंट के अनुपालन में उन्हें टाडा/पोटा अदालत जम्मू के समक्ष पेश किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि ये आतंकवादी भगोड़े फिरौती के लिए अपहरण और बंदूक के बल पर डोडा निवासी गुलाम मोहम्मद वानी को जान से मारने की धमकी देने में शामिल थे। इनके खिलाफ टाडा की धारा 3, 4, 364 आरपीसी, 3/25 आर्म्स के तहत मामला एफआईआर संख्या 158/1992 पीएस डोडा में दर्ज है। 23 अप्रैल, 1993 की मध्यरात्रि को डोडा के मोहम्मद सादिक और तारिक हुसैन को उनके घर से फिरौती के लिए अपहरण और हत्या का मामला, जिसमें बाद में आतकवादियों द्वारा तारिक हुसैन की हत्या कर दी और मोहम्मद सादिक को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

असम के राज्यपाल कटारिया ने अनगढ़ बावजी में किए संतों के दर्शन

चित्तौड़गढ़(हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया गुरुवार को चित्तौड़गढ़ जिले के दौरे पर रहे। उदयपुर एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वे चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित अनगढ़ बावजी में चल रहे चातुर्मास में पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले उन्होंने अनगढ़ बावजी के दर्शन किए। उसके बाद सनातन चातुर्मास में आए अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज के दर्शन किए। यहां चातुर्मास आयोजन समिति की और से राज्यपाल कटारिया का स्वागत किया गया। कटारिया ने धर्मसभा से पहले अवधेश चैतन्य महाराज सहित चातुर्मास में मौजूद 108 संतों का भी आशीर्वाद लिया। बाद में यहां धर्मसभा में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि मैं यहां सतों का आशीर्वाद लेने आया हूं। मैं अच्छे इंसान की तरह राजनीति में ईमानदारी से काम करू। अच्छा काम करू, जिससे मेवाड़ का नाम असम की धरती पर हो। लोग कहे सके कि मेवाड़ से आए व्यक्ति ने बहुत काम किया है। मेवाड़ की धरती प्राण प्रतिष्ठा के लिए जिंदा रहा है, धन दौलत के लिए नहीं। यह मेवाड़ की धरती भगवान एकलिंग नाथ जी की है। यहां को धरती और एकलिंग नाथ जी ने

जो चमत्कार को किए है, ऐसा चमत्कार कहीं भी नहीं देखने को मिला है। यहां का राज सिंहासन भगवान एकलिंग नाथ जी देखते हैं। जबकि महाराणा दीवान के रूप में काम करते हैं। इसी के बदौलत हम आज यहां पर है। मेवाड़ की धरती ने कभी भी गुलामी स्वीकार नहीं की। वैसे ही असम की धरती ने गुलामी स्वीकार नहीं की। चाहे तलवार से धड़ कटते रहे। अपनी संस्कृति को बचाया। उन्होंने कहा कि हमें जीयो और जीने दो के सिद्धांत पर चलना है। आज तक हमारे देश में सनातन धर्म अगर जिंदा है तो वह संतो की तपस्या के वजह से है। संतों की तपस्या और साधना को देख कर ही लोग सीखने की कोशिश करते हैं। हम जिस क्षेत्र में काम करते है, वो बहुत कठिन क्षेत्र है। कब आदमी फिसल जाए पता नहीं चलता। गुलाब चंद कटारिया 78 साल तक सफल रहा लेकिन आगे कब फिसल जाए, इसकी गारंटी मैं नहीं ले सकता, लेकिन आप मेरी गारंटी जरूर ले सकते। अगर संतों का आशीर्वाद रहा तो अब तक मैं जैसा रहा हूं वैसे ही आगे के जीवन में रहूंगा। मैं निवेदन करता हूं कि अब तक संतों ने जिस तरह हमारे सनातन धर्म को बचा कर रखा है, वैसे ही आगे निरंतर बचा कर रखे। उन्होंने कहा कि हमारी राजनीति और राजनेताओं को कोई बचा सकता है तो वो सिर्फ संतों का आशीर्वाद है। धर्मसभा को संतों ने भी संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त जन और श्रद्धालु मौजूद रहे। धर्मसभा का संचालन रतन गाडरी ने किया। इधर, राज्यपाल कटारिया के आने पर पूर्व यूडीएच मंत्री श्रीचंद कृपलानी, विधायक चंद्रभानसिंह आक्या, अर्जुनलाल जीनगर व ललित ओस्तवाल, जिला प्रमुख सुरेश धाकड़, जिलाध्यक्ष मिठूलाल जाट, उप जिला प्रमुख भूपेंद्रसिंह बाड़ोली, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गौतम, अशोक चंडालिया, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष बद्रीलाल जाट, प्रधान हेमेंद्र सिंह सहित आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल के दौरे को देखते हुए जिला कलक्टर पियूष सामरिया, पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत आदि मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई थानाधिकारी और पुलिस लाइन से अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया।

15 महीने में क्रूड 31प्रतिशत सस्ता : तेल कंपनियां 31 हजार करोड़ के मुनाफे में, फिर भी पेट्रोल-डीजल सस्ते क्यों नहीं

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए घटाकर राहत दी है। हालांकि, आम आदमी की दूसरी सबसे बड़ी जरूरत पेट्रोल-डीजल के दाम पिछले 15 माह से जस के तस हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने आखिरी बार 21 मई 2022 को पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया था। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। तब कच्चा तेल 109.51 डॉलर था। इसके बाद जून 2023 में ये 31.57प्रतिशत गिरकर 75 डॉलर से नीचे आ गए, लेकिन पेट्रोल-डीजल सस्ते नहीं हुए।

पेट्रोल-डीजल में 5 से 6 की कटौती करने की गुंजाइश - कंपनियों का तर्क है कि 2022 में महंगा कच्चा तेल खरीदकर पेट्रोल-डीजल बनाने में उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ा। अभी उसकी भरपाई चल रही है। 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में तीनों सरकारी तेल कंपनियों को 16,700 करोड़ का घाटा भी हुआ था। हालांकि, अब तस्वीर बदल चुकी है। 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में इन तेल कंपनियों को 31,159 करोड़ रुपए का अभूतपूर्व मुनाफा हुआ है। जानकारों का कहना है कि तेल कंपनियों के पास पेट्रोल-डीजल में 5 से 6 रुपए की कटौती करने की गुंजाइश है।

दोनों ईंधन के दाम तत्काल 5 रुपए घटाए जा सकते हैं - सरकार के लिए महंगाई कम करना सबसे बड़ा मुद्दा है। दिल्ली में अभी पेट्रोल के दाम 96.72 रु. और डीजल 89.62 रु./लीटर हैं। ऐसे में दोनों ईंधन के दाम 5 रुपए प्रति लीटर तक दाम घटाए जा सकते हैं। दरअसल, तेल कंपनियों को एक साल से कच्चा तेल खरीदने में काफी मुनाफा हुआ है। 2022 की पहली तिमाही में दुनिया में कच्चा तेल 131 डॉलर प्रति बैरल था, लेकिन रूस से हमें 99 डॉलर पर मिला। 2023 की पहली तिमाही, यानी अप्रैल-जून के बीच सऊदी अरब और यूएई 86 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर हमें तेल बेच रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 77.7 डॉलर था। हम यह तेल रूस से 70 डॉलर से भी कम पड़ा। यानी तेल कंपनियों को अब भी 8.8 डॉलर प्रति बैरल के डिस्काउंट पर यह तेल मिल रहा है। खुद केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री डॉ. हरदीप सिंह पुरी भी तेल कंपनियों से दाम घटाने को कह चुके हैं।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती का बिलकुल उपयुक्त समय - समिरन चक्रवर्ती और बकार ए जैदी के मुताबिक, रसोई गैस के बाद पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती का बिलकुल उपयुक्त समय है। महंगाई को लेकर सरकार का नजरिया बिलकुल साफ है। जिस तरह आयात करके टमाटर सस्ते किए गए, अब फोकस पेट्रोल-डीजल पर है।

न्यूज ब्रीफ

26 टियर-2 शहर नए दौर के आईटी हब बनकर उभर रहे, नैसकॉम-डेलॉय इंडिया की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। नैसकॉम और डेलॉय इंडिया की एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि बुनियादी ढांचे के विकास, कौशल, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और सरकारी पहलों से प्रेरित, 26 टियर-2 शहर प्रौद्योगिकी केंद्रों की अगली लहर के रूप में उभर रहे हैं। इनमें चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ, भोपाल, रांची, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा, मदुरै, त्रिची, कोयम्बटूर, मैसुरू और कोच्चि जैसे शहर शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि परिपक्व आईटी केंद्रों की तुलना में टियर-2 शहरों में प्रतिभा की लागत लगभग 25प्रतिशत-30प्रतिशत कम है। परिपक्व हब की तुलना में नए शहरों में रियल एस्टेट किराये में भी 50प्रतिशत की बचत होती है। लागत बचत के साथ ये उभरते टियर-2 शहर वैश्विक डिजिटल प्रतिभा केंद्र के रूप में भारत के विकास में योगदान देने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। वर्तमान में, भारत की 11प्रतिशत से 15प्रतिशत तकनीकी प्रतिभाएं टियर -2 और टियर-3 शहरों में रहती हैं और जैसे-जैसे काम का विकेंद्रीकरण गति पकड़ता है, उभरते शहरों में लोगों के लिए कई नए अवसर खुलते हैं, रिपोर्ट में कहा गया है। इंजीनियरिंग, कला और विज्ञान में भारत के 60प्रतिशत स्नातक छोटे शहरों में हैं, जैसा कि रिपोर्ट में कहा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 140 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों को पहले ही इन स्थानों पर एक ठिकाना मिल गया है, जो इन स्थानों में वैश्विक उद्यमों की बढ़ती रुचि को उजागर करता है। लागत लाभ से परे हटकर टियर-2 शहर नवाचार के लिए भी प्रजनन स्थल बन गए हैं। देश के कुल स्टार्टअप (7,000 से अधिक) में से लगभग 39प्रतिशत इन उभरते टियर-2 शहरों में काम करते हैं, जो डीप टेक से लेकर बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट (बीपीएम) तक के उद्योगों में फैले हुए हैं। डेलॉय इंडिया के पार्टनर सुमीत सलवान के अनुसार कहा, अतीत में बड़े शहरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता था, लेकिन महामारी के बाद के दौर में देश भर में काम का उल्लेखनीय विकेंद्रीकरण देखा गया।

गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट ने 4 सितंबर तक मांगा जवाब

नई दिल्ली। गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट संतुष्ट नहीं है, इसलिए फिर से जवाब मांगा है।

जानकारी के अनुसार ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रवर्तक पुनीत गोयनका की अपील पर सुनवाई करते हुए प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) ने बाजार नियामक सेबी को 4 सितंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया है। पंचाट ने मामले पर अंतिम फैसले के लिए 8 सितंबर की तारीख तय की है। इस संबंध में न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल ने कहा कि जहां तक आठ महीने तक चली जांच और आपकी तरफ से दी गई नोटिस का सवाल है, हम संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में यह अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता। मैं इससे सहमत नहीं हूं कि जिस आदेश को चुनौती दी गई है वह आठ महीने तक ऐसे ही पड़ा रहा। रकम की कथित हेराफेरी मामले में बाजार नियामक सेबी के पुष्टि वाले आदेश में गोयनका को ज़ी समूह की चार फर्मों और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ विलय के बाद बनने वाली इकाई में अहम प्रबंधकीय और निदेशक का पद लेने से रोक दिया गया था। यह मामला येस बैंक में 200 करोड़ रुपये जमा को लेकर ज़ी के एक और प्रवर्तक सुभाष चंद्रा की तरफ से लेटर ऑफ कंफर्ट दिए जाने और फिर इस रकम की हेराफेरी संबंधित इकाइयों के जरिये करने से जुड़ा है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गोयनका के लिए दलील पेश करते हुए कहा कि सेबी का आदेश दंडात्मक है, न कि निरोधात्मक और आठ महीने की अवधि इस प्रावधान को अक्षम बनाता है।

सोने में तेजी , चांदी में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में सोने की कीमतों में तेजी आई है जबकि चांदी में नरमी आई है। सोने की वायदा कीमतों की शुरुआत बढ़त के साथ हुई हालांकि बाद में दाम नीचे आने लगे। वहीं चांदी के वायदा बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव 59,400 रुपये और चांदी के वायदा भाव 74,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 65 रुपये टूटकर 74,592 रुपये के भाव पर शुरु हुआ। ये 74,593 रुपये के उच्च और 74,400 रुपये प्रति किलो के निचले स्तर पर पहुंचा है। इससे मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये किलो तक पहुंच गये थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अनुबंध 12 रुपये बढ़कर 59,490 रुपये के स्तर पर खुला ।ये 59,520 रुपये के दिन के उच्च स्तर और 59,420 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा।

नई रिपोर्ट के बाद अडाणी के 9 शेयरों में गिरावट

शेयर बाजार में हेराफेरी का आरोप : कंपनी ने कहा- यह बदनाम करने की साजिश

नई दिल्ली।

अडाणी ग्रुप पर गुरुवार को एक और विदेशी रिपोर्ट सामने आने के बाद कंपनी के सभी 10 शेयरों में दोपहर 12 बजे तक 2.5प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट में दावा किया गया है कि अडाणी ग्रुप के निवेशकों ने गुपचुप तरीके से खुद अपने शेयरों को खरीदकर बाजार में लाखों डॉलर का निवेश किया।

हालांकि, ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है। कहा है कि यह बदमान करने और मुनाफा कमाने की साजिश है। रिपोर्ट में दावा किया कि अडाणी ग्रुप की कंपनियों ने मॉरीशस के गुमनाम निवेश फंड्स के जरिए ग्रुप के शेयरों में करोड़ों रुपए का निवेश किया।

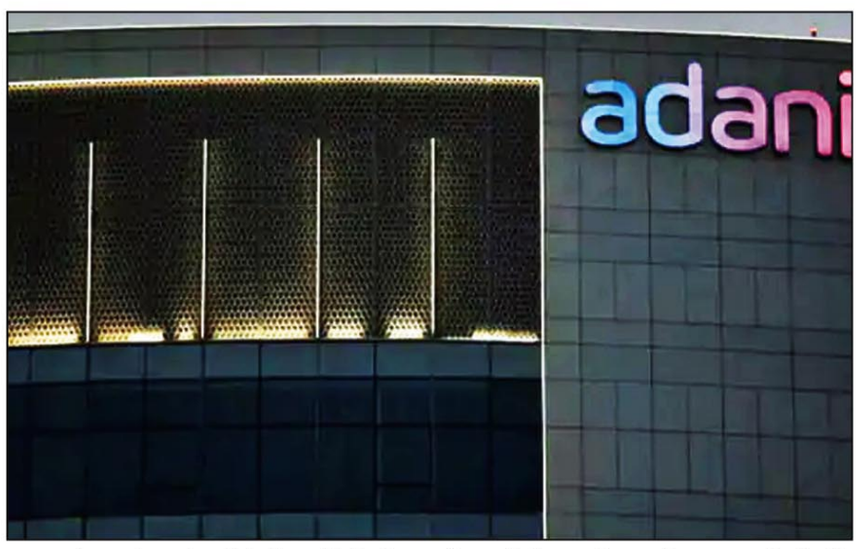

अडाणी ग्रुप ने कहा- ये हिंडनबर्ग रिपोर्ट को फिर से जिंदा करने की कोशिश

अडाणी ग्रुप का कहना है कि हम इन रीसाइकल्ड आरोपों को खारिज करते हैं। तर्कहीन फिर से जिंदा करने की एक कोशिश मालूम होती है। अडाणी ग्रुप ने कहा कि ओसीसीआरपी ने जो आरोप लगाए हैं, वह एक दशक (10 साल) पहले बंद हो चुके मामलों से जुड़े हैं। उस वक्त राजस्व खुफिया निदेशालय ने ओवर इनवॉयसिंग, विदेश में फंड ट्रांसफर, रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन और एफपीआई के जरिए निवेश के आरोपों की जांच की थी। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में फैसला सुनाया था और मामले को बंद कर दिया था।

कंपनी के शेयर्स गिराकर मुनाफा कमाने की कोशिश

अडाणी ग्रुप ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन पब्लिकेशन ने; जिन्होंने हमें प्रश्न भेजे थे, हमारे पक्ष को पूरी तरह से पब्लिश नहीं करने का फैसला लिया। इन कोशिशों का मकसद अन्य बातों के साथ-साथ हमारी कंपनियों के शेयरों को गिराकर मुनाफा कमाना है। कई अथॉरिटीज इन शॉर्ट सेलर्स की जांच कर रही हैं।

ग्रुप ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और मार्केट रेगुलेटर सेबी इन मामलों की जांच कर रहे हैं। इसलिए रेगुलेटरी प्रोसेस की रिस्पेक्ट करना जरूरी है। हमें कानून की प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है। हम अपने खुलासों की क्वालिटी और कॉरपोरेट गवर्नेंस स्टैंडर्ड के लिए पूरी तरह से आश्वस्त हैं। इन न्यूज रिपोर्ट्स का समय संदिग्ध, शरारती और दुर्भावनापूर्ण है। हम इन रिपोर्ट्स को पूरी तरह से खारिज करते हैं।

ओसीसीआरपी ने रिपोर्ट में 2 करीबियों का जिक्र भी किया

कई टैक्स हेवन देशों की फाइलों और अडाणी ग्रुप के आंतरिक ई-मेल का हवाला देते हुए , ओसीसीआरपी ने कहा कि उसकी जांच में कम से कम 2 ऐसे मामले सामने आए, जहां रहस्यमयी निवेशकों ने इस तरह के ऑफशोर स्ट्रक्चर (गुमनाम फंड्स) के जरिए अडाणी के शेयर खरीदे और बेचे।

ओसीसीआरपी ने दावा किया कि अडाणी परिवार के साथ निवेशक नासिर अली शबान अहली और चैंग चुंग-लिंग के लंबे समय से व्यापारिक रिश्ते हैं। गौतम अडाणी के बड़े भाई विनोद अडाणी के ग्रुप की कंपनियों और फर्मों में ये डायरेक्टर और शेयरहोल्डर के रूप में भी काम कर चुके हैं।

इसमें आरोप लगाया गया है कि डॉक्यूमेंट्स से पता चलता है कि उनके निवेश का काम संभालने वाली कंपनी ने विनोद अडाणी की कंपनी को उनके निवेश में सलाह देने के लिए भुगतान किया था।

हिंडनबर्ग ने 8 महीने पहले शेयर मैनिपुलेशन सहित कई आरोप लगाए थे

8 महीने पहले इसी साल 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई।

नेपाल में शुरू हुआ एमसीसी परियोजनाओं का कार्यान्वयन, अमेरिका देगा 500 मिलियन डॉलर का अनुदान

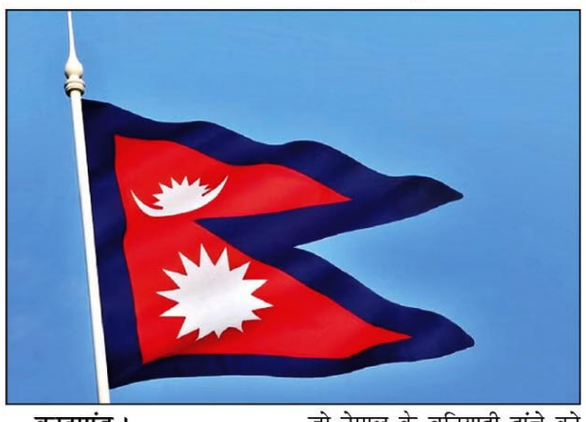

काठमांडू।

नेपाल में अमेरिकी सहयोग वाली परियोजना लागू हो गया है। नेपाल में 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। हाल ही में, नेपाल-अमेरिका ने काठमांडू को 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान पर हस्ताक्षर किये थे। इसके तहत नेपाल में अमेरिका की सहायता से सड़कों की गुणवत्ता के साथ ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया जाएगा। बता दें, नेपाल में इन दिनों चीन भी बुनियादी ढांचा में निवेश कर रहा है।

एमसीसी लागू करने में कई मुश्किलें

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को वित्त मंत्री डॉ. प्रकाश शरण महत और एमसीसी के कॉम्पैक्ट ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष कैमरून अल्फोर्ड ने एंट्री इनटू फोर्स से संबंधित एक पत्र का आदान-प्रदान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि एमसीसी के तहत बिजली ट्रांसमिशन लाइन और सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जो नेपाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्व साबित होंगी। एमसीसी लागू करने में हमें कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा।

अमेरिकी राजदूत- देश भविष्य में समृद्ध होगा

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि नेपाल में अब भी बुनियादी ढांचे को विकसित पर काम करने की आवश्यकता है। एमसीए-नेपाल के तहत सड़क परियोजनाओं से नागरिकों को राहत मिलेगी। इससे उत्पादन-उद्यमों को बढ़ावा दिया जाएगा। ट्रांसमिशन लाइन के कारण भारत के साथ अंतर राज्य बिजली व्यापार आसान होगा। एमसीए-नेपाल के सीईओ खड्ग बहादुर बिस्ता ने बताया कि भूमि अधिग्रहण और मुआवजे से संबंधित गतिविधियों को दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, नेपाल में अमेरिकी राजदूत डीन आर थॉम्पसन ने बताया कि एमसीसी-नेपाल समझौते के कारण भविष्य में नेपाल समृद्ध होगा। सूत्रों के अनुसार, परियोजना को पांच साल में पूरा कर लिया जाएगा।

जुलाई में बढ़ा चाय का उत्पादन

पिछले महीने प्रोडक्शन 6.2 प्रतिशत बढ़कर हुआ 165 मिलियन किलोग्राम

नई दिल्ली।

देश में चाय का उत्पादन हर साल बढ़ रहा है। आंकड़ो के मुताबिक जुलाई 2023 में चाय का उत्पादन 6.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 165.01 मिलियन किलोग्राम हो गया, जबकि पिछली समान अवधि में 155.29 मिलियन किलोग्राम था।

क्या कहते हैं आंकड़े

टी बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत में जुलाई के दौरान चाय का उत्पादन 143.05 मिलियन किलोग्राम रहा, जबकि पिछली समान अवधि में यह 135.77 मिलियन किलोग्राम था। वहीं जुलाई में दक्षिण भारत में उत्पादन 21.95 मिलियन किलोग्राम रहा, जो पिछली साल की समान अवधि में 19.52 मिलियन किलोग्राम था।

छोटे चाय उत्पादकों ने बढ़ाया चाय उत्पादन

कुल मात्रा के अनुपात के रूप में छोटे चाय उत्पादकों द्वारा उत्पादन का प्रतिशत जुलाई 2023 में बढ़कर 50.9 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार 2022 के पिछले समान महीने में यह 50.2 प्रतिशत था।

कहां हुआ सबसे ज्यादा उत्पादन

उत्तर भारत में, असम और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों ने पिछले महीने यानी जुलाई 2023 में सबसे ज्यादा उत्पादन दर्ज किया है। आंकड़ों के अनुसार, प्रीमियम दार्जिलिंग किस्म की फसल जुलाई 2023 के दौरान दस लाख किलोग्राम कम थी, जबकि पिछली समान अवधि में यह 1.04 मिलियन किलोग्राम थी।

भारत चाय उत्पादन में दूसरा सबसे बड़ा देश

आपको बता दें कि चाय उत्पादन में भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा चाय की खपत वाले देशों में से एक है। यहां उत्पादित चाय का 80 प्रतिशत स्थानीय लोग उपभोग करते हैं।

भारत दुनिया के शीर्ष पांच चाय निर्यातकों में से एक है। आंकड़ो की माने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल निर्यात का 10 प्रतिशत निर्यात भारत करता है। भारत अपनी चाय दुनिया के 25 देशों में करता है जिसमें रूस, ईरान, यूएई, यूएस, ब्रिटेन, जर्मनी और चीन शामिल है।

कम बारिश से महंगी हो सकती हैं खाने-पीने की चीजें : 8 साल बाद मानसून में सबसे कम बारिश, दाल-सब्जियां और चीनी की बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली।

देश में इस साल पिछले आठ वर्षों की सबसे कम मानसूनी बारिश के चलते देश के 146 प्रमुख जलाशयों का स्तर 10 साल के औसत से भी नीचे गिर गया है। इससे रबी की फसलों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है क्योंकि इनकी सिंचाई पर निर्भरता सबसे अधिक है। वहीं खरीफ फसल की बुआई अगस्त में खत्म हो जाएगी जिसमें सुधार की गुंजाइश बेहद कम है। रेटिंग एजेंसी केयर एज के मुताबिक कम बारिश की वजह से चीनी, दालें, तेल, चावल और सब्जियां महंगी हो सकती हैं। जुलाई में महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 फीसदी पर जा पहुंची, वहीं ओवर-ऑल फूड महंगाई दर 11.51प्रतिशत रही। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि सरकार महंगाई को नियंत्रण में करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

अक्टूबर के बाद घट सकती है फूड प्रोडक्ट की महंगाई

रिपोर्ट के मुताबिक, फूड एंड बेवरेजेस की महंगाई जुलाई-सितंबर तिमाही में सबसे अधिक औसतन 9.4प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इसके घटकर 6.9प्रतिशत पर आने का अनुमान है। जनवरी-मार्च 2024 में इसके और भी गिरावट के साथ 5.9प्रतिशत पर रह जाने का अनुमान है।

ग्रामीण मांग पर हो सकता है बढ़ती कीमतों का असर

कुछ समय से सुधर रही ग्रामीण मांग अब महंगाई संबंधी चिंताओं के फिर से उभरने से कमजोर होने की आशंका है। हमें उम्मीद है कि अक्टूबर तिमाही में खाद्य महंगाई सहित समग्र महंगाई में कमी आएगी और ग्रामीण मांग में सुधार होगा।

बढ़ती कीमतें सिर्फ भारत के लिए ही समस्या नहीं हैं

अर्थशास्त्री चिंतित हैं कि भारत की बढ़ती फूड महंगाई ग्लोबल स्तर पर फूड प्रोडक्ट की महंगाई बढ़ा सकती है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है। अगर चावल का उत्पादन घटता है, तो गेहूं की कीमतें भीं बढ़ सकती हैं, जिसका उपयोग कुछ मामलों में चावल के विकल्प के रूप में किया जाता है।

एक्स पर जल्द ही कर सकेंगे ऑडियो-वीडियो कॉलिंग

मस्क बोले- नंबर एक्सचेंज किए बिना बात कर सकेंगे यूजर्स

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्विटर) पर यूजर्स जल्द ही बिना नंबर शेयर किए ऑडियो-वीडियो कॉल कर सकेंगे। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

दरअसल, हाल ही में एक्स की डिजाइनर एंड्रिया कॉनवे ने एक पोस्ट में लिखा था कि अभी-अभी एक्स पर किसी को कॉल किया। इसके बाद से मीडिया रिपोर्ट में जल्द इस फीचर के ऐड होने को लेकर दावा किया जा रहा था। इससे बाद कंपनी की सीईओ लिंडा याकारिनो ने ये बात कंफर्म की थी। अब एलन मस्क ने भी इस फीचर को प्लेटफॉर्म पर एड करने की बात कही है।

सभी ऑपरेटिंग सिस्टम पर रोलआउट होगा फीचर - मस्क ने अपनी पोस्ट में बताया, एक्स पर ऑडियो और वीडियो कॉल फीचर आ रहा है। ये नया फीचर , एंड्रॉयड, मैक और कंप्यूटर पर काम करेगा। इसके लिए फोन नंबर की शेयर करने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक्स एक ग्लोबल एड्रेस बुक है, इससे किसी को भी कॉल कर सकते हैं।

प्लेटफॉर्म को एवरीथिंग ऐप बनाना चाहते हैं मस्क - एलन मस्क एक्स को एवरीथिंग ऐप बनाना चाहते हैं, जिसमें वह पेमेंट सर्विस सहित अन्य फीचर ऐड करने वाले हैं। हालांकि, कंपनी के मालिक और सीईओ ने अभी तक यह नहीं बताया कि वीडियो-ऑडियो कॉल एन्क्रिप्टेड होंगे या नहीं।

एक्स (तब ट्विटर) खरीदने के बाद मस्क के 5 बड़े फैसले...

एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में एक्स खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे...

आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला - एक्स खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने एक्स की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया - नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने एक्स पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस लॉन्च की - एलन मस्क ने दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं।

कैरेक्टर लिमिट बढ़ाई, पोस्ट पढ़ने की लिमिट - मस्क ने पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाकर 25,000 कर दी है। पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी अप्लाय की है। वेरिफाइड यूजर एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं। अनवेरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ सकते हैं।

प्लेटफार्म का नाम और लोगो बदलकर एक्स किया - 24 जुलाई को एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर का नाम और लोगो बदलकर एक्स किया। इसके बाद 26 जुलाई को देर रात लोगो के डिजाइन में कंपनी के मालिक ने छोटा सा बदलाव किया था। मस्क ने एक्स लोगो को ज्यादा बोल्ड और शार्प कर दिया है। मस्क ने कहा था, लोगो समय के साथ डेवलप होगा। वहीं मस्क ने ट्विटर का नाम एक्स करने पर कहा था, आने वाले महीनों में ट्विटर सभी तरह की फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करेगी।

अरमान ने गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ के साथ की सगाई

-शेयर की खूबसूरत पलों की तस्वीर

मुंबई (ईएमएस) । बॉलीवुड सिंगर अरमान मलिक ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ साथ सगाई कर ली है। अरमान ने सोशल मीडिया पर अपने खूबसूरत मोमेंट भी शेयर की है। फोटो में वह फिल्मी अंदाज में आशना को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। अरमान ने अपनी सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- और हमारी हमेशा के लिए अभी-अभी शुरूआत हुई है। पहली तस्वीर में सिंगर ऑफ-व्हाइट सूट पहने घुटनों के बल बैठकर आशना की उंगली में अंगूठी डालते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी लेडी लव बेहद खुश नजर आ रही हैं। वह सफेद और लाल रंग की फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। ये तस्वीरें सामने आने के बाद लोग कपल को खूब बधाइयां दे रहे हैं। गायिका नीति मोहन ने कमेंट करते हुए लिखा-, ओएमजी बधाई हो दोस्तों। कितना प्यारा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने लिखा- बधाई हो! इस नई शुरूआत के साथ आप दोनों को खुशी, स्वास्थ्य और समृद्धि की शुभकामनाएं!

अरमान मलिक एक संगीतकार परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक के भतीजे हैं। ऐसे में उन्होंने 8 साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। पर उन्हें असली पहचान उनके गाए गाने बोल दो न जरा से मिली। बता दें कि अरमान मलिक और लाइफस्टाइल ब्लॉगर आशना श्रॉफ लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने वैसे कभी अपने रिश्ते को छिपाने की कोशिश भी नहीं की है।

राखी सावंत गई मक्का-मदीना, किया उमराह

-फैंस बोले-नौटंकी बंद करो

मुंबई (ईएमएस)। कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन राखी सावंत अपना पहला उमराह करने मक्का-मदीना गई हैं। राखी सावंत ने इस्लाम धर्म कबूलने के बाद पहली बार उमराह किया। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने फैंस से घिरी हुई दिखाई दे रही हैं। मदीना में राखी सावंत बुर्का पहने नजर आईं। उन्होंने फैंस के साथ फोटोज भी खिंचवाई। एक जगह जब एक फैन ने उन्हें राखी बुलाया तो वह उन्हें कहती दिखीं कि उनका नाम फातिमा है। वह उन्हें फातिमा ही बुलाए। राखी सावंत ने एक और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह अल्लाह के सामने इबादत करती दिख रही हैं। कई लोग उनके इस वीडियो को पसंद कर रहे हैं तो कई उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज। एक ने कहा, ड्रामा बंद करो, अब सहन नहीं हो रहा। एक अन्य ने कहा, ओवरएक्टिंग नहीं करनी, उमराह करना है। राखी सावंत ने पति आदिल खान दुर्रानी से निकाह के चलते इस्लाम धर्म कबूला था। उन्होंने मई 2022 में आदिल से गुपचुप निकाह किया था, जिसकी जानकारी एक्ट्रेस ने जनवरी 2023 में दी थी। हालांकि, निकाह के एलान के कुछ ही समय बाद राखी और आदिल का रिश्ता खराब हो गया और एक्ट्रेस ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाकर उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत कर दी थी। आदिल पिछले 6 महीने तक मैसूर जेल में बंद रहें। अब वह जेल से बाहर आकर राखी सावंत को झूठा बता रहे हैं। साथ ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को भी खारिज कर दिया है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राखी पर कई गंभीर आरोप लगाए और उनके खिलाफ एक्शन लेने की धमकी भी दी है। बता दें कि बिग बॉस फेम राखी सावंत अक्सर विवादों में छाई रहती हैं। एक बार फिर वह चर्चा में हैं।

मलाइका ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को किया खारिज

मुंबई (ईएमएस)। मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को खारिज किया है। लंच डेट के लिए एक रेस्तरां में एक साथ देखे जाने के बाद मलाइका ने एक पोस्ट शेयर की, जिससे लगता है कि वह एक्टर अर्जुन कपूर के साथ ब्रेक-अप की अफवाहों को खारिज कर रही हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मलाइका ने अमेरिकी कॉमिक स्ट्रिप पीनट्स के कार्टून कैरेक्टर स्नूपी की एक फोटो शेयर की और उस पर लिखा था, उन लोगों के करीब रहें जो सनसाइन की तरह महसूस करते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों मलाइका और अर्जुन को एक साथ लंच डेट पर साथ देखा गया। दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर घूमते हुए देखा गया। मला-इका ने वाइट आउटफिट पहनी हुई थी, वहीं अर्जुन ने ब्लैक टी-शर्ट और जींस लुक कैरी किया हुआ था। खबरें थीं कि अर्जुन और मलाइका का ब्रेकअप हो गया हैं और अर्जुन अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्टर कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं। हालांकि, कुशा, जिनका हाल ही में जोरावर सिंह अहलूवालिया से ब्रेकअप हुआ है, ने ऐसी खबरों से इनकार किया। अर्जुन को डेट करने से पहले मलाइका की शादी बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के भाई और अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान से हुई थी। 1998 में शादी करने के बाद, उन्होंने मार्च 2016 में अलग होने की घोषणा की और मई 2017 में आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया।

भाभी कैटरीना की बहन से साथ स्पॉट हुए सनी कौशल

बॉलीवुड अभिनेता व विक्की कौशल के भाई सनी कौशल भी इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रहे हैं। उन्हें कई म्यूजिक एल्बम और फिल्मों में देखा जा चुका है। सनी जितना अपने भाई विक्की से करीब है, उतनी ही अच्छी बॉन्डिंग उनकी अपनी भाभी अभिनेत्री कैटरीना कैफ के साथ भी है। कई बार उन्हें कैटरीना की बहन इसाबेल कैफ के साथ भी देखा गया है। इस बीच फिर दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया है। सनी और इसाबेल कैफ को बीती रात मुंबई के ब्रांद्रा में स्पॉट किया गया। दोनों ने पैपराजी को जमकर पोज भी दिए।

इसाबेल खुले बाल और नो मेकअप लुक में काफी खूबसूरत लग रही थी। दोनों की वीडियो सोशल मीडिया पर जैसे ही सामने आई यूजर्स ने अपने रिएक्शन देने शुरू कर दिए। एक यूजर ने पूछा, क्या वे डेटिंग कर रहे हैं? एक और यूजर ने कहा, क्या चल रहा है कैफ और कुशल का।

टोनी संग रोमांस करती दिखी मनीषा रानी

-फैंस हो गए दोनों के दीवाने

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस ओटीटी 2 के बाद मनीषा रानी के आगामी म्यूजिक वीडियो की पहली झलक सामने आई है, जिसमें वह टोनी कक्कड़ के साथ रोमांस करती दिख रही हैं। बिग बॉस से निकलने के बाद मनीषा की किस्मत भी चमक गई है। टोनी कक्कड़ और मनीषा रानी को बिग बॉस के कॉन्सर्ट में जब से रोमांस करते देखा गया, तब से फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। सोशल मीडिया पर उनके नाम का हैशटैग टोनीशा भी बन गया है। शो में ही टोनी ने खुलासा किया था कि वह मनीषा के साथ एक म्यूजिक वीडियो करेंगे और अब आखिरकार जल्द ही उनका म्यूजिक वीडियो आने वाला है। टोनी और मनीषा ने सोशल मीडिया पर इसकी झलक दिखाई है। टोनी कक्कड़ और मनीषा रानी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने अपकमिंग म्यूजिक वीडियो तू दुनिया मेरी लगाया है। दोनों की केमिस्ट्री के साथ गाना जच रहा है। टोनी कक्कड़ ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, टोनीशा जल्द ही आ रहा है। मनीषा और टोनी का ये रोमांटिक वीडियो देख नेहा कक्कड़ भी कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाईं। उन्होंने लिखा है, एडब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू, टोनीशा। नेहा ही नहीं, उनके टोनीशा फैंस भी दोनों की केमिस्ट्री को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट बॉक्स को अपने प्यार से भर दिया है। अब तक इस पोस्ट को एक मिलियन से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। फैंस उनके म्यूजिक वीडियो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि मनीषा रानी बिग बॉस ओटीटी 2 के बाद रातोरात स्टार बन गई हैं। एंटरटेनमेंट क्वीन ने अपने मजाक-मस्ती और गेम से लाखों दिलों को जीता।

अपकमिंग म्यूजिक वीडियो का एक क्लिप शेयर किया है। वीडियो में टोनी और मनीषा को अलग-अलग पोज में मिरर सेल्फी लेते हुए देखा जा सकता है। कहीं दोनों एक-दूसरे को प्यार से निहार रहे हैं तो कहीं वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुरा रहे हैं। मनीषा और टोनी की केमिस्ट्री लाजवाब है। वीडियो के बैकग्राउंड में टोनी ने अपने

कैंडल जेनर को नाइट आउट के दौरान किया गया स्पॉट

हॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस एक्ट्रेस केंडल जेनर को हाल ही में सांता मोनिका में नाइट आउट के दौरान स्पॉट किया गया, जहां उनका कैजुअल लुक देखने को मिला। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान केंडल लेवेंडर और स्काई-ब्लू मैक्सी ड्रेस में नजर आईं।

इस लुक को उन्होंने लाइट मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया और कैमरे के सामने जबरदस्त पोज देती दिखीं। फैंस को केंडल का ये कैजुअल लुक काफी पसंद आ रहा है। बता दें, केंडल जेनर अपने काम के अलावा सोशल मीडिया की दुनिया में भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी 293 मिलियन फॉलोइंग है, जो उनकी तस्वीरों पर खूब प्यार लुटाती है। एक्ट्रेस केंडल अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं।

अल्लु अर्जन को बेस्ट अभिनेता का अवार्ड मिलने से दुखी हैं ये डायरेक्टर

हाल ही में अल्लु अर्जन को 69वें नेशनल फिल्म अवार्ड में बेस्ट अभिनेता के अवार्ड से नवाजा गया है। जहां सभी अभिनेता को इस अव-ार्ड मिलने पर खुशी जाहिर कर रहे हैं, वहीं, डायरेक्टर शूजित सरकार इससे नाखुश नजर आ रहे हैं। इसका अंदाजा उनके हालिया बयान से लगाया जा रहा है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म सरदार उधम के डायरेक्टर शुजित सरकार को फिल्म के बेस्ट हिंदी फिल्म के सहित पांच अवाड्र्स मिले हैं। हालांकि, विक्की को इसके लिए बेस्ट अभिनेता अवार्ड नहीं मिल पाया है जिसका दुख शूजित सरकार ने जाहिर किया है। उन्होंने हाल ही में एक बयान देकर कहा कि इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विक्की बेस्ट अभिनेता का अवार्ड डिजर्व करता था। जिस तरह से उसने सरदार उधम के लिए ट्रांसफॉर्म किया था, वह काबिले-ए-तारीफ है। हमने जलियावाला बाग सीक्वलेंस से श-ूरूआत की थी। पहले शॉट वह था जहां उधम डेड बॉडीज को उठा रहा है, वह उनका दर्द फील कर सकता था। शूजित ने कहा कि उस नाइटमेयर को पूरे सेट ने देखा था। इसी से फिल्म की टोन सेट हुई थी। विक्की कई रातों तक सो न सका था।

हाई स्टैंडर्ड रखने का मतलब नकचढ़ा होना नहीं : जान्हवी

-टिंडर के स्वाइप राइड के नवीनतम एपिसोड में कहा

मुंबई (ईएमएस)। डेटिंग को लेकर टिंडर के स्वाइप राइड के नवीनतम एपिसोड में अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कहा, ह्लअपने आप से प्यार करना यह जानने के बारे में है कि आप अधिक लायक हैं, और किसी ऐसे व्यक्ति के लिए समझौता न करें जो इसे ऐसे नहीं देखता। सुंदरता सभी आकारों में आती है और खुशी अपने हर हिस्से को प्यार करने से शुरू होती है। एक मॉडर्न महिला के रूप में मैंने सीखा है कि हाई स्टैंडर्ड का होना नखरेबाजी नहीं है। यह स्वयं को इतना महत्व देना है कि आप जान सकें कि आप किस योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब डेटिंग की बात आती है, तो ईमानदारी ही सब कुछ है। कोई खेल नहीं, सिर्फ वास्तविक संबंध होना चहिए। टिंडर की स्वाइप राइड का यह एपिसोड यह याद दिलाता है कि एक ऐसी दुनिया है, जो लेबल से प्यार करती है, लेकिन इसमें आपका मूल्य, आपका शरीर और आपके नियम मायने रखते हैं। आप एक ऐसे रिश्ते के हकदार हैं, जो आप सभी को वैसे ही प्यार करता है जैसे आप हैं। बातचीत के दौरान जान्हवी ने बताया कि कैसे महिलाओं को अक्सर यह महसूस कराया जाता है कि वे पर्याप्त नहीं हैं, या आदर्श सौंदर्य मानकों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपनी त्वचा के प्रति आश्वस्त रहना और कम पर समझौता करने से इनकार करना आत्म-प्रेम और स्वस्थ रिश्ते को बढ़ावा देने की कुंजी है। यह भावना भारत में डेटिंग करने वाली 86 प्रतिशत महिलाओं के साथ मेल खाती है, जो कहती हैं कि डेटिंग करते समय खुद को प्राथमिकता देना सही है। वे इस बारे में भी बात करते हैं कि आज किसी को जानने के लिए सिचुएशनशिप एक रोमांचक और कम दबाव वाला तरीका है। यह आज भारत में डेट करने वाली 40 प्रतिशत युवा महिलाओं के लिए सच है, जो अपनी वर्तमान डेटिंग प्राथमिकता के रूप में सिचुएशनशिप को चुनती हैं, जो अपनी शर्तों पर प्यार करने की इच्छा को दशार्ती है।

उन्होंने कहा कि जब डेटिंग की बात आती है तो आज युवा महिलाएं इस बारे में स्पष्ट रूप से सोचती हैं कि उन्हें क्या चाहिए। लोकप्रिय लेखिका सुप्रिया जोशी के साथ फिल्म निर्देशक डेबी राव द्वारा सह-निर्मित स्वाइप रा-इड सीरीज उन महिलाओं को एक साथ लाने का प्लेटफार्म है जो अपने फैसले खुद लेना पसंद करती हैं, चाहे वह उनके करियर में हो, या उनके डेटिंग जीवन में।

सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान

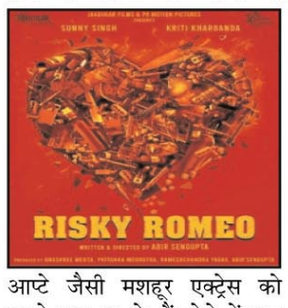

मुंबई (ईएमएस) । कलाकार सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका टाइटल रिस्की रोमियो है। खास बात ये है कि एक कॉमेडी मसाला मूवी होने वाली है, जिसमें एक्ट्रेस कृति खरबंदा के साथ पहली बार सनी सिंह स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से रिस्की रोमियो का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। सनी सिंह और कृति खरबंदा की इस अपकमिंग फिल्म के पोस्टर से ये साफ अनुमान लगाया जा सकता है कि ये एक न्यू ऐज जॉनर एपिक कॉमेडी फिल्म साबित हो सकती है। इस मूवी का डायरेक्शन अबीर सेन गुप्ता कर रहे हैं, ये वही अबीर हैं जो इंदु की जवानी में कियारा आडवाणी और मिसेज अंडरकवर में राधिका आप्टे जैसी मशहूर एक्ट्रेस को डायरेक्ट कर चुके हैं। ऐसे में अब अबीर सेन गुप्ता ने रिस्की रोमियो के जरिए एक फ्रेश पेयर सनी सिंह और कृति खरबंदा पर दांव खेला है। रिस्की रोमियो के इस मोशन पोस्टर ने फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है, जिसके चलते वे इस पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। सनी सिंह और कृति खरबंदा ने बतौर कलाकार इंडस्ट्री में अपनी खास छाप छोड़ी है। प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में सनी अपनी दमदार एक्टिंग की मिसाल पहले ही कायम कर चुके हैं। दूसरी ओर कृति खरबंदा राज रिबूट, पागलपंती, हाउसफुल 4 और शादी में जरूर आना जैसी फिल्मों से कृति अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। ऐसे में अब रिस्की रोमियो के जरिए इन दोनों कलाकारों की जोड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी, तो ये देखना काफी दिलचस्प रहेगा। बता दें कि फिल्म आदिपुरुष में शेष का किरदार अदा करने वाले कलाकार सनी सिंह किसी अलग पहचान के मोहताज नहीं हैं। इंडस्ट्री के उभरते हुए एक्टर्स में उनका नाम जरूर शामिल होता है।

सूडोकु नवताल- 6539

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6538 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्दजाल- 7286

अ	व	र	नो	ए	न्ट्री	स	प	ला	नी	का	
धु	है	क	ज	इं	डो	ने	ह	इं	म	ल	
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि	
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही	
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि	
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या	
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती	
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला	
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे	
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र	
त	र	सु	न	मा	ख	रा	ज	त	र	म	

शब्दजाल में ईशा देओल 10 फिल्मों के नाम' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नो एन्ट्री, दस, प्यारे मोहन, धुम, युवा, इंसान, अनकही, क्या दिल ने कहा, कोई मेरे दिल से पुछे, काल.

शब्दजाल - 7285 का हल

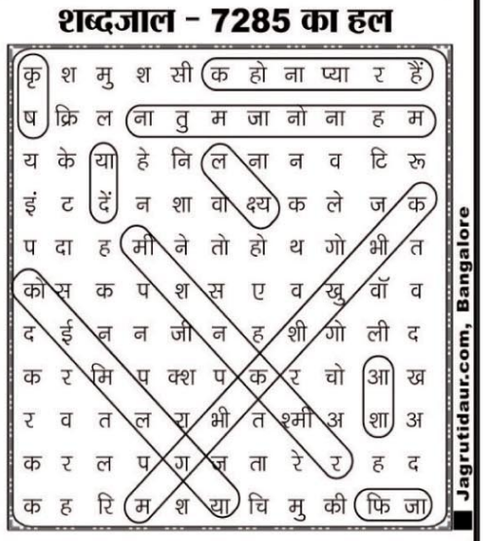

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6239

5		2		1	6	
	23	1	26		40	
		3	4	5		7
4	32		32		32	4
7	6	5		3		
	47		35	7	26	2
	7	6			4	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6238 का हल

4	2	1	6	3	5	7
2	31	7	31	4	28	2
7	5	3	6	1	2	4
5	37	6	33	6	29	3
6	3	2	4	5	7	1
3	29	5	32	7	40	5
1	5	4	3	2	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

पहला टी-20...ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 111 रन से हराया : कप्तान मार्श ने नाबाद 92 रन की पारी खेली; डेब्यूटेंट संघा ने 4 विकेट झटके

डरबन।

ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 111 रन से हरा दिया। डरबन में खेले गए टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 226 रन बनाए।

जवाब में 227 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने 15.3 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए।

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। कप्तान मिचेल मार्श प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले तनवीर संघा ने शानदार गेंदबाजी की। सीरीज का दूसरा मुकाबला डरबन में ही खेला जाएगा।

मार्श और डेविड की अर्धशतकीय पारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की तरफ से कप्तान मिचेल मार्श ने शानदार पारी खेलते हुए 49 गेंदों पर 2 छक्के और 13 चौकों की मदद से नाबाद 92 रन का पारी खेली। उनके अलावा टिम डेविड ने भी 28 गेंदों पर 4 छक्के और 7 चौकों की मदद से 64 रन की बेहतरीन पारी खेली।

साउथ अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लिजार्ड विलियम्स को मिले। उन्होंने तीन विकेट झटके। उनके अलावा मार्को यानसन, गेराल्ड कोएट्जी और तबरेज शम्सी ने एक-एक विकेट लिए।

संघा ने 4 विकेट झटके

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तनवीर संघा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। 21 साल के तनवीर अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। तनवीर लेग ब्रेक बॉलर हैं। उन्होंने इस मैच में 4 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट लिए। संघा के अलावा मार्कस स्टोइनिस ने तीन विकेट लिए। स्पेंसर जॉनसन को दो और सीन एबॉट को एक विकेट मिला। साउथ अफ्रीका की ओर से रीजा हेंड्रिक्स ने सबसे ज्यादा 56 रन की पारी खेली। कप्तान एडेन मार्करम सिर्फ 7 रन का ही योगदान दे पाए।

रासी वान डर डसेन ने 21 और मार्को यानसन ने 20 रन की पारी खेली। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर सका।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन 2023... जोकोविच तीसरे राउंड में पहुंचे: थिएम रिटायर होकर बाहर, सिटसिपास उलटफेर का शिकार; स्वितेक और गॉफ जीती

नई दिल्ली । स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के तीसरे

राउंड में पहुंच गए हैं। साल 2020 के मेंस सिंगल्स चैम्पियन डोमोनिक थिएम दूसरे दौर में रिटायर होकर बाहर हो गए। वहीं ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास उलटफेर का शिकार हो गए। विमेंस सिंगल्स की डिफेंडिंग चैम्पियन इगा स्वितेक और अमेरिका की कोको गॉफ भी ग्रैंडस्लैम के तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं। 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने यूएस ओपन के दूसरे राउंड में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर 76वीं रैंकिंग वाले मिरालेस के खिलाफ दो घंटे में 6-4, 6-1, 6-1 से जीत हासिल की। सर्बियाई स्टार का अगला मुकाबला हमवतन और 32वीं वरीयता प्राप्त लास्लो जेरे से है। डिफेंडिंग चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी स्वितेक ने ऑस्ट्रेलिया की डारिया सैविले को 6-3, 6-4 से हराया। स्वितेक अब अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को स्लोवेनिया की काजा जुवान का सामना करेंगी। 19 साल की गॉफ ने 16 साल की मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-2 से हरा दिया। तीसरे राउंड में उनका सामना बेल्जियम की एलिस मर्टेंस से होगा। तीन साल पहले टाइटल जीत चुके थिएम अमेरिका के बेन शेल्टन के खिलाफ मैच में रिटायर हो गए। वहीं सातवीं सीड सिटसिपास को स्विट्जरलैंड के क्वालिफायर खिलाड़ी डोमिनिक स्टिकर 7-5, 6-7, 6-7, 7-6, 6-3 ने हराया।

आईडीएफसी बना भारत के घरेलू इंटरनेशनल मैचों का टाइटल स्पॉन्सर: मास्टरकार्ड की जगह लेगा; डील अगस्त 2026 तक रहेगी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के घरेलू इंटरनेशनल मैचों के टाइटल राइट्स प्राइवेट सेक्टर के बैंक आईडीएफसी ने हासिल कर लिए हैं। इस डील से बीसीसीआई को एक मैच के लिए आईडीएफसी की तरफ से 4.2 करोड़ रुपए मिलेंगे। पिछली बार टाइटल राइट्स मास्टरकार्ड के पास थे तब बीसीसीआई को 3.8 करोड़ रुपए प्रति मैच मिलते थे। अब इसमें 40 लाख रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह डील अगस्त 2026 तक के लिए होगा। इसमें 56 मैच शामिल होंगे। यह कॉन्ट्रैक्ट अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के साथ शुरू होगी। बीसीसीआई की टाइटल स्पॉन्सरशिप हासिल करने की रेस में आईडीएफसी ने सोनी स्पोर्ट्स को पीछे छोड़ा। इन दोनों के अलावा इस नीलामी में किसी और कंपनी ने हिस्सा नहीं लिया था। टीम इंडिया की जर्सी पर अब बायजू की जगह फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग कंपनी ड्रीम-11 का लोगो नजर आता है। ड्रीम-11 ने इसी साल जुलाई में टीम इंडिया की जर्सी के मुख्य स्पॉन्सरशिप राइट्स 358 करोड़ रुपए में खरीदे थे। यह डील 3 साल के लिए है। बायजू का कॉन्ट्रैक्ट इसी साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद खत्म हो गया था। इस तरह 3 महीने तक भारत का कोई जर्सी स्पॉन्सर नहीं रहा, अब शुक्रवार देर रात बीसीसीआई ने ड्रीम-11 के साथ पार्टनरशिप के बारे में ऐलान किया। इसी साल जून में एडिडास ने टीम इंडिया के किट स्पॉन्सरशिप राइट्स खरीदे। एडिडास टीम इंडिया की जर्सी डिजाइन करेगा और द्विपक्षीय सीरीज में मैचों के दौरान खिलाड़ियों की जर्सी के कंधे वाले हिस्से पर एडिडास रहेगा। वहीं खिलाड़ियों के चेस्ट वाले हिस्से पर ड्रीम-11 लिखा नजर आएगा।

पीटी उषा राष्ट्रमंडल खेल महासंघ उपाध्यक्ष पद का लड़ेंगी चुनाव, उम्मीदवारों की सूची जारी

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की पहली महिला अध्यक्ष उड़नपरी पीटी उषा अब राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के उपाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ेंगी। सीजीएफ की ओर से छंटनी के बाद उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, खेल समिति सदस्य चुने जाएंगे। पीटी उषा कुक आईलैंड के ह्यू ग्राहम, द. अफ्रीका के बैरी हैंड्रिक्स, बारबेडोस की सांद्रा ओसबोर्न, कनाडा के रिचर्ड पावर्स, स्कॉटलैंड के इयान रीड, यूगांडा के डॉ. डोनाल्ड रुकारे के साथ चुनाव लड़ेंगी। चुनाव 14 और 15 सितंबर को सिंगापुर में होने वाली सीजीएफ की जनरल असेंबली में होंगे। अध्यक्ष पद केलिए वेल्स के क्रिस जेनकिंस और न्यूजीलैंड के केरिन स्मिथ चुनाव लड़ रहे हैं।

नोएडा ने कानपुर को 16 रन से हराया

समर्थ सिंह ने 58 गेंद में 10 चौके और 4 छक्के लगाए; टाइगर श्राफ के डांस पर झूमे दर्शक

कानपुर।

प्रदेश में पहली बार खेले जा रहे यूपी टी-20 लीग का आगाज ग्रीनपार्क में गुब्बारा उड़ा कर किया गया। नोएडा सुपर किंग्स टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 169 रन बनाए। कानपुर सुपरस्टार को 170 रनों का लक्ष्य दिया। बदले में कानपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट होकर 153 रन ही बना सकी। नोएडा की तरफ से समर्थ सिंह ने 58 गेंद में 10 चौके और4 छक्कों की मदद से 91 रनों की पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच समर्थ सिंह को चुना गया। वहीं, चौके-छक्के लगने से पहले बॉलीवुड सेलिब्रिटी के रंगारंग कार्यक्रमों ने चार चांद लगा दिए। गदर-2 की अभिनेत्री अमीषा पटेल ने पहले ग्राउंड पर आकर लोगों को चीयरअप किया। इसके बाद उनकी परफॉर्मेंस ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। एक्टर मनीष पॉल ने कहा कि यूपी का लेवल है। कानपुर बढ़िया नहीं, बल्कि चौकस है।

टाइगर श्रॉफ के बॉलीवुड बीट्स पर दर्शकों ने किया डांस - अमीषा के बाद टाइगर श्रॉफ ने बॉलीवुड बीट्स पर पूरे ग्राउंड को हिला कर रख दिया। बॉलीवुड गानों पर टाइगर ने धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। वहीं मीत ब्रदर्स ने भी अपने गानों से ग्राउंड पर माहौल बना दिया। मैच में चीफ गेस्ट के रूप में यूपीसीए के चेयरमैन और पूर्व डीजीपी डीएस चौहान, अध्यक्ष डॉ. निधिपत सिंघानिया और राजीव शुक्ला भी मौजूद हैं।

यूपी टी-20 लीग मैच फ्री देख

सकेंगे दर्शक - इतने बड़े आयोजन के बावजूद दर्शक संख्या कम होने से मैच में टिकट व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के मुताबिक, मैच में दर्शक अब फ्री में मैच देख सकेंगे। सभी 33 मैच दर्शक ग्रीनपार्क आकर मुफ्त में देख सकेंगे। हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। दर्शक क्षमता को बढ़ाने के लिए ये फैसला लिया गया है। टिकट 100 से 400 रुपए तक यूपीसीए के अध्यक्ष डा. निधिपत सिंघानिया ने कहा, यूपी लीग को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए श्रेय राजीव शुक्ला को जाता है। कानपुर समेत यूपी के युवाओं के लिए इस तरह के आयोजन होते रहेंगे। खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए ये प्लेटफॉर्म काफी अच्छा साबित होगा। यह हमारा और राजीव शुक्ला का सपना था कि यूपी में इस तरह का भव्य आयोजन किया जाए। हम चाहेंगे कि आने वाले समय में यूपी में हर एक शहर में क्रिकेट के इस तरह के भव्य आयोजन करें। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि यूपी से हर साल कम से कम 150 प्लेयर्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फलक पर लेकर जाएगा। दूसरे शहरों में इस तरह के आयोजन कराएंगे।

कानपुर और नोएडा की टीम में कई स्टार खिलाड़ी - यूपी टी-20 लीग का पहला मुकाबला कानपुर और नोएडा की टीम के बीच होगा। कानपुर सुपर किंग्स की टीम युवा खिलाड़ियों से भरी हुई है। जिसमें कप्तान अक्शदीप नाथ, अंकित राजपूत, समीर रिजवी, आदर्श सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। जो किसी भी टीम के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

कानपुर सुपर स्टार की टीम - कप्तान अक्शदीप नाथ, अंकित राजपूत, समीर रिजवी, आकिब खान, जसमेर धनकर, अंश यादव, आदर्श सिंह, राहुल राजपाल, शानू सैनी, प्रशांत चौधरी, विनीत पंवार, प्रांजल सैनी, कुशाग्र शर्मा, विवेक, अजय कुमार, ऋषभ राजपूत, शिवम सारस्वत, कार्तिकेय यादव, विशाल पांडेय और शुभ खन्ना।

नोएडा सुपर किंग्स की टीम - कप्तान नीतीश राणा, भुवनेश्वर कुमार, सौरभ कुमार, समर्थ सिंह, अलमास शौकत, प्रशांत वीर, नमन तिवारी, कुनाल त्यागी, अर्जुन भारद्वाज, किशन, शिवेन मेहरोत्रा, शांतनु, ओशो मोहन, चैतन्य पराशर, मो. जावेद, मनीष सोलंकी, रोहित द्विवेदी, निलोत्पलेंदु प्रताप और तरुण।

हर दिन खेले जाएंगे दो मुकाबले - यूपी टी-20 लीग 18 दिन चलेगी। इसमें कुल 33 मैच खेले जाएंगे। शुभारंभ वाले दिन एक मैच होगा और फाइनल वाले दिन एक मैच खेला जाएगा। इसके अलावा 14 सितंबर को भी एक मैच खेला जाएगा। बाकी हर दिन दो मैच होंगे।

ये हैं भाग लेने वाली टीमों के नाम - कानपुर सुपर स्टार, लखनऊ फाल्कंस, गोरखपुर लायंस, काशी रुद्राश, मेरठ मेवरिक्स, नोएडा सुपर किंग्स। सभी टीम को 5-5 मैच खेलने हैं। इसके अलावा जो भी टॉप चार टीमें होंगी, उनके बीच सेमीफाइनल मुकाबले होंगे। यह मुकाबले ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे।

पहले दिन 10 हजार से ज्यादा टिकट बिके - लीग के भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहले दिन के मैच के लिए 10 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से प्रदेश में पहली बार यूपी टी20 लीग का आयोजन किया जा रहा है।

हमारे पास कौशल और गेंदबाजी लाइनअप है: मोहम्मद शमी

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया एशिया कप 2023 से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी टीम के साथ वापस आ गई है। मेन-इन-ब्लू अपना पहला मैच शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बड़े टूर्नामेंटों की संभावनाओं को व्यक्त किया। बड़े खेलों के लिए, हमेशा तैयारी होती है क्योंकि हमने प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास किया है। मुझे नहीं लगता कि हमें स्थिति का बहुत अधिक विश्लेषण करना होगा, हमारे पास कौशल और गेंदबाजी लाइनअप है, इसलिए हमें बहुत अधिक सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन

मुझे एक बात कहनी है कि जब भी वनडे मैच आते हैं तो फोकस होना चाहिए। इसलिए फोकस होना चाहिए और उचित योजना बनानी चाहिए। शमी ने टीम की क्षमता और गेंदबाजी चयन में निरंतर विश्वास के साथ एक दिवसीय मैचों के दौरान फोकस बनाए रखने और अच्छी तरह से संरचित योजना का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। शमी इस बात पर भी विचार करते हैं कि जसप्रीत बुमराह जैसे महत्वपूर्ण व्यक्ति टीम की प्रभावशीलता को कैसे प्रभावित करते हैं, खासकर सफेद गेंद शैली में। शमी ने कहा, यह इस पर निर्भर करता है कि मेरे पास नई गेंद है या नहीं या टीम को मैच के दौरान किसी भी चरण में मेरी जरूरत है या नहीं, मैं हमेशा तैयार रहता हूं। मुझे नई गेंद या पुरानी गेंद से गेंदबाजी करने में कोई झिझक नहीं है। ऐसा अहंकार मत रखो। हम तीनों (बुमराह, शमी और सिराज) बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए यह प्रबंधन पर निर्भर करता है कि कौन खेलेगा। उन्होंने आगे कहा, केवल एक ही लक्ष्य है, जाना और अपना 100प्रतिशत देना, अगर हम अपना 100प्रतिशत देंगे तो परिणाम हमारे पास आएगा। इसलिए इस पर ध्यान केंद्रित करना और क्रियान्वित करना बहुत महत्वपूर्ण है, यह एक बहुत ही सरल योजना है।

भारत 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप होस्टिंग की बिडिंग को तैयार भारत को ट्रैक एंड फील्ड में गोल्ड दिलाने वाले नीरज चोपड़ा ने किया दावा

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड एथलेटिक चैंम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में दावा किया कि 2027 में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए भारतीय एथलेटिक्स संघ बोली लगा सकता है। नीरज ज्यूरिख में डायमंड लीग में भाग लेने के लिए गए हुए हैं। उन्होंने डायमंग लीग की पूर्व संध्या पर प्रेस कांन्फ्रेंस में भारत की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी की संभावना के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा, भारत 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबनी की बोली लगाने जा रहा है। मैं भारतीय फैन्स से अनुरोध करूंगा और मुझे उम्मीद है कि भारी संख्या में लोग उस टूर्नामेंट को देखने के लिए आएंगे। नीरज ने आगे कहा, जेवलिन थ्रो भारत में अब प्रसिद्ध हो गया है। हमें एथलेटिक्स को समझने और इसके बारे में जानने की जरूरत है। एथलेटिक्स में बहुत इवेंट हैं। केवल इसमें जेवलिन नहीं होता है। मैं फैन्स को आने के लिए प्रेरित करूंगा। अब भारत में भी काफी संख्या में लोग एथलेटिक्स को सपोर्ट करते हैं और इसका अनुसरण करते हैं। वहीं भारतीय एथलेटिक्स संघ के सूत्र भी बताते हैं कि भारतीय एथलेटिक्स संघ 2027 वर्ल्ड चैम्पियनशिप की बोली लगाने की योजना तैयार कर रही है। इसके लिए सरकार से मंजूरी के लिए अनुरोध करेगी। 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की

बोली लगाने के लिए आवेदन पत्र जमा करने की आखिरी डेट 2 अक्टूबर है। बीजिंग ने पहले ही 2027 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अपनी बोली की घोषणा कर दी है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 1976 से हो रहा है। 1976 ओलिंपिक गेम्स में 50 किमी वॉक को बाहर किए जाने के बाद वर्ल्ड एथलेटिक्स फेडरेशन ने इसकी शुरुआत की। 1976 के बाद 1980 में इसका आयोजन हुआ था। 1983 से 1991 तक प्रत्येक चार साल के बाद इसका आयोजन होता था। 1991 के बाद से इसका आयोजन हर दो साल बाद किया जाना लगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टिम डेविड पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में शामिल

डरबन।

ऑस्ट्रेलिया ने बड़े हिट मारने वाले फिनिशर टिम डेविड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया है, जिससे उन्हें दूसरी बार विश्व कप टीम में अंतिम समय में प्रवेश करने का मौका मिलेगा।

डेविड ने टी20 सीरीज के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की 111 रन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सिर्फ 28 गेंदों में 64 रन बनाए। एकदिवसीय टीम में उनके शामिल होने से ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम को स्टीव स्मिथ (कलाई की चोट), और ग्लेन मैक्सवेल (टखने की चोट और उनके पहले बच्चे के आसन्न जन्म) की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी।

चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा, टिम पहले से ही टी20 श्रृंखला के लिए यहां हैं, जो यह देखने का अवसर प्रदान करता है कि उनका खेल एक दिवसीय प्रारूप में कैसे तब्दील हो सकता है। वह पारी के अंत में उस शक्ति भूमिका में हमारे लिए एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेंगे।

दुनिया भर में धूम मचाने वाले टी20 फिनिशर के रूप में अपने करियर के कारण,

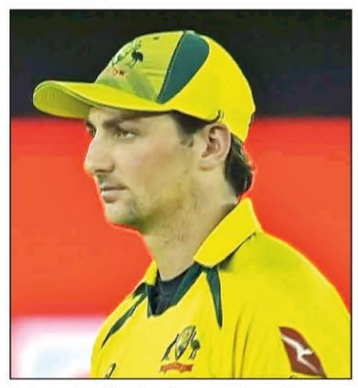

डेविड, जिन्होंने पिछले साल घरेलू मैदान पर पुरुष टी20 विश्व कप खेला था, ने केवल 16 लिस्ट ए मैच खेले हैं, और प्रारूप में उनकी आखिरी उपस्थिति लगभग दो साल पहले हुई थी। लेकिन उनका औसत 82.77 और स्ट्राइक रेट 123.14 है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के शुरूआती मैच में, डेविड 77/4 पर आए और कप्तान मिशेल मार्श के साथ मिलकर 97 रन की साझेदारी की, जो केवल 50 गेंदों पर बनी। उन्होंने अपनी शानदार पारी के दौरान सात चौके और चार छक्के लगाए।

मैच खत्म होने के बाद मार्श ने ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए डेविड की अहमियत के बारे में बात की, टिम के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह बहुत शांत स्वभाव का है। वह जानता है कि टी20 क्रिकेट में उसकी भूमिका असंगत हो सकती है। लेकिन मैच जिताने की उसकी क्षमता के कारण ही वह इस टीम में है और हमें उस पर पूरा भरोसा है। मैं चाहता हूं कि वह वैसे खेले जैसे वह हर मैच खेलना चाहता है और मुझे पता है कि अगर वह ऐसा करता है, तो वह हमें जीत दिलाएगा। वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक उत्कृष्ट संपत्ति है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज 7 से 17 सितंबर तक होगी।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम: मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, तनवीर संघा, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा।

अल्काराज आसानी से दूसरे दौर में पहुंचे, कोएफर ने चोट के कारण बीच में ही छोड़ा मुकाबला

न्यूयॉर्क।

गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने अपने खिताब की रक्षा की ओर कदम बढ़ाते हुए यूएस ओपन में पहले दौर का मुकाबला जीत लिया। स्पेनिश स्टार खिलाड़ी अल्काराज ने पहले दौर के मुकाबले में जर्मनी के डोमिनिक कोएफर को 6-2, 3-2 से हरा दिया। जब अल्काराज दूसरे सेट में 3-2 से आगे चल रहे थे तभी कोएफर ने चोट के चलते बीच मैच से हटने का फैसला लिया।

कोएफर के बाएं पैर की एड़ी में चोट लगी थी। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित कर दिया। 20 साल के अल्काराज दूसरे दौर में दक्षिण अफ्रीका के ल्योंड हैरिस के खिलाफ खेलेंगे। वहीं, पुरुष एकल के पहले दौर के अन्य मैचों में 2012 में खिताब जीतने वाले एंडी मरे ने कोरेंटिन मूटेट को 6-2, 7-5, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अमेरिकी वाइल्ड कार्डधारी माइकल एम ने पहले दौर में कारेन खचानोव को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-2 से पराजित किया। फ्रांस के उगो हुंबर्ट को मातेओ बेरेत्तिनी ने 6-4, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

43 साल की वीनस हार के साथ हुई बाहर

महिला वर्ग में अमेरिका की दिग्गज खिलाड़ी 43 साल की वीनस विलियम्स हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। बेल्जियम की क्वालिफायर ग्रीट मिनेन ने वीनस को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से शिकस्त दी। यह यूएस ओपन ग्रैंडस्लैम में वीनस के कॅरिअर के सौ मैचों में उनकी सबसे एकतरफा हार थी। उन्होंने यूएस ओपन 2000 और 2001 में जीता था। जेसिका पेगुला ने कैमिला जियोर्जी को 6-2, 6-2 से मात देकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। वहीं, फर्नांडीज को 22वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने 7-6, 5-7, 6-4 से हराया। वहीं, कैरोलिन गार्शिया को चीनी क्वालिफायर वांग याफान ने 6-4, 6-1 से हराया। विंबलडन विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने क्वालिफायर ली हान को 6-3, 6-0 से शिकस्त दी।

ब्राजील में शामिल हुए बोटाफोगो के गोलकीपर पेरी

ब्राजील । ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ ने बताया कि बोटाफोगो के अनकैप्ड गोलकीपर लुकास पेरी को बोलीविया और पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एथलेटिको पैरानेंस के बेंटो क्रेपस्की की जगह ली है, जो दाहिनी

हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। युवा स्तर पर ब्राजील का प्रतिनिधित्व करने वाले पेरी ने पिछले साल साओ पाउलो से रियो डी जेनेरो क्लब में शामिल होने के बाद से बोटाफोगो के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 50 प्रथम-टीम मैच खेले हैं। ब्राजील 7 सितंबर को बेलेन में बोलीविया से और पांच दिन बाद लीमा में पेरू से खेलेगा। जुलाई में मुख्य कोच नियुक्त किए गए फर्नांडो डेनिज़ के नेतृत्व में यह मैच ब्राज़ील का पहला मैच होगा।

एक सुखद आश्चर्य...

हाल ही में पेश हुए आम बजट में तंबाकू उत्पादों को महंगा कर दिया गया है। मकसद है इन उत्पादों से लोग दूरी बनाएं। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। भारत में सिगरेट की खपत में गिरावट आ रही है। इसे एक सुखद संकेत माना जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के मुताबिक देश में 2015-16 में लगभग 10 अरब सिगरेट कम बिके हैं। इस समयावधि के दौरान सिगरेट का उत्पादन 117 अरब से घटकर 105.3 अरब सिगरेट रह गया। बढ़ती नशाखोरी के बीच ये आंकड़े समाज और सरकार दोनों के लिए आशा की नई किरण बन सकते हैं।

गुपचुप हुई गिरावट

बढ़ती नशाखोरी पूरे देश के लिए एक बड़ी चिंता बनती जा रही है। युवा और किशोर नशे के सर्वाधिक गिरफ्त में दिखते हैं। इस आयु में आधुनिक और अलग दिखने की सहज प्रवृत्ति होती है और नशे का कारोबार करने वाली कंपनियों ने बड़ी चालाकी से नशे को आधुनिक सोच और स्वच्छंद जीवनशैली से जोड़ दिया है। इसके कारण युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। रही सही कसर अन्य देशों से होने वाली नशे की तस्करी ने पूरी कर दी है। नशे के बढ़ते चलन के बीच अच्छी खबर यह है कि भारत में बीते दो सालों में सिगरेट की खपत में तेजी से कमी आई है। यह खबर एक सुखद आश्चर्य पैदा करती है क्योंकि खपत गिरावट बहुत गुपचुप हुई है।

यह भी है वजह

संभवतः सरकार द्वारा सिगरेट के पैकेटों पर इसके नुकसानदेह होने की सूचना बड़े रूप में छापे जाने के कारण समाज में जागरूकता पैदा हो रही है। पहले शाब्दिक और छोटे रूप में यह सूचना लिखी जाती थी कि 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' लेकिन अब इस सूचना के साथ कैंसर की स्थिति को दर्शाता एक बड़ा चित्र भी निकोटिन की उपस्थिति वाले उत्पादों पर लगता है। यह चित्र उपभोक्ताओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रहा है। आंकड़ों से साफ संकेत मिलता है कि सदाबहार माना जाने वाला सिगरेट का बाजार भारत में मंदी के दौर से गुजर रहा है। कभी सिगरेट के हानिकारक प्रभावों और कंपनियों की रणनीति की तरफ संकेत करते हुए डब्ल्यूएचओ के एक निदेशक ने कहा था कि 'सिगरेट में सिर्फ उतना ही निकोटिन डाला जाता है।

भगवान शिव ने की थी श्रीगणेश की पूजा

शास्त्रों के अनुसार भगवान ब्रह्मदेव ने भविष्यवाणी की थी कि हर युग में श्री गणेश विभिन्न रुपों में अवतरित होंगे। कृतयुग में विनायक, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापरयुग में गजानन एवं धूम्रकेतु नाम से कलयुग में अवतार लेंगे। गणपति जी के आठ प्रमुख मंदिरों में से एक है महागणपति मंदिर जो रांजणगांव में पुणे अहमदनगर राजमार्ग पर 50 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। इतिहास पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है की यह मंदिर 9वीं और10वीं सदी के मध्य होंद में आया। शिव जी ने त्रिपुरासुर के साथ युद्ध करने से पूर्व गणेश जी की पूजा की थी तत्पश्चात मंदिर का निर्माण करवाया। तब यह स्थान मणिपुर के नाम से जाना जाता था पर आज इसे लोग रांजणगांव कहते हैं। शिव जी ने दैत्यराज त्रिपुरासुर को गणेश जी के आशीर्वाद से पराजित किया था इसलिए इन्हें त्रिपुरारी महागणपति के रूप में भी पूजा जाता है। इतिहास में हुए हमलों के डर से गणपति जी का वास्तविक स्वरूप मंदिर के एक तहखाने में छिपाया हुआ है। मंदिर में विराजित गणेश जी की प्रतिमा को माहोतक भी कहा जाता है क्योंकि इसकी 10 सूंड और 20 हाथ हैं। गणेश जी की प्रतिमा बैठे आसन में दिखाई देती हैं और उनके ईर्द-गिर्द रिद्धी-सिद्धी की प्रतिमाएं हैं। भव्य प्रवेश द्वार में अलंकृत महागणपति मंदिर पूर्वमुखी है। जय और विजय दो द्वारपाल हैं जिनकी प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर अवस्थित हैं। भोर फटते ही सूरज की पहली किरण सीधी प्रतिमा पर पड़ती है। श्री अष्टविनायक गणपति स्वरूपों में महागणपति गणेश जी का सबसे शक्तिशाली प्रतिरूप है।

भगवान के दिए तोहफे...

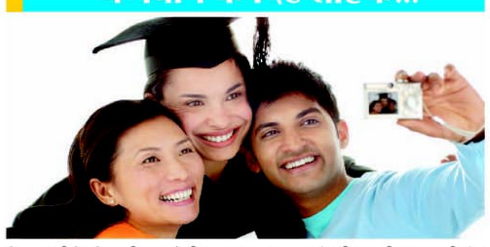

विदुर-नीति जितनी उपयोगी महाभारत काल में थी उतनी आज भी है। ऐसा भी कहा जा सकता है की इन नीतियों के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जो भगवान का दिया तोहफा होती हैं। जिस व्यक्ति के पास यह होती हैं उससे अधिक सुख और समृद्ध इस धरती पर कोई ओर नहीं हो सकता। जीवन यापन करने के लिए काम की आवश्यकता होती है। जिस व्यक्ति के पास कमाई के पर्याप्त साधन होते हैं। वह ईमानदारी से मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकता है। काम के अभाव में जीविका चलाना असंभव है। रोग और शोक व्यक्ति को तन मन से कमजोर बना देते हैं। बार-बार बीमार पड़ने वाले व्यक्ति का धन तो जाता ही है साथ ही उसे अंदर से तोड़ भी देता है। निरोगी काया संसार के तमाम सुखों से बढ़कर है। जिस व्यक्ति की पत्नी मृदुभाषी होती है, वह धरती पर जन्नत का आनंद भोगता है। उसका घर स्वर्ग के समान होता है। देवी सरस्वती के साथ-साथ महालक्ष्मी भी उसके आलय में वास करती हैं। भाग्यवान है वह व्यक्ति जिसकी संतान उसके कहे अनुसार कार्य करती है। अच्छी संतान कुल के नाम में चार चांद लगा देती है, वही बुरी संतान कुल का नाश कर देती है। ज्ञान में ऐसी शक्ति है जो रंक को भी राजा बनाने का सामर्थ्य रखती है। इससे न कोई छीन सकता है न चोरी होने की आशंका रहती है। जीवन में जैसी भी परिस्थितियां आएं, ज्ञान से कुछ भी अर्जित किया जा सकता है। जो पत्नी अपने पति को सच्चे दिल से मान देती है उसे धर्म ग्रंथों में पतिव्रता कहा जाता है। वह पत्नी अपने पति के मन भाती है जो पति की भावनाओं का सम्मान करती है और अपने घर की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करती है।

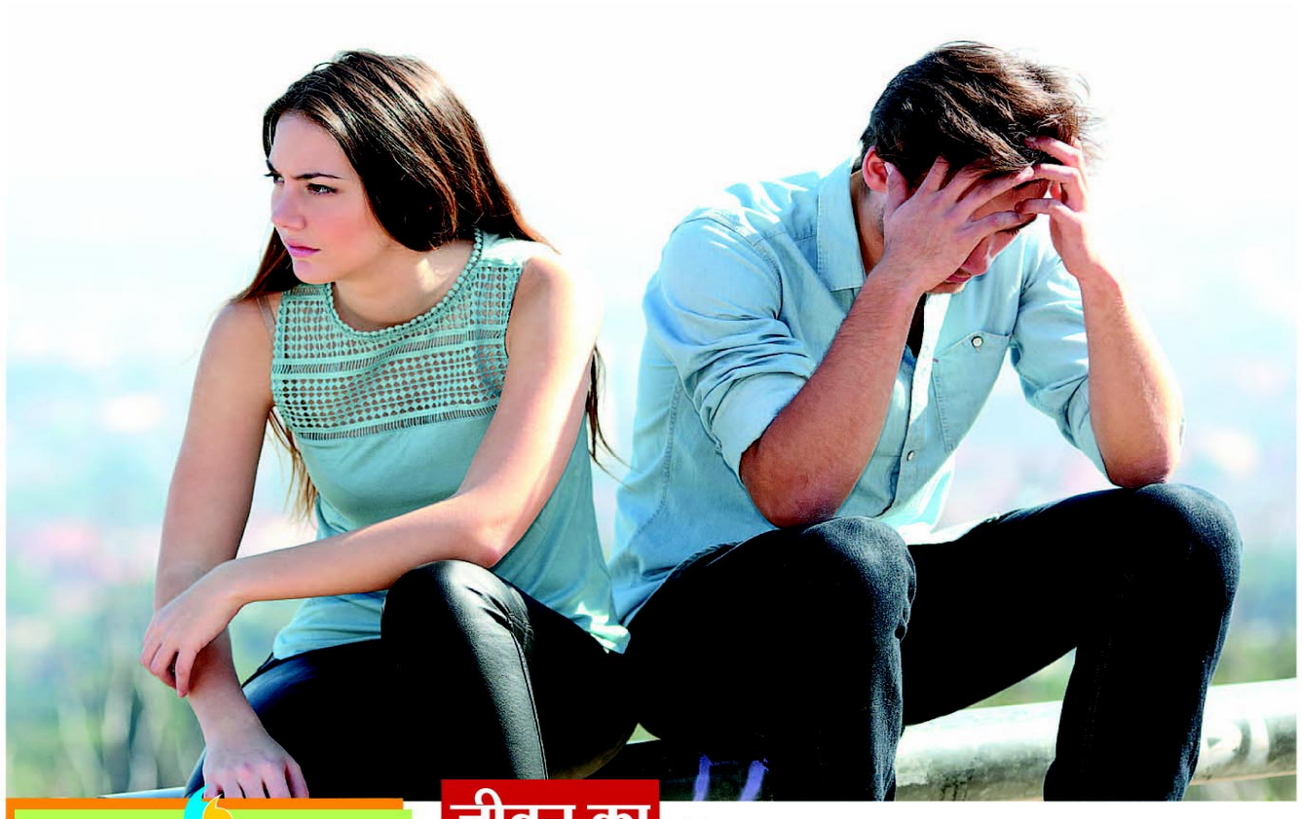

जीवन का जरूरी तत्व क्षमा...

> भूल करना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है; हम सभी भूल करते हैं, लेकिन उन्हें दोहराने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। हमें अपनी भूल का अहसास हो गया है यह दिखाने की केवल दो विधियां हैं। पहली विधि है कि भूल को न दोहराएं और दूसरी एक सच्ची क्षमा याचना द्वारा। सही ढंग से क्षमा मांगना कोई विशेष कला या ज्ञान नहीं। यह तो केवल इस पर निर्भर है कि आप स्पष्ट रूप से सत्य बोल पाते हैं कि नहीं। जब हमें वास्तव में अपने कार्य पर पछतावा होता है, तो सही शब्द स्वतः ही बाहर आने लगते हैं और क्षमा मांगना अत्यंत सरल हो जाता है।

क्षमा याचना विश्वास की एक पुनःस्थापन है। इसके द्वारा आप यह कह रहे हैं कि मैं ने एक बार आपका विश्वास तोड़ा है किंतु अब आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं और मैं ऐसा फिर कभी नहीं होने दूंगा। जब हम एक भूल करते हैं, तो दूसरे व्यक्ति के विश्वास को झटका लगता है। अधिकतर सकारात्मक भावनाओं की नींव विश्वास ही होती है। उदाहरणार्थ जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप उन पर विश्वास करते हैं कि वे वास्तव में वैसे ही हैं जैसा वे स्वयं को दर्शाते हैं किंतु जब वे उसके विपरीत कार्य करते हैं, तो आप का विश्वास टूट जाता है। इस विश्वासघात से आप को बहुत कष्ट होता है और यह दूसरे व्यक्ति के प्रति आप की भावनाओं को भी प्रभावित करता है। यदि आप अपराध को दोहराने का विचार कर रहें हैं, तो ऐसी क्षमा याचना विश्वसनीय नहीं है। उदाहरणार्थ एक टूटे हुए घड़े को ले लीजिए। यदि आप सावधानी और सबूरी से प्रयत्न करें तो संभवतः एक बार उसे जोड़ सकते हैं किंतु उसे फिर से तोड़ने पर उसे जोड़ना अधिक कठिन या लगभग असंभव हो जाता है। इसी प्रकार यदि आप किसी के विश्वास को तोड़ते हैं संभवतः वह आपको एक बार क्षमा कर सकते हैं, लेकिन यदि आप ऐसा फिर से करते हैं तो आप उनसे क्षमा की आशा नहीं कर सकते। इसलिए, एक निष्ठाहीन क्षमा याचना सम्पूर्ण रूप से व्यर्थ है।

निष्कपट क्षमा याचना

क्षमा याचना विश्वसनीय तभी होती है जब आप यह ठान लें कि आप अपने अपराध को दोहराएंगे नहीं और जब आप कोई बहाना या औचित्य नहीं देते हैं। आप अपने कार्य का पूरा उत्तरदायित्व लेते हैं और सच्चे दिल से आप क्षमा मांगते हैं। पश्चाताप की भावना से रहित क्षमा याचना व्यर्थ है। वास्तव में, इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। अक्सर लोग कहते हैं, मुझे क्षमा करें परंतु मैंने ऐसा सोच कर यह काम किया था या मुझे क्षमा करें परंतु मैं ने यह कार्य इस कारण किया था या मुझे क्षमा करें यदि मेरे कारण आप को कोई चोट पहुंची हो। यह क्षमायाचना नहीं केवल बहाना है। एक सच्ची क्षमा याचना में यदि और परंतु जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं होता। यह कहना कि आपने ऐसा क्यों किया इसका भी कोई अर्थ नहीं। सर्वश्रेष्ठ क्षमा याचना वह है जहां आप यह पूर्ण रूप से समझें, महसूस करें तथा स्वीकार करें कि आपके कार्यों ने अन्य व्यक्ति को ठेस पहुंचाई है। एक कारण या औचित्य दे कर अपनी क्षमा याचना को दूषित न करें। यदि आप सच्चे दिल से क्षमा नहीं मांगते हैं तो आप अपनी क्षमा प्रार्थना का नाश कर रहे हैं। इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। आप एक क्षमा याचना अथवा एक बहाने में से केवल एक को ही चुन सकते हैं, दोनों को नहीं। एक सच्ची एवं निष्कपट क्षमा याचना वह होती है जिसमें आप अपने अपराध को पूर्ण रूप से स्वीकार करते हैं।

क्षमा मांगना क्यों जरूरी

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को किसी ने पत्थर का बना सुंदर पेन भेंट किया। उनका उस पेन से बहुत लगाव हो गया था। वे अपना लेखन कार्य उसी पेन से करते थे। काम खत्म होने के बाद स्वयं उसे संभाल कर मेज पर रख देते थे। एक दिन उनके ऑफिस का सेवक उनकी मेज की सफाई कर रहा था। सफाई करते समय अचानक उससे वह पेन नीचे गिर गया और टूट गया। स्याही के कुछ छींटे कमरे में बिछे कालीन और महामहिम राष्ट्रपति के कपड़ों पर जा गिरे। राष्ट्रपति को उसकी लापरवाही पर क्रोध आ गया और उसको डांटते हुए उसे काम से हटा कर दूसरी जगह भेज दिया। सेवक चला तो गया, किन्तु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बैचैन हो उठे। अंदर ही अंदर उनका मन उन्हें बुरा-भला कहने लगा। वे उदास हो गए। इसी बीच कई मिलने वाले लोग आए, किन्तु उनकी उदासी दूर नहीं हुई। उन्हें अपने सेवक से बुरा भला कहने पर बड़ी ग्लानी हो रही थी। सेवक से अनजाने में हुई गलती पर उसे डांटना उन्हें उचित नहीं लगा। वे उससे क्षमा मांगना चाहते थे। दूसरे दिन उन्होंने सेवक को बुलाया और उससे क्षमा याचना करने लगे। भारत का राष्ट्रपति एक सेवक से क्षमा मांगे, यह देखकर सेवक श्रद्धा से उनके चरणों में झुक गया। उनकी आंखे भर आई। उन्होंने उसी दिन उस सेवक को फिर से कार्य पर रख लिया। जिंदगी में हम लोग भी कई बार छोटी-छोटी बातो पर गुस्सा हो जाते है और दुसरे की थोड़ी सी गलती करने पर उससे उलझने लगते है और क्रोधित हो जाते हैं पर क्या ऐसा करना उचित है। सत्य तो यह है की क्रोध हमेशा ही हमारा स्वयं का ही नुकसान करता है और इससे समस्या का समाधान नहीं निकलता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन की यह कहानी हमें सीख दे जाती है की एक उच्च चरित्र का आदमी स्वयं की गलती होने पर माफी मांगने से भी नहीं कतराता। इसलिए अपने जीवन में कभी भी छोटी-छोटी बातो को लेकर गुस्सा न करे और जीवन को प्रसन्नता से जिएं।

क्षमा मांगना और क्षमा करना

बिना शर्त पूर्णरूप से क्षमायाचना करें और क्षमा भी करें। लाभ-हानि या किसी निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर क्षमा मांगने और क्षमा देने से क्षमा निष्काम कर्म की कोटि में आ जाती है और निष्काम कर्म सबसे उत्तम माना गया है। जो लोग न क्षमा मांगना जानते हैं और क्षमा करना नहीं तो वे अपने लिए इस धरती पर ही नरक की सृष्टि कर लेते हैं। क्षमाशील व्यक्तित ही इस धरती पर स्वर्ग की सृष्टि कर जीतेजी स्वर्ग भोगते हैं। क्षमा कब करें? यदि कोई व्यक्ति क्षमा मांगता है, तो क्षमा न करना अपराध जैसी स्थिति हो जाती है। क्षमा मांगने पर मांगने वाला अपनी गलती को स्वीकार कर अपराधबोध से मुक्त हो जाता है, लेकिन क्षमा न करने वाला उसकी पीड़ा से सुलगता रहता है। अतः किसी के क्षमा मांगने पर क्षमा कर देना उसके स्वयं के लिए एक उपयोगी क्षण है। कोई अपनी गलती के लिए क्षमा न मांगे तो भी क्या उसे क्षमा किया जा सकता है? यह क्षमा करने वाले पर निर्भर है, पर क्षमा न करने पर क्षमा न करने वाला भी तो भुगतेगा। क्षमा मांगने पर भी और क्षमा न मांगने पर भी। बस थोड़ी सूझबूझ की जरूरत है। दूसरा क्षमा मांगे या न मांगे आप तो किसी भी तरह उसे क्षमा कर घातक मनोभावों से मुक्त हो जाइए। आप क्यों दूसरे की गलती का बोझ अपने मन में ढो रहे हैं? क्षमा न मांगने पर भी किसी को सही तरीके से उसकी गलती का एहसास कराकर क्षमा कर देने से गलती के शीघ्र परिष्कार की अपेक्षा की जा सकती है। क्षमा करना दूसरे को सुधरने का अवसर प्रदान करना ही है, अतः यह अनिवार्य भी है। अधूरी या आंशिक क्षमा का भी कोई अर्थ नहीं। भगवान महावीर इसलिए बाहुबली कहलाए, क्योंकि उन्होंने क्षमा को जीवन का अनिवार्य तत्व स्वीकार कर अपनाया। उनके बतलाए हुए मार्ग को धर्म कहा गया, क्योंकि इसमें क्षमा की प्रधानता थी। सम्राट अशोक इसलिए महान नहीं कहलाए कि उन्होंने कलिंग युद्ध में विजय प्राप्त की, अपितु ऐसे धर्म की शरण में चले गए जिसमें क्षमा की प्रधानता थी। ईसा मसीह ने उन लोगों को भी क्षमा कर दिया, जिन्होंने ईसा मसीह को सूली पर टांग दिया और ईसा मसीह प्रभु बन गए। उनके द्वारा दिखलाया गया मार्ग एक नया धर्म बन गया। क्षमा के अभाव में न कोई व्यक्ति वीर है और न कोई धर्म पूर्ण है। शत्रु और मित्र शब्दों का अस्तित्व वास्तव में 'क्षमा' के अभाव में ही है। जहां क्षमा है, वहां शत्रुता अथवा द्वेष का क्या काम?

वैर बिन, ये चार दिन

वैर मनुष्य के मन रूपी सरोवर में रहने वाली एक ऐसी गंदी मछली है जो सारे सरोवर को गंदा कर देती है। अगर हमारे मन में वैर, कपट, कलह और कटुता है, प्रतिशोध की भावना है तो हमने अपने मन के सरोवर में गंदी मछली को जन्म दे दिया है। जब तक यह गंदी मछली रहेगी हम अपने जीवन में दुर्गंध से भरे रहेंगे। वैर से वैर मिटता नहीं है। हम अपने विरोधी को भी प्रेम दें, उसके प्रति भी दोस्ती के भाव रखें, निंदा करने वाले व्यक्ति की भी प्रशंसा करें तो हम पाएंगे कि एक दिन वे हमारे साथ हो जाएंगे। जिसके मन में कठोरता, कटुता, कलह और संघर्ष की भावना रहती है उसके चित्त में कभी किसी के प्रति प्रेम नहीं होता। उसके प्रेम के सरोवर का पानी सूख जाता है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। स्नेह की कमी से मेलजोल में कटौती होती है। वह स्वयं तो दुखी रहता ही है किंतु अपनी उपस्थिति से आसपास के लोगों को भी दुखी करता है। अपने क्रोध और अहंकार से स्वयं को तो दंडित करता ही है, दूसरों को भी दंडित करने की सोचता रहता है। इतिहास में खून की जो नदियां बहती रही हैं, उनका एकमात्र कारण प्रतिशोध और बदले की भावना रही है। चिरकाल तक मनुष्य के मन में प्रतिशोध की भावना लहराती है। एक बार हम अपने मन को टटोलें, किसी धार्मिक ग्रन्थ की तरह ईमानदारी से अपने मन को पढ़ें। अपनी विचारस्थिति को पढ़े कि कहीं उसके भीतर कोई वैर तो नहीं है। चार दिन की छोटी-सी जिंदगी में दो दिन तो बीत गए और शेष दो दिन भी बीत जाएंगे - फिर किस बात का वैर-विरोध! छोटी-छोटी बातों की गांठें न बांधें। जैसे गन्ने की गांठ में एक बूंद भी रस नहीं होता वैसे ही जिस आदमी के मन में गांठें बन जाती हैं, उसका जीवन भी नीरस हो जाता है।

प्रेम प्रभावी हो ...

औरों के वचनों से मन को प्रभावित न करें, औरों की टिप्पणी से मन को कुंठित न करें, अपने मन को विचलित न करें। बुद्ध किसी गांव से जा रहे थे। गांव के लोगों ने उनकी बहुत निंदा की, अपशब्द कहे। गांव वाले जितना बुरा बोल सकते थे, बोले। जब वे चुप हो गए तो बुद्ध ने कहा - क्या अब मैं अगले गांव चला जाऊं? लोग दंग रह गये कि हमने इन्हें इतना भला-बुरा कहा और ये जरा भी प्रभावित नहीं हुए बल्कि मधुर मुस्कान से पूछ रहे हैं कि क्या मैं अगले गांव चला जाऊं? लोगों ने पूछा, हमारी गालियों का क्या हुआ? बुद्ध ने कहा - मैं जब पिछले गांव में था तो लोग मेरे पास मिठाइयां लेकर आए थे। उन्होंने मुझे मिठाइयां देने की बहुत कोशिश की और तरह-तरह के प्रयास भी किए लेकिन मैंने किसी की मिठाई स्वीकार नहीं की। आप मुझे बताएं कि वे मिठाइयां फिर किसके पास रहीं? लोगों ने कहा- यह तो बच्चा भी बता देगा कि मिठाइयां उन्हीं के पास रहीं। बुद्ध ने कहा- तुम्हारी बात तुम्हें मुबारक! पीछे के गांव वालों ने मिठाइयां दी, मैंने वे नहीं लीं अतः वे उन्हीं के पास रहीं, वैसे ही आप लोगों ने मुझे गालियां दीं और मैंने नहीं लीं तो आप लोगों की चीज आप ही के पास रह गई। जिनके मन में प्रेम और शांति का निर्झर बहा करता है वे ही लोग अप्रियता, कलह, कटुता और विरोध का वातावरण बनने पर भी उसे प्रेम और क्षमा में ढाल लिया करते हैं।

हर हाल में खुश रहो

प्रसन्न रहो, हर हाल में खुश रहो। प्रसन्नता आपके सौंदर्य को द्विगुणित करती है। आप प्रेम में, वात्सल्य में जीकर तो देखें। जितने आप जवानी में सुंदर हैं उससे भी अधिक बुढ़ापे में सुंदर दिखाई देंगे। क्या आपने गांधीजी का जवानी और बुढ़ापे का चित्र देखा है? तीस वर्ष की आयु में वे जैसे दिखते थे, सत्तर वर्ष की आयु में उससे कहीं अधिक सुंदर दिखने लगे थे। जैसे-जैसे व्यक्ति के विचार सुंदर होते जाते हैं उसका भीतरी सौंदर्य चेहरे पर प्रकट होने लगता है। आपने महर्षि अरविंद का वृद्धावस्था का चित्र देखा है? उनके चेहरे का ओज, तेज और सौंदर्य कितना अधिक आकर्षक था? बुढ़ापे में उसी का चेहरा बदसूरत होता है जिसके विचार सुंदर नहीं होते। जिसकी विचारदशा सुंदर होती है, वह जैसे-जैसे बूढ़ा होता है, उसके चेहरे पर सौन्दर्य छलछलाने लगता है। किसी के कल्याण के लिए अपनी ओर से जो कुछ भी हो सके, कर दो। अगर नहीं कर सको तो सहज रहो, अपने मन को हमेशा निर्मल रखो। वैर-विरोध और प्रतिशोध उसी को अच्छे लगते हैं जिसने अभी तक प्रेम और क्षमा का स्वाद नहीं चखा है। दुनिया में दो कठिन कार्य हैं- किसी से क्षमा मांगना या किसी को क्षमा करना। परन्तु ये दोनों ही कार्य आपको अनेक कठिनाईयों से मुक्ति दिलाते हैं। शुरू-शुरू में माफी मांगना हमें जहर पीने के समान लगता है परन्तु परिणाम में अमृत हो जाता है। क्षमा मांगना यदि प्रायश्चित का सुंदर व अच्छा रूप है तो क्षमा करना बड़प्पन का प्रतीक। इसमें आप न केवल मन की उलझन से मुक्त होंगे अपितु अपनी शक्ति और शांति में बढ़ोतरी करने में भी सफल हो जाएंगे।

हस्ताक्षर व्यक्तित्व का आईना...

हस्ताक्षर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण आइना है। व्यक्ति के हस्ताक्षर में उसके व्यक्तित्व की सभी बातें पूर्ण रूप से दिखाई देती हैं। हस्ताक्षर या लिखावट से हमारा सीधा संबंध मानसिक विचारों से होता है यानी हम जो सोचते हैं करते हैं जो व्यवहार में लाते हैं वह सब अवचेतन रूप में कागज पर अपनी लिखावट व हस्ताक्षर के द्वारा प्रदर्शित कर देते हैं। यहां यह जानना भी जरूरी है कि हस्ताक्षर के अध्ययन से व्यक्ति अपने भविष्य व व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है और हस्ताक्षर में दिखाई देने वाली कमियों को दूर करते हुए अपने हस्ताक्षर के साथ-साथ अपना भविष्य व व्यक्तित्व भी बदल सकता है।

पहला अक्षर बड़ा

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर का पहला शब्द काफी बड़ा रखता है, वह व्यक्ति उतना ही विलक्षण प्रतिभा का धनी, समाज में काफी लोकप्रिय व उच्च पद प्राप्त करने वाला होता है। हस्ताक्षर में पहला शब्द बड़ा व बाकी के शब्द सुंदर व छोटे आकार में होते हैं ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे उच्च पद प्राप्त करते हुए सर्वोच्च स्थान पाता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में पैसा बहुत कमाता है। कई भवनों का मालिक बनता है व समाज में काफी लोकप्रिय होता है किन्तु संकोची स्वभाव का उत्तम श्रेणी का विद्वान भी होता है। वह अपने कुल का नाम काफी ऊंचा करता है।

अस्पष्ट हस्ताक्षर

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर इस प्रकार से लिखता है, जो काफी अस्पष्ट होते हैं तथा जल्दी-जल्दी लिखे गए होते हैं वह व्यक्ति जीवन को सामान्य रूप से नहीं जी पाता, हर समय ऊंचाई पर पहुंचने की ललक लिए रहता है। इस प्रकार का व्यक्ति राजनीतिज्ञ, अपराधी, कूटनीतिज्ञ या बहुत बड़ा व्यापारी बनता है। जीवन आपाधापी में व्यतीत करने के कारण वह समाज से कटने लगता है तथा लोगों की उपेक्षा का शिकार भी बनता है। वह व्यक्तिगत रूप से पूर्ण सम्पन्न तथा इनका वैवाहिक जीवन कम सामान्य रहता है। वह धोखा दे सकता है, परंतु धोखा खा नहीं सकता है। यह इसकी विशेषता है।

काफी छोटे हस्ताक्षर

जो व्यक्ति हस्ताक्षर काफी छोटे व शब्दों को तोड़-मरोड़ कर उनके साथ खिलवाड़ करता है जिसके फलस्वरूप हस्ताक्षर बिल्कुल पढ़ने में नहीं आता है वह व्यक्ति बहुत ही चालाक होता है। अपने फायदे के लिए किसी का भी नुकसान करने व नुकसान पहुंचाने से नहीं चूकता। पैसा, धन भी गलत रास्ते से कमाता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति एवं अपराध के क्षेत्र में काफी नाम कमाता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें खींचता है, वह व्यक्ति भावुक होता है। पूरी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता, मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर होता है। इसके जीवन में असुरक्षा की भावना रहती है। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के शब्दों को काफी घुमाकर, सजाकर प्रदर्शित करके करता है वह व्यक्ति किसी न किसी हुनर का मालिक अवश्य होता है यानी कलाकार, गायक, पेंटर, व्यंग्यकार आदि। ऐसे व्यक्तियों का समय जीवन के उत्तरार्द्ध में अच्छा होता है।

हस्ताक्षर के नीचे एक बिंदू

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में नाम का पहला अक्षर सांकेतिक रूप से तथा उपनाम पूरा लिखता है तथा हस्ताक्षर के नीचे बिंदू लगाता है, ऐसा व्यक्ति भाग्य का धनी होता है। मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, समाज में पूर्ण सम्मान प्राप्त करता है। ईश्वरवादी होने के कारण इन्हें किसी भी प्रकार की लालसा नहीं सताती, इसके फलस्वरूप जो भी चाहता है स्वतः ही प्राप्त हो जाता है। वैवाहिक जीवन सुखी व संतानों से भी सुख प्राप्त होता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो बिंदू

अपने हस्ताक्षर के अंतिम शब्द के नीचे दो बिंदू रखने वाला व्यक्ति विलक्षण प्रतिभा का धनी होता है। ऐसा व्यक्ति जिस क्षेत्र में जाता है काफी प्रसिद्धि प्राप्त करता है और ऐसे व्यक्ति से बड़े-बड़े लोग सहयोग लेने को उत्सुक रहते हैं। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर स्पष्ट लिखते हैं तथा हस्ताक्षर के अंतिम शब्द की लाइन या मात्रा को इस प्रकार खींच देते हैं जो ऊपर की तरफ जाती हुई दिखाई देती है, ऐसे व्यक्ति शिक्षक , विद्वान, बहुत ही तेज दिमाग के होते हैं। ऐसे व्यक्ति दिल के बहुत साफ होते हैं, हरेक के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहते हैं। मिलनसार, मृदुभाषी, समाजसेवक, परोपकारी होते हैं। वे कभी किसी का बुरा नहीं सोचते, सामने वाला व्यक्ति कैसा भी क्यों न हो, हमेशा उसे सम्मान देते हैं। सर्वगुण सम्पन्न होने के बावजूद काफी पैसा व पूर्ण सम्मान प्राप्त होता है।

यह है अलग तरह का म्यूजिक...

ईडीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक एक अलग तरह का म्यूजिक है जो सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट के जरिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर यह सिर्फ कंप्यूटर म्यूजिक सॉफ्टवेयर की मदद से ही संचालित किया जाता है। मौजूदा दौर में आउटडोर क्लबों में होने वाले आयोजन में यही म्यूजिक चलन में आता है।

लोगों की अभी यही धारणा है कि भारत में ईडीएम का प्रवेश अभी-अभी हुआ है। लेकिन हकीकत यह है कि संगीत की यह विधा बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और भारत इस मायने में कहीं भी पीछे नहीं है। दुनिया के करीब 250 से ज्यादा विदेशी कलाकार वर्षभर में भारत का दौरा करते हैं। इस क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले जर्मन मूल के अमेरिकन संगीत निर्माता मार्कुस शुल्ज ने कुछ समय पहले मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे। तब उन्होंने कहा था भले ही मौजूदा दौर में बहुत ज्यादा क्लब नहीं हैं, लेकिन जिस तरह लोगों की रुचि इसमें बढ़ रही है उससे आयोजनों की भव्यता और बढ़ेगी। इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की बढ़ती लोकप्रियता ने बॉलीवुड संगीत सितारों को भी हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब सिर्फ बड़े शहरों तक नहीं रहा बल्कि अहमदाबाद, गुड़गांव, इंदौर, लखनऊ जैसे शहरों में भी देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि बॉलीवुड सितारे भी अपने लाइव शो में ईडीएम को शामिल करने लगे हैं।

कुछ समय पहले इंदौर में पाकिस्तानी कलाकार आतिफ असलम ने डीजे चेतस के साथ मिलकर अपने छह हजार से ज्यादा प्रशंसकों के लिए ईडीएम की प्रस्तुति दी थी। एक ओर दिन रात इस तरह के म्यूजिक को चाहने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्हें संगीत का एक नया बेहतरीन अनुभव भी मिल रहा, वहीं इस म्यूजिक को जीतोड़ कर चाहने के कारण कुछ अपवाद वाली स्थितियां भी सामने आ रही हैं। मसलन, इस तरह के आयोजनों में पश्चिमी रंग ज्यादा होता है और इसमें पात्रता 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के युवाओं की रहती है। तो इस तरह के आयोजन में ग्लैमर, ड्रग्स और कुछ ज्यादा ही छूट मिलती है। पिछले साल गोवा में ऐसे ही एक डीजे की मौत ड्रग्स की ज्यादा मात्रा लेने से हो गई थी। गुड़गांव में अमेरिकन युवा लेडी आर्टिस्ट की मृत्यु भी ईडीएम में होने वाले तेज आवाज के शोर से हो गई थी। दिल्ली की फैशन डिजाइनर आंचल अरोड़ा की भी मौत ईडीएम आयोजन में दम घुटने से हो गई थी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**